हिंदी दैनिक

कोयलांचल संवाद

'अहिंसा परमो धर्मः धर्म हिंसा तथैव च'

रांची व धनबाद से एक साथ प्रकाशित

रांची, मंगलवार, 31 मार्च, 2026 वर्ष : 13 अंक : 304 मूल्य : 3 रुपए

www.koylanchalsamvad.com

जनगणना-2026 का पहला चरण 1 अप्रैल से, 33 सवाल तय

ऑनलाइन पोर्टल पर भी जानकारी दे सकेंगे; लिव-इन कपल को शादीशुदा का दर्जा मिलेगा

नई दिल्लीः जनगणना-2026 का पहला चरण 1 अप्रैल से शुरू हो रहा है। इसमें 33 सवाल पूछे जाएंगे। इसके मुताबिक, स्थिर रिश्ते में रहने वाले लिव-इन कपल्स को भी शादीशुदा माना जाएगा। ऐसा तब ही होगा जब कपल मानेगा कि उनका रिश्ता लंबा चलने वाला है। पहले फेज के लिए ऑनलाइन पोर्टल भी शुरू किया गया है, जहां लोग खुद अपनी जानकारी भर सकेंगे। उनकी मदद के लिए इस पोर्टल पर FAQ (अक्सर पूछे जाने वाले सवाल) भी दिए गए हैं। यह चरण 'हाउस लिस्टिंग और हाउसिंग जनगणना' कहलाता है। इसका मकसद देश में घरों और बुनियादी सुविधाओं की जानकारी जुटाना है, ताकि सरकार बेहतर योजनाएं बना सके। दूसरे चरण में आबादी से जुड़ी डिटेल जानकारी ली जाएगी।

जनगणना आयुक्त बोले- रेफरेंस डेट बहुत महत्वपूर्ण

भारत के रजिस्ट्रार जनरल और जनगणना आयुक्त मृत्युंजय कुमार नारायण कहते हैं, 'जनगणना की संदर्भ तिथि (रेफरेंस डेट) बहुत महत्वपूर्ण है। संदर्भ समय 1 मार्च की आधी रात है, जो 28 फरवरी 2027 और 1 मार्च 2027 के बीच पड़ती है। इस संदर्भ तिथि का उल्लेख 16 जून 2025 को जारी पहली अधिसूचना में किया गया था, जिसमें जनगणना कराने के इरादे की घोषणा की गई थी। इसी संदर्भ तिथि के कारण इसे जनगणना 2027 कहा जाता है। 16 जून, 2025 को अधिसूचना प्रकाशित होने के बाद प्रक्रिया शुरू हो गई थी, लेकिन संदर्भ तिथि 1 मार्च 2027 ही बनी हुई है। जनगणना के परिणामों से प्रत्येक प्रशासनिक इकाई, राज्य, जिले, गांव और वार्ड की जनसंख्या और विभिन्न आंकड़ों की एक झलक मिलेगी, जैसा कि वे 1 मार्च, 2027 को 00:00 बजे की स्थिति में होंगे। इसलिए यह संदर्भ तिथि बहुत महत्वपूर्ण है। भारत में जनगणना दो चरणों में की जाती है। पहला चरण 'हाउस लिस्टिंग और हाउसिंग जनगणना' है, जिसमें घरों की सूची बनाना और उनकी गिनती करना शामिल है।'

पहला फेज 1 अप्रैल 2026 से

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने 8 जनवरी को बताया था कि देश में होने वाली जनगणना 2027 का पहला फेज 1 अप्रैल से 30 सितंबर के बीच किया जाएगा। हर राज्य और केंद्र शासित प्रदेश अपने यहां 30 दिनों में यह काम पूरा करेंगे। सरकार ने यह भी कहा कि घरों की लिस्टिंग शुरू होने से 15 दिन पहले लोगों को खुद से जानकारी भरने (सेल्फ एन्यूमरेशन) का विकल्प भी दिया जाएगा। दरअसल, जनगणना 2021 में होनी थी, लेकिन कोरोना महामारी की वजह से इसे टाल दिया गया था। यह अब 2027 में पूरी होगी।

जनगणना पूरी तरह डिजिटल होगी

सरकार ने बताया कि इस बार जनगणना पूरी तरह डिजिटल होगी। करीब 30 लाख कर्मचारी मोबाइल एप के जरिए जानकारी जुटाएंगे। मोबाइल एप, पोर्टल और रियल टाइम डेटा ट्रांसफर से जनगणना बहुत हद तक पेपरलेस होगी। ये ऐप एंड्रॉयड और आईओएस दोनों पर काम करेंगे। जाति से जुड़ा डेटा भी डिजिटल तरीके से इकट्ठा किया जाएगा। आजादी के बाद पहली बार जनगणना में जाति की गिनती शामिल होगी। इससे पहले अंग्रेजों के समय 1931 तक जाति आधारित जनगणना हुई थी। यह फैसला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली कैबिनेट कमेटी ने अप्रैल में लिया था। 2011 की पिछली जनगणना के अनुसार, भारत की आबादी करीब 121 करोड़ थी, जिसमें लगभग 51.5% पुरुष और 48.5% महिलाएं थीं।

मैप पर हर घर 'डिजी डॉट' बनेगा, इसके 5 फायदे होंगे

1. आपदा में सटीक राहतः जियो टैगिंग से बना डिजिटल लेआउट मैप बादल फटने, बाढ़ या भूकंप जैसी आपदा के समय उपयोगी साबित होगा। सुदूर हिमालयी क्षेत्र में बसे किसी गांव में बादल फटने जैसी घटना के समय इस मैप से तुरंत पता चल जाएगा कि किस घर में कितने लोग रहते हैं। होटलों में क्षमता के हिसाब से कितने लोग रहे होंगे। इस ब्योरे से बचाव के लिए जरूरी तमाम नौका, हेलिकॉप्टर, फूड पैकेट आदि की व्यवस्था करने में मदद मिलेगी।

2. परिसीमन में मदद मिलेगीः राजनीतिक सीमाएं जैसे संसदीय या विधानसभा क्षेत्रों का युक्तिसंगत तरीके से निर्धारण करने में भी इससे मदद मिलेगी। जियो टैगिंग से तैयार मैप से तस्वीर साफ हो जाएगी कि क्षेत्र में ग्रामीण और शहरी क्षेत्र का संतुलित बंटवारा कैसे हो। समुदायों को ऐसे न बांट दिया जाए कि एक मोहल्ला एक क्षेत्र में और दूसरा मोहल्ला किसी अन्य क्षेत्र में शामिल हो जाए।

3. शहरी प्लानिंग में आसानीः शहरों में सड़कों, स्कूलों, अस्पतालों या पार्कों की प्लानिंग करने में भी यह मैप उपयोगी साबित होगा। अगर किसी जगह के घरों के डिजिटल लेआउट में बच्चों की अधिकता होगी तो पार्क और स्कूल प्राथमिकता से बनाने की योजना तैयार की जा सकेगी। यदि किसी बस्ती में कच्चे मकानों या खराब घरों की अधिकता दिखेगी तो वहां किसी मेडिकल इमरजेंसी के समय तत्काल मोबाइल राहत वैन भेजी जा सकेगी।

4. पलायन दर का डेटा मिलेगाः दस साल बाद होनी वाली जनगणना में डिजिटल मैप के परिवर्तन आसानी से दर्ज किए जा सकेंगे। देश के विभिन्न हिस्सों में शहरीकरण की दर व पलायन के क्षेत्रों की मैपिंग की तुलना सटीक ढंग से की जा सकेगी।

5. मतदाता सूची से डुप्लीकेट नाम हट जाएंगेः आधार की पहचान के साथ जियो टैगिंग मतदाता सूची को मजबूत बनाने में सहायक होगी। जब वोटर किसी भौगोलिक स्थान से डिजिटली जुड़ा होगा तो दोहरे पंजीकरण के समय उसके मूल निवास का पता भी सामने आएगा।

नीतीश कुमार का एमएलसी पद से इस्तीफा, मंत्री अशोक चौधरी रोए

तेजस्वी यादव बोले- बीजेपी ने दबाव में इस्तीफा दिलवाया

नितिन नवीन ने भी एमएलए पद से रिजाइन किया

पटनाः बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने सोमवार को बिहार विधान परिषद की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। उनका इस्तीफा विजय चौधरी और एमएलसी संजय गांधी लेकर विधान परिषद पहुंचे। मंत्री विजय चौधरी ने कहा, 'मुख्यमंत्री जी राज्यसभा के सदस्य निर्वाचित हो चुके हैं। ये तो संवैधानिक प्रक्रिया है। आज उन्हें इस्तीफा देना था। उनका त्यागपत्र एमएलसी संजय गांधी ने विधान परिषद के सभापति अवधेश नारायण सिंह सौंप दिया है।' नीतीश कुमार के इस्तीफे के बाद मंत्री अशोक चौधरी भावुक नजर आए। वो फफक कर रोते दिखे। वहीं नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा, 'बीजेपी ने मुख्यमंत्री से दबाव में इस्तीफा दिलवाया है।' इधर, बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन का इस्तीफा बिहार बीजेपी के अध्यक्ष संजय सरावगी ने विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार को सौंप दिया है। नितिन नवीन ने कल असम जाने से पहले अपना इस्तीफा प्रदेश अध्यक्ष को सौंपा था।

अब आगे क्या हो सकता है

- 14 अप्रैल तक खरमास है। खरमास के बाद सीएम नीतीश इस्तीफा दे सकते हैं।
- चर्चा है कि नीतीश के सीएम पद से इस्तीफा देने के बाद बीजेपी बिहार में अपना मुख्यमंत्री बना सकती है।
- एक ऑप्शन यह भी है कि नीतीश कुमार संवैधानिक नियम के मुताबिक 6 महीने तक बिहार के मुख्यमंत्री बने रह सकते हैं

प्रेम कुमार बोले- नीतीश सीएम बने रह सकते हैं

बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने साफ किया है कि अगर नीतीश कुमार चाहें तो वे अगले 6 महीनों तक मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बने रह सकते हैं। मुख्यमंत्री नीतीश 16 मार्च को राज्यसभा के लिए निर्वाचित हुए थे। उनके साथ एनडीए के चार अन्य सदस्य भी चुने गए थे, जिनमें बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन भी शामिल हैं। संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार, यदि कोई सदस्य दूसरे सदन के लिए चुना जाता है तो उसे 14 दिनों के भीतर दोनों सदनों में से किसी एक से इस्तीफा देना जरूरी होता है।

मां के लिए नितिन नवीन ने किया भावुक पोस्ट

इस्तीफे के बीच बीजेपी अध्यक्ष ने मां को लेकर एक भावुक पोस्ट किया। सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, 'मां की परछाई तो नहीं है, पर मां का एहसास आज भी उसी तरह जीवंत है। पिछले 5 सालों में कई मुकाम और प्रतिष्ठा मिली, पर उन सब के बीच में कुछ खालीपन का एहसास हमेशा दिल को कचोटता भी है। मेरे मंत्री बनने के कुछ दिन बाद मां हम सब को छोड़कर चली गई, लगता है जैसे वो उसी दिन के इंतजार में थी।

मुझे आशीर्वाद दिया फिर अपनी अंतिम यात्रा पर चली गईं। मां के होने और न होने का अंतर शायद वही लोग समझ सकते हैं, जिन्होंने मां को खोया हो। मित्रों, जब तक मां है, उसको पूरा सम्मान और समय दो, दुनिया की सबसे कीमती चीज मां है। जब तक वो है, उसको हमेशा खुश रखो और पूरा समय दो, क्योंकि जो उसने दिया है वो तुम्हें कोई दे ही नहीं सकता। मां तुम्हारे अंदर का विश्वास है, मां हर खुशी है, मां तुम्हारी ऊर्जा है, जिससे तुम दुनिया से लड़ते हो। मां के श्री चरणों को शत्-शत् बार नमन।'

महावीर जयंती पर मांस-मछली की दुकानें रहेंगी बंद, निगम का सख्त निर्देश

रांचीः रांची नगर निगम ने भगवान महावीर जयंती के अवसर पर 31 मार्च को नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सभी बूचड़खानों एवं मांस, मछली और मुर्गा की दुकानों को बंद रखने का निर्देश जारी किया है. निगम द्वारा जारी आदेश के अनुसार इस दिन मांस, मछली एवं मुर्गा के क्रय-विक्रय पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा. प्रशासन ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि कोई भी दुकानदार इस आदेश का उल्लंघन करते हुए पाया गया, तो उसके विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी. निगम प्रशासन ने सभी दुकानदारों एवं नागरिकों से अपील की है कि धार्मिक भावना और परंपरा का सम्मान करते हुए आदेश का पालन सुनिश्चित करें.

1984 सिख दंगा पीड़ित मुआवजा केसः सेवानिवृत्त जस्टिस गौतम चौधरी बने वन मैन कमीशन के अध्यक्ष

रांचीः वर्ष 1984 के सिख दंगा में झारखंड में प्रभावित लोगों को मुआवजा दिलाने एवं सिख दंगा से संबंधित केस क्रिमिनल केस की मॉनिटरिंग करने को लेकर दायर सतनाम सिंह गंभीर जनहित याचिका की सुनवाई झारखंड हाईकोर्ट में हुई. मामले में हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस एमएस सोनक की अध्यक्षता वाली खंडपीठ को बताया गया कि मामले में गठित वन मैन कमीशन के अध्यक्ष का पद रिक्त हो गया है. जिस पर खंडपीठ ने हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त जस्टिस गौतम कुमार चौधरी को वन मैन कमीशन का अध्यक्ष नियुक्त करने का निर्देश दिया. बता दें कि वन मैन कमीशन के अध्यक्ष रिटायर्ड जस्टिस डीपी सिंह थे, उनका अब निधन हो चुका है. पूर्व की सुनवाई में सरकार की ओर से बताया गया था कि मुआवजा भुगतान की प्रक्रिया लगभग पूरी कर ली गई है. वन मैन कमीशन द्वारा अनुशंसा किए गए 41 पीड़ितों में से 39 पीड़ितों को मुआवजा दे दिया गया है. वही प्रार्थी के अधिवक्ता दिवाकर उपाध्याय ने कोर्ट को बताया था कि सिख दंगा पीड़ित कई अन्य लोगों को भी मुआवजा मिलना चाहिए. यहां उल्लेखनीय है कि झारखंड के सिख दंगे से प्रभावित 4 जिलों रांची, रामगढ़, बोकारो, पलामू के लोगों को मुआवजा देने के संबंध में कमीशन ने आदेश पारित किया था.

नाबालिग से दरिंदगी पर हाईकोर्ट का स्वतः संज्ञान, डीजीपी, एसपी और गृह सचिव को जवाब तलब

रांची : हजारीबाग जिले के विष्णुगढ़ प्रखंड के कोसुंभा गांव में 12 वर्षीय नाबालिग के साथ दुष्कर्म के बाद हत्या मामले को झारखंड उच्च न्यायालय ने गंभीरता से लिया है। उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने मामले में स्वतः संज्ञान लेते हुए राज्य के डीजीपी, गृह सचिव एवं एसपी हजारीबाग को नोटिस जारी कर उन्हें जवाब दाखिल करने को कहा है। खंडपीठ ने मामले को सुनवाई के लिए मुख्य न्यायाधीश के पास भेज दिया है। सुनवाई के दौरान अदालत के समक्ष यह बात लाई गई कि यह मामला दिल्ली के निर्भया कांड की तरह है। इसमें बच्ची के प्राइवेट पार्ट के साथ भी अमानवीय व्यवहार किया गया है। अदालत ने कहा कि यह घटना घृणित और मानवता को शर्मसार करने वाली है। अदालत के समक्ष उक्त घटना से संबंधित पेपर की कटिंग प्रस्तुत की गई, जिसे अदालत ने गंभीर मामला मानते हुए तुरंत झालसा सचिव एवं हजारीबाग एसपी को वर्चुअल तलब किया।

अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग का 31वां दिन

होर्मुज स्ट्रेट पर नाकेबंदी करने वाले ईरानी कमांडर की मौतःइजराइल के हमले में घायल हुए थे तंगसीरी, ईरान बोला- ऑपरेशन पर असर नहीं पड़ेगा

तेल अवीव/तेहरानः ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट पर नाकेबंदी से जुड़े आईआरजीसी नेवी चीफ अलीरेजा तंगसीरी की मौत की आधिकारिक पुष्टि कर दी है। वे पिछले हफ्ते इजरायली एयरस्ट्राइक में गंभीर रूप से घायल हुए थे और बाद में उनकी मौत हो गई। रिवोल्यूशनरी गार्ड्स के मुताबिक, तंगसीरी हमले के समय कोस्टल डिफेंस और मैरीटाइम ऑपरेशंस से जुड़े थे। उन्हें होर्मुज स्ट्रेट पर ईरान की नाकेबंदी का प्रमुख चेहरा माना जाता था, जिसके जरिए ईरान ने वैश्विक तेल सप्लाई पर दबाव बनाया। ईरान ने उनकी मौत के बावजूद साफ किया है कि उसके सैन्य ऑपरेशंस पर कोई असर नहीं पड़ेगा और रणनीति पहले की तरह जारी रहेगी। गौरतलब है कि इजराइल के रक्षा मंत्री ने 26 मार्च को दावा किया था कि एक एयरस्ट्राइक में तंगसीरी को मार गिराया गया। ईरान जंग के बीच फारस की खाड़ी में भारत के 18 जहाज और 485 भारतीय क्रू मौजूद हैं और सभी सुरक्षित हैं। पोर्ट्स, शिपिंग और जलमार्ग मंत्रालय ने बताया कि पिछले 24 घंटों में किसी भी तरह की समुद्री घटना नहीं हुई है और स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। भारत सरकार के मुताबिक, हाल ही में दो भारतीय एलपीजी कैरियर बीडब्ल्यू टीवाईआर और बीडब्ल्यू ईएलएम सफलतापूर्वक होर्मुज स्ट्रेट पार कर भारत की ओर बढ़ चुके हैं। इसके अलावा, पिछले 24 घंटों में 8 भारतीय नाविकों को सुरक्षित भारत वापस लाया गया है।

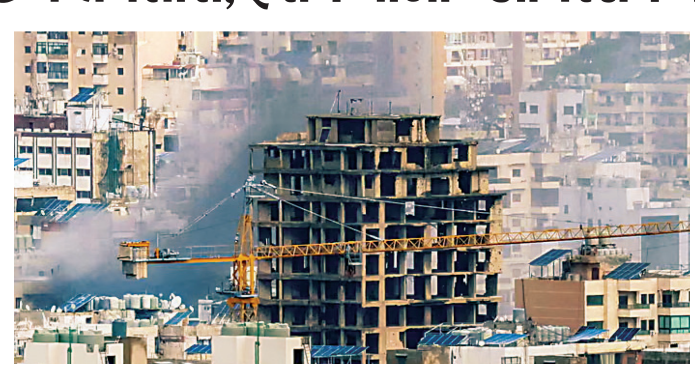

स्पेन ने अमेरिका के लिए एयरस्पेस बंद किया

स्पेन ने ईरान के खिलाफ युद्ध में शामिल अमेरिकी सैन्य विमानों के लिए अपना एयरस्पेस बंद कर दिया है। साथ ही, मिलिट्री बेस के इस्तेमाल पर भी रोक लगा दी गई है। स्पेन की रक्षा मंत्री मार्गारीटा रोब्लेस ने कहा कि देश न तो अपने एयरस्पेस और न ही सैन्य ठिकानों का इस्तेमाल ईरान से जुड़े किसी भी सैन्य अभियान के लिए करने देगा। इस फैसले के बाद अमेरिकी विमानों को अपने रूट बदलने पड़ेंगे, हालांकि मानवीय और आपातकालीन उड़ानों को छूट दी गई है।

नक्सलवाद वैचारिक बीमारी थी, जिसे विकास और सख्ती से जवाब मिला, गरीबी ने नक्सलवाद नहीं, नक्सलवाद ने गरीबी फैलाई : अमित शाह

रांचीः गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को लोकसभा में नक्सलवाद पर हुई चर्चा के दौरान सरकार की नीति, उपलब्धियों और भविष्य की रणनीति को विस्तार से रखा। करीब डेढ़ घंटे के अपने भाषण में उन्होंने कहा कि भारत अब लगभग नक्सल-मुक्त हो चुका है और 31 मार्च 2026 तक देश से नक्सलवाद को पूरी तरह समाप्त करने का लक्ष्य तय किया गया है। उन्होंने कहा कि सभी व्यवस्थाएं पूरी होने के बाद इसकी औपचारिक जानकारी देश को दी जाएगी।

अमित शाह ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि जो लोग संविधान और लोकतांत्रिक व्यवस्था को नकारते हुए हथियार उठाते हैं, उन्हें उसकी कीमत चुकानी ही होगी। उन्होंने कहा कि वर्षों तक भोले-भाले आदिवासियों को गुमराह किया गया और वामपंथी विचारधारा के नाम पर उन्हें हिंसा के रास्ते पर धकेला गया। गृह मंत्री ने कहा कि नक्सलवाद की जड़ें गरीबी में नहीं, बल्कि एक कट्टर वैचारिक सोच में रही हैं। आदिवासी इलाकों में विकास न होने का कारण गरीबी नहीं, बल्कि नक्सल हिंसा रही है, जिसने दशकों तक इन क्षेत्रों को पीछे धकेल दिया।

उन्होंने कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए कहा कि लगभग 60 वर्षों तक सत्ता में रहने के बावजूद पार्टी आदिवासी इलाकों तक बुनियादी सुविधाएं नहीं पहुंचा सकी। स्कूल, सड़क, अस्पताल, मोबाइल टॉवर और राशन जैसी सुविधाओं से ये क्षेत्र वंचित रहे। आज जब मौजूदा सरकार विकास का लेखा-जोखा दे रही है, तब वही लोग सवाल खड़े कर रहे हैं, जिन्हें अपने लंबे शासनकाल का हिसाब देना चाहिए। अमित शाह ने बताया कि बस्तर क्षेत्र से नक्सलवाद लगभग पूरी तरह समाप्त हो चुका है। हर गांव में स्कूल खोलने का अभियान चलाया गया, राशन दुकानों की व्यवस्था की गई और तहसील व पंचायत स्तर पर प्राथमिक एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्थापित किए गए। लोगों को आधार कार्ड और राशन कार्ड दिए गए, जिससे वे सरकारी योजनाओं से जुड़ सके। उन्होंने कहा कि 'लाल आतंक' का साया हटने के बाद बस्तर अब विकास के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है।

गृह मंत्री ने 'अर्बन नक्सलियों' पर भी सवाल उठाए और कहा कि कुछ लोगों की मानवता सिर्फ हथियार उठाने वालों के लिए दिखाई देती है। वे आम नागरिकों के दर्द को नजरअंदाज करते हैं, जो नक्सली हिंसा का शिकार होते हैं। उन्होंने नक्सलियों की तुलना स्वतंत्रता सेनानियों से करने को गंभीर अपमान बताया।

आंकड़े प्रस्तुत करते हुए अमित शाह ने कहा कि 2014 में नक्सल प्रभावित जिलों की संख्या 126 थी, जो अब घटकर सिर्फ 2 रह गई है। अधिक प्रभावित जिले 35 से शून्य पर आ गए हैं। पिछले तीन वर्षों में 706 नक्सली मारे गए, 2218 गिरफ्तार हुए और 4839 ने आत्मसमर्पण किया। उन्होंने कहा कि देश अब नक्सल हिंसा से बाहर निकलकर शांति और विकास के नए युग में प्रवेश कर रहा है।

नाबालिग की हत्या के विरोध में हजारीबाग बंद, चारों तरफ पसरा सन्नाटा, सांसद सड़क पर उतरे

हजारीबागः जिले के विष्णुगढ़ में मासूम बच्ची के साथ हुई दरिंदगी और फिर बर्बर तरीके से हत्या की घटना से लोग काफी आक्रोशित हैं. इस घटना में अब तक किसी की भी गिरफ्तारी नहीं हुई है. जिसके बाद आज भाजपा की ओर से हजारीबाग बंद का आह्वान किया गया है. इस बंद में हजारीबाग वासियों का समर्थन देखने को मिल रहा है. व्यापारी अपने प्रतिष्ठान खुद से बंद रखे हुए हैं. बता दें कि रविवार को भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने ऐलान किया था कि अगर 24 घंटे के अंदर आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई तो हजारीबाग बंद किया जाएगा. जिसके बाद आज यह बंद बुलाया गया है. विष्णुगढ़ में बंद का व्यापक असर देखने को मिला. सांसद मनीष जायसवाल, बरही विधायक मनोज यादव समेत अन्य लोग हजारीबाग बंद के दौरान एकजुट दिखाई दिए. स्थानीय व्यवसायियों ने स्वेच्छा से अपने प्रतिष्ठान बंद रखकर घटना के प्रति आक्रोश जताया और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की. सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहा और लोगों ने एकजुट होकर पीड़िता को न्याय दिलाने की आवाज बुलंद की.

भारतीय जनता पार्टी द्वारा आहूत हजारीबाग बंद का असर जिले के विभिन्न क्षेत्रों में भी देखा गया. कई बाजार पूरी तरह बंद रहे और आम जनजीवन आंशिक रूप से प्रभावित हुआ.

3 अप्रैल को झारखंड बंद की घोषणा

वहीं बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने दिल्ली में मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए कहा है कि दो दिनों के अंदर यदि अपराधी नहीं पकड़े गए तो आगामी 3 अप्रैल को उस बच्ची को न्याय दिलाने के लिए झारखंड बंद रहेगा. उन्होंने इस घटना के विरोध में 2 अप्रैल को राज्यभर में मशाल जुलूस और तीन को झारखंड बंद की घोषणा की है. वहीं रांची के उपायुक्त कार्यालय के समक्ष रांची महानगर भाजपा महिला मोर्चा के द्वारा इस घटना के विरोध में धरना दिया गया. धरना पर बैठी भाजपा महिला मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने इस दौरान जमकर नारेबाजी की. भाजपा नेत्री आरती कुजूर ने कहा कि यदि सरकार अपराधी को पकड़ने में विफल रहती है तो आगे और भी जोरदार आंदोलन किया जायेगा.

संक्षिप्त खबरें...

हरिओम मोबाइल के दुकानदार साईबर ठगी का हुए शिकार, साईबर अपराधियों ने एकाउंट से उड़ाया पांच हजार रुपए

संवाददाता विश्रामपुर (पलामू) : विश्रामपुर नगर परिषद मुख्यालय स्थित हरिओम मोबाइल सेल एंड सर्विस के दुकानदार चंदन ठाकुर साइबर ठगी का शिकार हो गया। उसके एकाउंट से साइबर ठगो ने कुल पांच हजार रुपए उड़ा लिया। चंदन ठाकुर ने बताया कि मोबाइल वाट्सअप के द्वारा एक एपीके लिंक आया जिसे क्लिक करते ही मोबाइल नंबर हैक हो गया। और साइबर ठगो ने तीन बार में पांच हजार रुपए उड़ा डाला। इसके बाद मैसेज के द्वारा जानकारी मिलते ही अपना यूपीआई बंद कराया। लेकिन उसके बावजूद भी साइबर ठगो ने 46 हजार रुपए विभिन्न यूपीआई नंबरों के माध्यम से निकालने का प्रयास किया। लेकिन सभी ट्रांजेक्शन फेल हो गया। हालांकि भुक्तभोगी चंदन ने इस संबंध में साइबर थाना मेदिनीनगर में लिखित आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है।

ज्ञान दीप कॉन्वेंट स्कूल का वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित,समारोह आयोजित कर सभी को किया गया सम्मानित

संवाददाता विश्रामपुर (पलामू) : रेहला के ज्ञान दीप कॉन्वेंट स्कूल में समारोह आयोजित कर वर्षीय परीक्षा परिणाम सोमवार को घोषित किया गया। इससे पहले कार्यक्रम का उद्घाटन स्कूल के संस्थापक अवध बिहारी पांडेय,निदेशक सुनीता पांडेय व प्राचार्य रिया शुक्ला ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इसके बाद वर्ग के टॉप 10 विद्यार्थियों को ट्रॉफी व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। साथ ही सभी कक्ष से प्रथम,द्वितीय व तृतीय श्रेणी से उत्तीर्ण छात्र - छात्राओं को भी मेडल व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। स्कूल के संस्थापक अवध बिहारी पांडेय ने क्लास पांच के टॉपर छात्रा अप्सरा तथा क्लास सात की टॉपर छात्रा वैष्णवी शुक्ला को बधाई देते हुए अगले सत्र 2026 - 27 हेतु एक वर्ष निःशुल्क पढ़ाने की घोषणा की। साथ ही प्रत्येक क्लास के पुस्तक पर 40 प्रतिशत की छूट देने की घोषणा की। मौके पर निधि चौबे,महिमा शुक्ला,मनीष सिंह,मुस्कान पांडेय,रौनक परवीन,पंकज यादव,सुनीता पांडेय सहित स्कूल के सभी छात्र - छात्रा,शिक्षक - शिक्षिका तथा काफी संख्या में अभिभावक शामिल थे।

ज्ञान निकेतन पब्लिक स्कूल का वर्षीय परीक्षा परिणाम घोषित,टॉपरों को किया गया सम्मानित

संवाददाता विश्रामपुर (पलामू) : उमेश सिंह एजुकेशनल वेलफेयर ट्रस्ट द्वारा संचालित रेहला के ज्ञान निकेतन पब्लिक स्कूल में समारोह आयोजित कर वर्षीय परीक्षा परिणाम घोषित किया गया। इससे पहले कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि विद्यालय के संस्थापक उमेश सिंह व निदेशक अमित कुमार सिंह बबूल ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन कर किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय द्वारा गोद ली हुई बच्चियों के बीच पाठ्य सामग्री का वितरण किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के निदेशक अमित कुमार सिंह बाबुल व संचालन प्राचार्य मनीष पांडेय ने किया। वहीं नए सत्र में प्रबंधन द्वारा डिजिटल लैब, स्मार्ट क्लास एवं टेबल टेनिस जैसे ओलम्पिक खेल की शुरुआत जैसे अनुसंधान शुरू करने की घोषणा की गई। इसके बाद विद्यालय प्रबंधन द्वारा तीन टॉपर तथा सभी कक्षा में प्रथम, द्वितीय व तृतीय श्रेणी से उत्तीर्ण छात्र - छात्राओं को प्रशस्ति पत्र व ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। मौके पर शैलेश चौबे,प्रवीन प्रसाद,विकास पांडेय,शहनवाज आलम,गोविंद आजाद,राजेश चौबे,सुरेन्द्र शर्मा,खुशबू पांडेय,मनीष वर्मा,वैशाली सिन्हा,ज्योति सिंह,निशिका सिंह,तनु वर्मा,परमिता गुप्ता,प्रतिभा शुक्ला,सिखा तिवारी,नीलू सिंह,प्रियंका शुक्ला सहित स्कूल के सभी शिक्षक - शिक्षिका, छात्र - छात्रा व काफी संख्या में अभिभावक मौजूद थे।

एक अप्रैल को वन पर्यावरण मेला सह वृक्षों का रक्षाबंधन महोत्सव का होगा आयोजन

बड़कागांव(हजारीबाग)। बड़कागांव बुढ़वा महादेव परिसर अंतर्गत रानी बाग सरहुलटांड़ में कल बुधवार 1 अप्रैल को वन पर्यावरण मेला सह वृक्षों का रक्षाबंधन महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम का आयोजन वन प्रबंधन एवं संरक्षण समिति पहरिया, पश्चिमी वन क्षेत्र बड़कागांव के द्वारा किया गया है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हजारीबाग डीएफओ, बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी और पूर्व विधायक लोकनाथ महतो होंगे। 1अप्रैल को कार्यक्रम 6:30 सुबह से शाम 5 बजे तक चलेगा, इस दौरान पेड़ों का रक्षाबंधन साथ ही साथ नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया जाएगा।कार्यक्रम की तैयारियां पूर्ण कर ली गई है।उक्त आशय की जानकारी पर्यावरण मेला समिति के अध्यक्ष भोला महतो द्वारा दी गई है।

जीडीएम बालिका उच्च विद्यालय के शिक्षक - शिक्षकेतर एवं कर्मचारी रहे एकदिवसीय हड़ताल पर

बड़कागांव(हजारीबाग)। जीडीएम बालिका उच्च विद्यालय बड़कागांव के सभी शिक्षक - शिक्षकेतर एवं कर्मचारी वित्त रहित संयुक्त शिक्षक संघर्ष मोर्चा के आह्वान पर एक दिवसीय हड़ताल पर रहे। मोर्चा के अधिकारियों ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025 -26 के लिए 523 वित्त रहित शिक्षण संस्थाओं ने ऑनलाइन आवेदन किए थे। जिसमें 223 शिक्षण संस्थाओं को विभागीय स्तर से अनुदान रोक दिया गया । वहीं 75% अनुदान की वृद्धि राशि का फाइल विभाग में लंबित है । जिसको लेकर वित्त रहित संयुक्त संघर्ष मोर्चा के आह्वान पर एक दिवसीय हड़ताल का आह्वान किया गया था। मौके पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक राम लखन महतो, वरिष्ठ शिक्षिका विमली कुमारी, अशोक कुमार, अख्तर हुसैन, शोभा कुमारी, कुलदीप कुमार, शंकर राणा, शंकर महतो, मीना वर्मा, जितेंद्र कुमार, प्रमिला देवी एवं अर्जुन सिंह उपस्थित थे।

विष्णुगढ़ के कुसुंबा गांव की नाबालिक की हत्या को लेकर बड़कागांव में भाजपा का प्रदर्शन दुकाने बंद

बड़कागांव (हज़ारीबाग)। हज़ारीबाग जिले के विष्णुगढ़ प्रखंड अंतर्गत ग्राम कुसुंबा में 12 वर्षीय बच्ची के साथ हुई दरिंदगी और उसकी निर्मम हत्या के विरोध में संपूर्ण जिला आक्रोशित है। घटना के 6 दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस के हाथ खाली होने के कारण, प्रशासन और सरकार की नींद खोलने के लिए आज 30 मार्च 2026 को हजारीबाग जिला बंद का आह्वान किया गया।जिला बंद के आह्वान का अनुपालन करते हुए भाजपा के बड़कागांव एवं उरीमारी मंडल संयुक्त रूप से एकजुटता दिखाई। भाजपा कार्यकर्ताओं ने सड़कों पर उतरकर दुकानों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को बंद करवाया। बड़कागांव मुख्य चौक पर कार्यकर्ताओं ने हेमंत सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। मौके पर बड़कागांव मंडल अध्यक्ष शिव शंकर कुमार उर्फ़ शिबू मेहता ने कहा घटना के कई दिन बाद भी अपराधियों का कोई सुराग न मिलना प्रशासन की नाकामी का सबसे बड़ा प्रमाण है। राज्य में बेटियां सुरक्षित नहीं हैं और पुलिस मौन है ।

उरीमारी मंडल अध्यक्ष विजय यादव ने कहा झारखंड में सरकारी तंत्र निष्क्रिय हो गया है। अपराध अपनी चरम सीमा पार कर चुका है। और हजारीबाग की यह घटना रूह कंपा देने वाली है, जल्द से जल्द अपराधियों को पड़कर उन्हें फांसी की सजा दी जाए।

।मौके पर मुख्य रूप से टुकेश्वर प्रसाद, भीखन महतो, सुमन गिरी, भागीरथ ठाकुर, विष्णु गुप्ता, नितेश वर्मा, मनीष पांडे, नरसिंग प्रसाद, उदय मेहता, अवध किशोर कुमार, मेवालाल नाग, विकास तिवारी, संदीप सिंह, दीपक ठाकुर, राजेश यादव,आनंद मिश्रा, अनुज यादव, धर्मेंद्र प्रसाद सहित सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल रहे।

इधर बच्ची की निर्मम हत्या किए जाने के विरोध में निकाला गया कैंडल मार्च

बरकट्ठा(हज़ारीबाग)। बरकट्ठा प्रखंड के ग्राम लेवडा जमुआ में पुलिस के द्वारा महिलाओं के साथ मारपीट एवं बिष्णुगढ़ में 12 वर्षीय बच्ची की निर्मम हत्या किए जाने के विरोध में सोमवार की शाम को बरकट्ठा में कैंडल मार्च निकाला गया। कैंडल मार्च का नेतृत्व बरकट्ठा विधायक अमित कुमार यादव के द्वारा किया गया. जो बरकट्ठा प्रखंड मुख्यालय से निकल कर मध्य विद्यालय बरकट्ठा और वापसी करते हुए दुर्गा मंदिर बरकट्ठा में समापन किया गया. इस दौरान भाजपाइयों समेत भारी संख्या में ग्रामीण शामिल थे. विधायक अमित यादव ने कहा कि यह दोनों घटनाएं मानवता को शर्मसार करने वाली है. यदि पुलिस बच्ची के हत्यारों का जल्द से जल्द तलाश कर कड़ी से कड़ी सजा नहीं देती है तो हम लोग जल्द ही आंदोलन करने को बाध्य होंगे. जानकारी हो कि तुईयो ग्राम में मंगल जुलूस में शामिल महिलाओं को पुलिस बल द्वारा रोका गया और उन पर बर्बरतापूर्वक पूर्वक लाठी चार्ज किया गया जिसमें 30 लोगों में तीन महिलाएं बुरी तरह घायल हो गई थी. विधायक ने गहरा रोष व्यक्त करते हुए कहा कि मैं दोनों मामले में न्याय की मांग करता हूं. कहा कि तुइयों की घटना को लेकर मंगलवार 32 मार्च संपूर्ण बरकट्ठा बंद रहेगा. उन्होंने व्यापारियों से भी आग्रह किया कि इसमें हमारा सहयोग दें. इस दौरान लोगों ने अपने हाथों में अनेक प्रकार के बैनर व तख्ती लेकर प्रदर्शन किया. जिसमें हिंदुओं पर लाठी चलाने वाले पर कार्रवाई हो, उत्तीम महतो और राजेश कुमार को जेल से रिहा करो, तुईयो में महिलाओं पर लाठी चलाने वालों पर कार्रवाई हो समेत अन्य बैनर पोस्टर लेकर चल रहे थे. मौके पर सांसद प्रतिनिधि रघुवीर महतो, बरकट्ठा मंडल अध्यक्ष सूर्यदेव मंडल टिंकू, बेड़ोकला मंडल अध्यक्ष अनिल कुमार आजाद, समाजसेवी नंदलाल मंडल, श्याम सिंह, बालेश्वर ठाकुर, प्रदीप सिंह, रीतलाल प्रसाद, जयप्रकाश बर्नवाल, त्रिवेणी यादव, उमेश यादव, राजकुमार यादव, अशोक गुप्ता समेत सैकड़ो की संख्या में लोग शामिल थे.

ईद एवं रामनवमी पर्व को शांतिपूर्ण संपन्न कराने पर प्रशासन को दिया बधाई

बड़कागांव(हज़ारीबाग)। बड़कागांव प्रखंड अंतर्गत कुल 23 पंचायतो में ईद एवं रामनवमी महापर्व शांतिपूर्ण संपन्न कराने को लेकर बड़कागांव प्रखंड अंतर्गत के जनप्रतिनिधि, समाजसेवी एवं ग्रामिणों ने जिला प्रशासन व स्थानीय प्रशासन को बधाई दी है।बधाई देने वालों में मुख्य रूप से झारखंड मुक्ति मोर्चा की जिला अध्यक्ष संजीव बेदिया एवं इंटक महासचिव राजू यादव , प्रखंड अध्यक्ष झारखंड सह श्रमिक संघ जिला सचिव संजय कुमार सिंह , प्रमुख फुलवा देवी , जिला परिषद सदस्य गीता देवी , सुनीता देवी , यासमीन निशा , उप प्रमुख वचन देव कुमार , मुखिया तकरीमुल्ला खान , महासमिति अध्यक्ष विवेक सोनी , इलाकाई सदर हाजी तबस्सुम खान , समाजसेवी कालेश्वर गंझू , मुखिया गणेश साव,गीता देवी , नीलम मिंज , चरका करमाली , पंचायत समिति सदस्य रितेश कुमार , गणेश साव , रंजीत चौबे , पूर्व मुखिया पारसनाथ प्रसाद , झामुमो केंद्रीय सदस्य सोनाराम मांझी , सूरज बेसरा , संजय करमाली , प्रतिनिधि दीपक करमाली , मोहम्मद इब्राहिम , चंदनपुरी , अशिम अरशद , भवानी प्रसाद दांगी , राजनाथ कुमार दांगी, मुनेश्वर गंझू , अली रजा , रमन गंझू , रमेश सिंह भोक्ता , रामजीत गंझू , शमशेर आलम , विनोद यादव , शहबान अंसारी ने बड़कागांव प्रखंड में शांतिपूर्ण ईद एवं रामनवमी महापर्व संपन्न करने पर जिला प्रशासन एवं स्थानीय प्रशासन को बधाई दिया है।शांतिपूर्ण ईद एवं रामनवमी पर्व संपन्न करने पर मुख्य रूप से हजारीबाग डीसी एवं एसपी बड़कागांव एसडीपीओ पवन कुमार बीडियो जितेंद्र कुमार मंडल , सीओ मनोज कुमार , पुलिस इंस्पेक्टर ललित कुमार , बड़कागांव थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह , सीकरी ओपी प्रभारी रामकुमार राम , डाड़ीकला ओपी प्रभारी सागेन मुर्मू , उरीमारी ओपी प्रभारी नथू उरांव,पुअनी सावित्री कच्छप, राकेश खवास , हादी खान, अमित कुमार , आशीष भगत सहित विधि व्यवस्था को लेकर सुरक्षा में तैनात सभी कर्मी एवं पुलिस के समस्त सशस्त्र पुलिस बल को बधाई दी गई है।

रामनवमी 2026 का शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण समापन

शोभा यात्रा के समापन के बाद उपायुक्त ने सभी का जताया आभार

संवाददाता सहबाज़ खान, हज़ारीबाग। रामनवमी 2026 का पर्व जिले में पूरी श्रद्धा, उल्लास एवं आपसी सौहार्द के साथ शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो गया। इस अवसर पर उपायुक्त ने जिलेवासियों सहित सभी संबंधित विभागों एवं कर्मियों का आभार व्यक्त किया।उपायुक्त ने कहा कि इस भव्य आयोजन की सफलता सभी के सामूहिक प्रयास, समन्वय एवं टीम भावना का परिणाम है। उन्होंने जिलेवासियों,दंडाधिकारियों, पुलिस कर्मियों, विद्युत विभाग,महिला पुलिस बलों,स्वास्थ्य विभाग की मेडिकल टीम, मीडिया प्रतिनिधियों, नगर निगम, सभी पदाधिकारियों, शांति समिति एवं सद्भावना समिति के सदस्यों के प्रति विशेष धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि सभी के सहयोग एवं सजगता के कारण यह आयोजन शांति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सफलतापूर्वक सम्पन्न हो सका।पुलिस अधीक्षक ने भी इस अवसर पर सभी पुलिस अधिकारियों, जवानों एवं आम नागरिकों के सहयोग की सराहना करते हुए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि सभी के अनुशासन एवं समर्पण से पूरे पर्व के दौरान विधि-व्यवस्था सुदृढ़ बनी रही।जिला प्रशासन ने पुनः सभी जिलेवासियों के प्रति आभार प्रकट करते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार सहयोग एवं सामंजस्य बनाए रखने की अपील की है।

आरसीयू विश्वविद्यालय ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल द्वारा कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव का हुआ आयोजन, कई विद्यार्थियों का हुआ चयन

संवाददाता विश्रामपुर (पलामू) : रामचंद्र चंद्रवंशी विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल द्वारा आयोजित कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में विद्यार्थियों को बड़ी सफलता मिली। इस ड्राइव में मासू ब्रेक्स लिमिटेड, यूएनओ मिंडा लिमिटेड,ब्लैक ऐप्पल टेक्नोलॉजी,तथा के पी कॉन्ट्रेक्शन लिमिटेड जैसी प्रतिष्ठित कंपनियों ने भाग लेकर छात्रों का साक्षात्कार लिया। कार्यक्रम के दौरान आरसीयू के कुलाधिपति डॉ ईश्वर सागर चंद्रवंशी ने अतिथियों को गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया। साथ ही अंगवस्त्र देकर सम्मानित भी किया। कैंपस ड्राइव के परिणामस्वरूप कई विद्यार्थियों का चयन हुआ। के.पी. कंस्ट्रक्शन,ओडिशा में 16 छात्र,मसू ब्रेक्स, हरियाणा में 35 छात्र, यूएनओ मिंडा, हरियाणा में 35 छात्र तथा ब्लैक एप्पल टेक्नोलॉजीज में 15 छात्रों का चयन हुआ। चयनित 16 विद्यार्थियों को अधिकतम 4.60 लाख रुपये वार्षिक पैकेज मिला,जबकि अन्य विद्यार्थियों को 3.6 लाख रुपये वार्षिक पैकेज पर नियुक्ति मिली। इस सफल आयोजन का नेतृत्व ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल की प्रमुख मनीषा सिंह ने किया। वहीं समन्वयक एम.डी. अफ़ज़ल अली, उज्ज्वल कुमार एवं दीपक कुमार ने विद्यार्थियों को पूर्व प्रशिक्षण, मार्गदर्शन एवं साक्षात्कार की तैयारी में अहम भूमिका निभाई। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. ईश्वर सागर चंद्रवंशी ने इस सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि संस्थान का उद्देश्य विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ बेहतर रोजगार अवसर उपलब्ध कराना है। उन्होंने इसे विद्यार्थियों की मेहनत और टी एंड पी सेल की प्रतिबद्धता का परिणाम बताया। उप-निदेशक अनुराग चंद्रवंशी ने चयनित विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता एवं उद्योगों के साथ मजबूत संबंधों को दर्शाती है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी चयनित विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ देते हुए टी एंड पी सेल की पूरी टीम की सराहना की।

स्टील सिटी क्लासिक चैम्पियनशिप 2026 – सीजन 2: फिटनेस के क्षेत्र में नया कीर्तिमान स्थापित करने की तैयारी

जमशेदपुर । आगामी 3, 4 एवं 5 अप्रैल 2026 को जमशेदपुर स्थित राजस्थान भवन मानगो, झारखंड में आयोजित होने जा रही स्टील सिटी क्लासिक चैम्पियनशिप 2026 – सीजन 2 को लेकर आज एक भव्य प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आयोजन प्रमुख सुदेशना रॉय ने अपने प्रेरणादायक विचार साझा करते हुए कहा,

"हमारा उद्देश्य केवल एक प्रतियोगिता कराना नहीं है, बल्कि झारखंड में फिटनेस को एक आंदोलन का रूप देना है। हम चाहते हैं कि हर युवा अपनी क्षमता को पहचाने, अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता दे और एक सकारात्मक जीवनशैली अपनाए।"

उन्होंने आगे कहा, "इस बार हमने यह सुनिश्चित किया है कि हर प्रतिभागी को एक बड़ा और सम्मानजनक मंच मिले। अत्यंत किफायती प्रवेश शुल्क के साथ हमने इस प्रतियोगिता को हर वर्ग के खिलाड़ियों के लिए सुलभ बनाया है, ताकि कोई भी प्रतिभा केवल संसाधनों की कमी के कारण पीछे न रह जाए।" सुदेशना रॉय ने यह भी बताया कि प्रतियोगिता में विजेताओं को आकर्षक नगद पुरस्कार, भव्य ट्रॉफियां, पदक एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे। साथ ही प्रतिभागियों के लिए भोजन एवं आवास की समुचित व्यवस्था भी की गई है, जिससे वे बिना किसी चिंता के अपने प्रदर्शन पर ध्यान केंद्रित कर सकें। उन्होंने उत्साह व्यक्त करते हुए कहा, "हमें गर्व है कि पूरे झारखंड से खिलाड़ी इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए उत्साहित हैं। यह आयोजन न केवल प्रतिभाओं को मंच देगा, बल्कि राज्य के फिटनेस स्तर को एक नई ऊंचाई तक ले जाएगा।"

इस प्रेस वार्ता में संजीव महतो, निशा, प्रिया कुमारी, डॉली सिंह, गणेश कांड, अमन पाठक, आनंद कुमार, संजीत कुमार एवं अनंत लोहरा सहित अन्य गणमान्य लोग भी उपस्थित रहे और आयोजन को सफल बनाने हेतु अपनी सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया। अंत में आयोजकों ने सभी खिलाड़ियों एवं फिटनेस प्रेमियों से अपील की है कि वे इस भव्य आयोजन का हिस्सा बनें और इसे सफल बनाएं।

महिला ने जहर खा कर आत्महत्या का किया प्रयास

संवाददाता विश्रामपुर (पलामू) : रेहला थाना क्षेत्र के सुलूमदाग - पत्थलघाट निवासी विजय चौधरी की पत्नी फूलवंती देवी ने सोमवार को परिवारिक विवाद में जहर खा कर आत्महत्या करने का प्रयास किया। परिजनों ने तत्काल उसे गढ़वा सदर अस्पताल ले गये। जहां उसका इलाज चल रहा है।

26 पुरस्कारों के साथ मायुमं जमशेदपुर शाखा बनी प्रांत की श्रेष्ठ शाखा, विकास शर्मा सर्वश्रेष्ठ अध्यक्ष बने

जमशेदपुर। झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी युवा मंच द्वारा आयोजित लघु अधिवेशन सह पुरस्कार वितरण समारोह अभ्युदय 2026 का भव्य आयोजन अग्रसेन भवन, साकची में संपन्न हुआ। इस गौरवपूर्ण अवसर पर मारवाड़ी युवा मंच, जमशेदपुर शाखा ने अपने उत्कृष्ट कार्यों, सक्रिय भागीदारी एवं सशक्त नेतृत्व के दम पर ऐतिहासिक सफलता अर्जित करते हुए एक नई पहचान स्थापित की। जमशेदपुर शाखा ने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करते हुए कुल 26 पुरस्कार प्राप्त कर एक ऐतिहासिक कीर्तिमान स्थापित किया। निवर्तमान अध्यक्ष सह प्रांतीय संयोजक अमृतधारा युवा अश्विनी अग्रवाल को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए श्रेष्ठ प्रांत संयोजक अमृत धारा सम्मान से सम्मानित किया गया। रक्तदान महादान अभियान में श्रेष्ठ संयोजक के रूप में युवा मयूर संघी को सम्मानित किया गया। वहीं अमृत धारा में विशेष योगदान हेतु युवा अश्विनी अग्रवाल को भी प्रांतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। जमशेदपुर शाखा की प्रमुख उपलब्धियाँ एवं पुरस्कारः- जमशेदपुर शाखा ने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करते हुए कुल 26 पुरस्कार प्राप्त कर एक ऐतिहासिक कीर्तिमान स्थापित किया। जिनमें प्रमुख हैं- श्रेष्ठ शाखा जमशेदपुर शाखा (सत्र 25-26) सर्वश्रेष्ठ शाखा अध्यक्ष युवा विकास शर्मा, रक्तदान महा उत्सव में सर्वाधिक रक्त संग्रह हेतु राष्ट्रीय विशेष पुरस्कार, सर्वाधिक स्थायी अमृत धारा स्थापना हेतु राष्ट्रीय एवं प्रांतीय सम्मान, रजत जयंती वार्षिक पुरस्कार 25-26, सांस्कृतिक एवं धार्मिक आयोजनों हेतु उत्कृष्ट सम्मान, झारखंड स्थापना दिवस, मंच स्थापना दिवस एवं तिरंगा यात्रा हेतु प्रांतीय पुरस्कार, स्वास्थ्य, शिक्षा, उद्यमिता एवं जनसेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान सम्मान, बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ एवं कन्या संरक्षण में श्रेष्ठ प्रदर्शन, नवरात्रि "9 दिन 9 कन्या" कार्यक्रम हेतु प्रशंसा प्रमाण पत्र, गौ सेवा, जीव दया एवं अंगदान देहदान में विशेष योगदान पुरस्कार, कैंसर जागरूकता, योग, ध्यान एवं प्राणायाम के 50 सप्ताह के सफल आयोजन हेतु विशेष सम्मान, अंतर्राष्ट्रीय स्वयंसेवक दिवस सहभागिता पुरस्कार सम्मान।

रोल ऑफ सिविल डिफेंस इन डिजास्टर पर सिदगोड़ा टाउन हॉल में कार्यशाला आयोजित

जमशेदपुर । सिदगोड़ा स्थित टाउन हॉल में नागरिक सुरक्षा जमशेदपुर की ओर से रोल ऑफ सिविल डिफेंस इन डिजास्टर विषय पर सोमवार को एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया । इसमें मुख्य अतिथि पूर्वी के विधायक पूर्णिमा दास साहू एवं विशिष्ठ अतिथि में डीडीसी नागेन्द्र पासवान मुख्य रूप से मंच पर मौजूद रहे । कार्यक्रम की शुरुआत स्वागत गान व अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। वहीं मुख्य अतिथि विधायक पूर्णिमा दास साहू ने अपने संबोधन में कहा कि सिविल डिफेंस केवल एक सरकारी इकाई नहीं है , बल्कि समाज की सुरक्षा और सेवा का मजबूत आधार भी है, जो हर संकट की घड़ी में बिना किसी भेदभाव के लोगों की सहायता के लिए तत्पर रहता है। उन्होंने यह भी कहा कि यदि प्रत्येक नागरिक को आपदा प्रबंधन की बुनियादी जानकारी हो, तो बड़े से बड़े हादसे के प्रभाव को भी काफी हद तक कम किया जा सकता है। विधायक श्रीमती दास ने खुद भी सिविल डिफेंस का प्रशिक्षण पाने की उत्सुकता जाहिर की । इससे पूर्व उन्होंने सिविल डिफेंस को अपने विधायक निधि से एक एम्बुलेंस भी देने की घोषणा कर चुकीं हैं। वहीं विशिष्ठ अतिथि डीडीसी नागेन्द्र पासवान ने आपदा में सिविल डिफेंस की भूमिका विषय पर गहन चर्चा किया और कहा कि आपदा की स्थिति में त्वरित कार्रवाई सही निर्णय और सामूहिक सहयोग ही सबसे बड़ी ताकत होती है। इसी उद्देश्य को लेकर इस कार्यशाला का आयोजन किया गया है , जिसमें शहर के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों, युवाओं, स्वयंसेवकों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सेमिनार के दौरान नागरिक सुरक्षा विभाग के आपदा प्रबंधन से जुड़े विशेषज्ञों में चीफ वार्डन अरुण कुमार एवं डिप्टी सहायक वार्डन के के सिन्हा ने प्राकृतिक और मानवजनित आपदाओं जैसे आग लगने, बाढ़, भूकंप, सड़क दुर्घटना और अन्य आपातकालीन परिस्थितियों में अपनाए जाने वाले सुरक्षा उपायों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि किसी भी संकट की घड़ी में घबराहट से बचते हुए सूझबूझ और त्वरित प्रतिक्रिया ही जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित कर सकती है। वहीं नागरिक सुरक्षा जमशेदपुर के प्रधान सहायक सुरेश प्रसाद ने सिविल डिफेंस के गठन के बारे में विस्तार से बताया । सेमिनार में उपस्थित प्रतिभागियों को फायर सेफ्टी, प्राथमिक उपचार (First Aid), बचाव एवं राहत कार्य से संबंधित महत्वपूर्ण तकनीकों का प्रदर्शन कर व्यावहारिक जानकारी भी दी गई । साथ ही यह भी समझाया गया कि आपदा के समय किस प्रकार से घायल व्यक्ति को सुरक्षित स्थान तक पहुंचाया जाए, आग पर नियंत्रण कैसे पाया जाए और आपातकालीन सेवाओं को समय पर सूचना देना कितना आवश्यक होता है। इसके बारे में सभी को विस्तार से बताया गया। कार्यक्रम के दौरान विशेष रूप से युवाओं से अपील किया गया कि वे आपदा प्रबंधन से संबंधित प्रशिक्षण कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लें और अपने परिवार तथा आसपास के लोगों को भी जागरूक करें, ताकि किसी भी आपातकालीन प्रस्थिति में पूरा समाज एकजुट होकर प्रभावी ढंग से सामना कर सके और जान माल की रक्षा हो सके । कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ । इससे पूर्व सभी अतिथियों को सिविल डिफेंस की ओर से पुष्प गुच्छ, अंग वस्त्र और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया । साथ ही साथ सिविल डिफेंस से जुड़े नए व पुराने सक्रिय स्वयंसेवको को भी अतिथियों के हाथों प्रमाण पत्र , ट्रॉफी एवं अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया ।

संक्षिप्त खबरें

राज्यसभा में डॉ. प्रदीप कुमार वर्मा ने झारखंड में पेयजल गुणवत्ता सुदृढ़ीकरण का मुद्दा उठाया

संवाददाता रांची : राज्यसभा में पूरक प्रश्नों के माध्यम से सांसद डॉ. प्रदीप कुमार वर्मा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में तैयार किए गए पेयजल गुणवत्ता निगरानी ढांचा के अंतर्गत समग्र प्रबंधन सूचना प्रणाली (एमआईएस) के जरिए झारखंड में जल गुणवत्ता प्रबंधन, वास्तविक समय (रियल टाइम) डेटा निगरानी तथा पेयजल की गुणवत्ता की जांच और प्रबंधन हेतु ग्राम स्तर पर विकसित क्षेत्रीय परीक्षण प्रणाली के संबंध में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर पाटिल से महत्वपूर्ण प्रश्न पूछा। सांसद डॉ. वर्मा ने अपने प्रश्न के माध्यम से झारखंड में पेयजल की वर्तमान गुणवत्ता स्थिति, उसकी निगरानी व्यवस्था एवं वास्तविक समय के आंकड़ों के आधार पर उठाए जा रहे सुधारात्मक कदमों को लेकर सरकार का ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने यह भी जानना चाहा कि ग्रामीण स्तर पर लागू क्षेत्रीय परीक्षण प्रणाली कितनी प्रभावी है और इससे आमजन को सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने में कितना लाभ मिल रहा है। यह विषय न केवल जनस्वास्थ्य से जुड़ा हुआ है, बल्कि ग्रामीण भारत में सुरक्षित पेयजल सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल भी है। इस प्रश्न के माध्यम से जल गुणवत्ता निगरानी व्यवस्था को और अधिक पारदर्शी, सशक्त एवं प्रभावी बनाने की आवश्यकता को प्रमुखता से उठाया गया।

सभी पूजा समितियों एवं जिला प्रशासन के प्रति आभार

संवाददाता रांची: रांची में रामनवमी, ईद, सरहुल,चैती छठ सहित सभी पर्व-त्योहार इस बार शांतिपूर्ण, भाईचारे और सामाजिक समरसता के साथ सफलतापूर्वक सम्पन्न हुए। छात्र क्लब ग्रुप के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव किशोर शर्मा एवं लीगल एडवाइजर अधिवक्ता सोनाली भट्टाचार्जी(झारखंड उच्च न्यायालय) ने कहा यह राँची वासियों की एकता और गंगा-जमुनी तहजीब का एक ऐतिहासिक उदाहरण है।इसके सफल आयोजन के लिए रांची के सभी पूजा समितियों,शांति समितियों,अखाड़ा समितियों,जनप्रतिनिधियों, पुलिस-प्रशासन,नगर निगम विभिन्न विभागों ने सक्रिय भूमिका निभाई है जो बधाई के पात्र हैं। छात्र क्लब ग्रुप ने इस सफल आयोजन के लिए सभी पूजा समिति एवं जिला प्रशासन के प्रति आभार प्रकट करती है एवं भविष्य में भी इसी तरह शांति और भाईचारे को बनाए रखने के लिए आग्रह भी करती है। इसके पूर्व झारखंड उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता शिवकुमार शर्मा जी के निधन पर दो मिनट मौन धारण कर श्रद्धा सुमन अर्पित की गई।अधिवक्ता सोनाली भट्टाचार्जी ने कहा स्व. शिवकुमार शर्मा एक विद्वान अधिवक्ता के साथ-साथ सामाजिक,धार्मिक एवं राजनीतिक से भी जुड़े हुए थे,वे बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी भी थे।उनकी कमी आज हम सभी को खल रही है।

बैंक ऑफ़ बड़ौदा ने किया रांची विवि के विद्यार्थियों का सम्मान

संवाददाता रांची : बैंक ऑफ़ बड़ौदा, क्षेत्रीय कार्यालय, राँची के द्वारा एम.ए (हिंदी), अंतिम वर्ष, शैक्षणिक सत्र 2024-25 के दौरान सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाली राँची विश्वविद्यालय, राँची के मेधावी विद्यार्थियों क्रमशः चन्दन कुमार यादव तथा साक्षी कुमारी को राँची विश्वविद्यालय के सभागार में समारोहपूर्वक सम्मानित किया गया। मेधावी विद्यार्थियों को उक्त सम्मान डॉ सुनीता यादव, हिन्दी विभागाध्यक्ष, डॉ चंद्रिका ठाकुर, पूर्व विभागाध्यक्ष, नीलमणि, उप महाप्रबंधक एवं क्षेत्रीय प्रमुख, बैंक ऑफ़ बड़ौदा, राँची क्षेत्र, के कर-कमलों द्वारा प्रदान किया गया। इस अवसर पर राँची विश्वविद्यालय के आचार्य, सह-आचार्य तथा छात्र-छात्राएं उपस्थित रहें। राँची विश्वविद्यालय के विभागाध्यक्ष महोदया ने ऑफ़ बड़ौदा के इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि बैंक ऑफ़ बड़ौदा द्वारा छात्र -छात्राओं के उत्थान के लिए यह जो प्रोत्साहन योजना चलाई जा रही है यह निःसंदेह समाज कल्याण का काम कर रही है। बैंक ऑफ़ बड़ौदा ने राँची विश्व विद्यालय को चुना यह अत्यंत हर्ष की बात है.

रांची में 9 से 11 अप्रैल तक राष्ट्रीय मक्का अनुसंधान बैठक

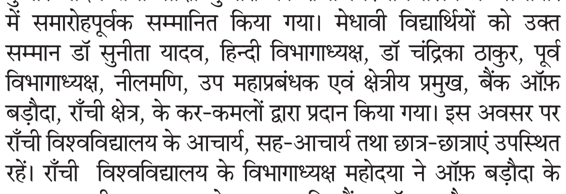

रांची: बिरसा कृषि विश्वविद्यालय (बीएयू) और भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में मक्का से संबंधित अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की राष्ट्रीय समूह की बैठक 9 से 11 अप्रैल तक बीएयू परिसर में आयोजित की जाएगी। आयोजन सचिव और बीएयू के आनुवंशिकी एवं पौधा प्रजनन विभाग की अध्यक्ष डॉ. मणिगोपा चक्रवर्ती ने सोमवार को बताया कि इस बैठक में देशभर के 37 विश्वविद्यालयों में कार्यरत वैज्ञानिकों के साथ-साथ भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अधिकारी भी भाग लेंगे। कुल मिलाकर करीब 250 विशेषज्ञ इस राष्ट्रीय स्तर के आयोजन में शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि बैठक के उद्घाटन सत्र में भारत सरकार के कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग के सचिव सह आईसीएआर के महानिदेशक डॉ. मांगीलाल जाट मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। वहीं, बीएयू के कुलपति डॉ. एससी दुबे और आईसीएआर के उप महानिदेशक (फसल विज्ञान) डॉ. डीके यादव इस सत्र की अध्यक्षता करेंगे। इस तीन दिवसीय बैठक में मक्का की खेती के क्षेत्र, उत्पादन और उत्पादकता बढ़ाने के उपायों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। साथ ही जलवायु परिवर्तन के अनुकूल (क्लाइमेट स्मार्ट) मक्का किस्मों के विकास पर भी मंथन होगा। इसके अलावा, पिछले वर्ष देश के विभिन्न कृषि विश्वविद्यालयों और अनुसंधान संस्थानों में मक्का अनुसंधान एवं विकास से जुड़े कार्यों की समीक्षा की जाएगी और भविष्य के लिए आवश्यक सुधारात्मक सुझाव भी प्रस्तुत किए जाएंगे।

बेटियों की अस्मिता पर हमला बर्दाश्त नहीं, भाजपा महिला मोर्चा का ऐतिहासिक धरना

झारखंड में कानून व्यवस्था ध्वस्त, महिलाओं पर लगातार बढ़ रहें अत्याचारः भाजपा

रांची: हजारीबाग जिले के कुसुंबा गांव में मासूम बेटी के साथ हुई जघन्य एवं हृदय विदारक घटना के विरोध में आज भाजपा महिला मोर्चा, रांची महानगर एवं रांची पूर्वी–पश्चिमी जिला के संयुक्त तत्वावधान में उपायुक्त कार्यालय, रांची के समक्ष आयोजित सांकेतिक धरना–प्रदर्शन ऐतिहासिक, अत्यंत सफल एवं प्रभावशाली रहा।

धरना–प्रदर्शन में बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों एवं आम नागरिकों की भागीदारी रही। उपस्थित जनसमूह ने एक स्वर में घटना के खिलाफ कड़ा आक्रोश व्यक्त करते हुए राज्य सरकार की चरमराई कानून व्यवस्था पर तीखा प्रहार किया।

कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि राज्य में महिलाओं की सुरक्षा पूरी तरह से संकट में है और अपराधियों के हौसले लगातार बढ़ रहे हैं। यह घटना सरकार की विफलता और प्रशासनिक उदासीनता का जीता-जागता उदाहरण है।

धरना के उपरांत माननीय मुख्यमंत्री महोदय के नाम उपायुक्त, रांची के माध्यम से ज्ञापन सौंपा गया, जिसमें दोषियों की अविलंब गिरफ्तारी, फास्ट ट्रैक कोर्ट में सुनवाई, कड़ी से कड़ी सजा (मृत्युदंड), पीड़िता को उचित मुआवजा एवं सुरक्षा, तथा महिलाओं की सुरक्षा हेतु ठोस एवं प्रभावी कदम उठाने की मांग की गई। महिला मोर्चा ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि दोषियों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई, तो आंदोलन को और व्यापक एवं उग्र रूप दिया जाएगा।

धरना को संबोधित करते हुए वरिष्ठ नेत्री आरती कुजूर ने कहा कि यह घटना पूरे समाज के लिए शर्मनाक है। राज्य में महिलाओं की सुरक्षा पूरी तरह से खतरे में है और सरकार इस पर मौन साधे हुए है। दोषियों को जल्द से जल्द कड़ी सजा मिलनी चाहिए।

भाजपा, रांची महानगर के उपाध्यक्ष अनीता वर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि ऐसी घटनाएं सरकार की विफलता का परिणाम हैं। यदि प्रशासन समय रहते सख्ती बरतता, तो शायद ऐसी जघन्य घटना नहीं होती। भाजपा महिला मोर्चा हर हाल में पीड़िता को न्याय दिलाकर ही दम लेगा।

महिला मोर्चा, ग्रामीण जिला अध्यक्ष नेहा सिंह ने कहा कि आज राज्य में बेटियां सुरक्षित नहीं हैं। अपराधियों के हौसले इतने बुलंद हैं कि वे कानून से नहीं डरते। यह स्थिति बेहद चिंताजनक है और सरकार को तुरंत सख्त कदम उठाने चाहिए।

भाजपा, महिला मोर्चा, रांची महानगर अध्यक्ष पायल सोनी ने कहा कि महिला मोर्चा इस अन्याय के खिलाफ लगातार संघर्ष करेगा। जब तक दोषियों को कठोरतम सजा नहीं मिलती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। कार्यक्रम का संचालन अनीता वर्मा ने किया।

धरना के उपरांत मुख्यमंत्री महोदय के नाम उपायुक्त, रांची के माध्यम से ज्ञापन सौंपा गया, जिसमें दोषियों की अविलंब गिरफ्तारी, फास्ट ट्रैक कोर्ट में सुनवाई, कड़ी से कड़ी सजा (मृत्युदंड), पीड़िता को उचित मुआवजा एवं सुरक्षा, तथा महिलाओं की सुरक्षा हेतु ठोस एवं प्रभावी कदम उठाने की मांग की गई। पार्टी की वरिष्ठ नेत्री काजल प्रधान, सीमा सिंह, रेणु तिर्की सुचिता सिंह, मुन्नी मुंडा, माधुरी देवी, रेखा महतो, कुंती देवी, मीरा देवी,कुसुम देवी, बबीता वर्मा, सरिता पांडे, बिना मिश्रा, अर्चना सिंह, माया सिंह, सिसोदिया रणजीता, सिंह पायल सोनी नेहा सिंह, दिव्या साहू, कुमुद पांडेय, ज्योति सिन्हा, नेहा शर्मा, रेनू सिंह, किरण देवी, सहित सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल रहीं।

रांची विवि में छात्रों ने सेमेस्टर लेट होने पर प्रशासनिक भवन किया बंद, पढ़ाई ठप

रांची : रांची विश्वविद्यालय में सोमवार को विभिन्न नर्सिंग कॉलेजों के छात्रों ने अपनी मांगों को लेकर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया. सेमेस्टर में लगातार हो रही देरी से नाराज छात्रों ने विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन में तालाबंदी कर दी और जोरदार हंगामा किया. यह प्रदर्शन एनएसयूआई के नेतृत्व में किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं शामिल हुए. प्रदर्शन में शामिल जम्मू कश्मीर से आए छात्रों ने कहा कि वे बेहतर भविष्य की उम्मीद लेकर रांची आए थे, लेकिन अब उन्हें निराशा हाथ लग रही है. उस्मान नामक छात्र ने बताया कि वह थर्ड सेमेस्टर में है, लेकिन अब तक उसका रजिस्ट्रेशन नहीं हुआ है. छात्रों ने कहा कि समय पर डिग्री नहीं मिलने पर उनकी उम्र निकल जाएगी और वे नौकरी या प्रतियोगी परीक्षाओं में आवेदन नहीं कर पाएंगे. उन्होंने यह भी बताया कि घर से दूर रहकर हॉस्टल और खाने का खर्च उठाना उनके परिवारों के लिए मुश्किल हो रहा है.

मेटास एडवेंटिस्ट कॉलेज और रिम्स से आए छात्रों ने बताया कि 2022-26 बैच का कोर्स इस साल नवंबर तक पूरा हो जाना चाहिए था, लेकिन अब तक केवल दो सेमेस्टर की परीक्षाएं ही हो सकी हैं. छात्रों के अनुसार चौथे वर्ष के छात्रों की अब तक सिर्फ पहले सेमेस्टर की परीक्षा हुई है. एक सेमेस्टर की परीक्षा और उसका परिणाम आने में लगभग एक साल लग रहा है. बिना रजिस्ट्रेशन के छात्र खुद को विश्वविद्यालय का हिस्सा भी नहीं मान पा रहे हैं, जबकि वे अस्पतालों में ड्यूटी कर रहे हैं.

बाजार टांड किराया विवाद पर निगम की कार्रवाई के विरोध में चैंबर सख्त

» दंडात्मक कदमों पर रोक की मांग

संवाददाता रांची: फेडरेशन ऑफ झारखण्ड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज द्वारा आज चैंबर भवन में बाजार टांड की दुकानों के किराया विवाद को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक हुई जिसमें चैंबर पदाधिकारियों ने वर्तमान स्थिति पर चिंता व्यक्त की और कहा कि रांची नगर निगम द्वारा बिना किसी सुनवाई का अवसर दिए एकतरफा दंडात्मक कार्रवाई की प्रक्रिया अपनाई जा रही है, जिससे व्यापारियों के बीच भय एवं भ्रम का माहौल उत्पन्न हो गया है।

यह कहा गया कि इसी माह हुई बैठक में नगर विकास विभाग के सचिव द्वारा हमें यह आश्वासन दिया गया था कि जब तक इस समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो जाता, तब तक दुकानदारों के विरुद्ध किसी भी प्रकार की दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी। साथ ही, एक संयुक्त समिति के गठन की बात भी कही गई थी, जिसमें रांची नगर निगम, चैंबर एवं किरायेदार संघ के प्रतिनिधि शामिल होंगे। इस मामले में चैंबर के आग्रह पर माननीय नगर विकास मंत्री द्वारा भी यह स्पष्ट आश्वासन दिया गया है कि व्यापारियों को डराने का कार्य नहीं किया जाएगा। ऐसे में नगर निगम द्वारा समाचार पत्रों के माध्यम से भय का वातावरण बनाया जाना यह प्रतीत कराता है कि जानबूझकर व्यापारियों को परेशान किया जा रहा है।

बैठक में यह भी जानकारी दी गई कि कई दुकानदारों के पास न्यायालय का आदेश एवं वैध दस्तावेज उपलब्ध हैं। इसके बावजूद बिना सुनवाई का अवसर प्रदान किए कार्रवाई की जा रही है, जो विधिसम्मत प्रक्रिया के विरुद्ध है। चर्चाओं के क्रम में चैम्बर द्वारा इस संबंध में निगम की महापौर, नगर विकास एवं आवास विभाग के सचिव एवं नगर आयुक्त को पत्राचार कर आग्रह किया गया कि जब तक संयुक्त समिति का गठन कर इस विवाद का न्यायोचित समाधान नहीं किया जाता, तब तक बाजार टांड के दुकानदारों के विरुद्ध किसी भी प्रकार की दंडात्मक कार्रवाई पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाई जाए। इस प्रकार की कार्रवाई से व्यापारियों का विश्वास कमजोर होता है तथा अनावश्यक भय का वातावरण उत्पन्न होता है, जिसे तत्काल समाप्त किया जाना आवश्यक है।

बैठक में चैम्बर अध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा, उपाध्यक्ष प्रवीण लोहिया, राम बांगड़, महासचिव रोहित अग्रवाल, सह सचिव नवजोत अलंग, सह सचिव रोहित पोद्दार, कोषाध्यक्ष अनिल अग्रवाल उपस्थित थे।

पर्यावरण संकट व हाथी-मानव संघर्ष पर राज्यपाल से मिला अबुआ अधिकार मंच का प्रतिनिधिमंडल

संवाददाता रांची: अबुआ अधिकार मंच के अध्यक्ष गौतम सिंह के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से मुलाकात कर झारखंड में बढ़ते पर्यावरणीय संकट, जलवायु परिवर्तन और हाथी-मानव संघर्ष जैसे गंभीर मुद्दों पर ध्यान आकर्षित किया. प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल को एक विस्तृत मांग पत्र सौंपते हुए आवश्यक और ठोस कदम उठाने का आग्रह किया. अबुआ अधिकार मंच के संस्थापक वेदांत कौस्तव ने बताया कि राज्य में पर्यावरणीय क्षरण के कारण जलवायु संकट गहराता जा रहा है. उन्होंने हाथियों के आवास में कमी, अवैध खनन और जंगलों की कटाई को संघर्ष का मुख्य कारण बताया. राज्य में 17 हाथी कॉरिडोर हैं, जबकि इसे बढ़ाकर 75 करने की सिफारिश की गई है.

प्रतिनिधिमंडल ने औद्योगिक क्षेत्रों में बढ़ते वायु प्रदूषण, खासकर रामगढ़, धनबाद और बोकारो में, तथा दामोदर और स्वर्णरेखा नदियों के प्रदूषण पर भी चिंता जताई. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की निष्क्रियता और संसाधनों की कमी का मुद्दा भी उठाया गया. इस दौरान गौतम सिंह, अमित रिजवी, सुरेंद्र नायक और मलखान महतो समेत कई सदस्य मौजूद रहे.

पाइप शिफ्टिंग के कारण 16 मुहल्लों में नहीं पहुंचा पानी

रांची : बहुबाजार, सिरमटोली कनेक्टिंग फ्लाईओवर के कारण हटिया पाइप लाइन शटडाउन होने से आज 16 मुहल्ले प्रभावित हुए है. करीब 2 लाख लोग के घरों तक जलवापूर्ति नहीं पहुंच पाई. इसके कारण लोगों को पानी की समस्या से जुझना पड़ा. हालांकि प्रशासन ने दो दिन पहले ही लोगों को सूचना दे दी गई थी. बहुबाजार से लेकर योगदा सत्संग के बीच तीन स्थानों पर पाइप शिफ्टिंग का काम तेजी से किया जा रहा है. सोमवार सुबह से पाइप लाईन को शिफ्टिंग कराने का कार्य किया जा रहा है. 31 मार्च शाम तक जलापूर्ति भी होने की संभावना है. मजदूर लगातार काम कर रहे है. हटिया पाइपलाइन शटडाउन होने के कारण कडरू प्रशाखा के सिरमटोली, पीपी कंपाउंड, कडरू और अशोक नगर शामिल है. इसके अलावा चर्च रोड, कर्बला चौक, कोनका रोड, इस्लामनगर, नया टोली और आदर्श नगर शामिल है. वही कांटाटोली, चुटिया, लोवाडीह, सामलौंग, मुकचुंदटोली, डोरंडा और अशोकनगर में जलापूर्ति नही हो सकी. जलापूर्ति प्रभावित होने के कारण नगर निगम ने बताया कि हर दिन नगर निगम क्षेत्र में प्रत्येक वार्ड में पानी टैंकर लेकर घूम रहे है. इसमें 53 वार्डों में 65 पानी टैंकर से पानी पहुंचा रहे है. फिलहाल पानी समस्या से संबंधित शिकायत नहीं पहुंची है.

राजधानी में लूट की साजिश नाकाम, हथियार के साथ 5 अपराधी गिरफ्तार

रांची: राजधानी पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए लूट की साजिश को नाकाम कर दिया है. लापुंग और ईटकी थाना क्षेत्र में की गई छापेमारी में पुलिस ने कुल 5 अपराधियों को गिरफ्तार किया है, जिनमें एक विधि-विरुद्ध किशोर भी शामिल है. गिरफ्तार आरोपियों के पास से अवैध हथियार, जिंदा कारतूस और चोरी की मोटरसाइकिल बरामद हुई है.

पुलिस अधीक्षक को मिली गुप्त सूचना पर कार्रवाई: दरअसल, 29 मार्च की रात करीब 9 बजे वरीय पुलिस अधीक्षक को गुप्त सूचना मिली थी कि दो युवक बिना नंबर प्लेट की बाइक से बेड़ो से लापुंग की ओर जा रहे हैं और किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में हैं. सूचना के आधार पर एसपी ग्रामीण के निर्देशन में डीएसपी बेड़ो के नेतृत्व में टीम गठित कर छापेमारी की गई. कार्रवाई के दौरान पुलिस ने दो संदिग्धों को पकड़ा, जिनकी तलाशी में एक देसी कट्टा और चोरी की बाइक बरामद हुई है. पूछताछ में आरोपियों ने खुलासा किया है कि वे सुनसान इलाकों में राहगीरों को निशाना बनाकर लूटपाट करते हैं और पहले भी धुर्वा इलाके में वारदात को अंजाम दे चुके हैं.

सहकारी समितियों के रैपिड सर्वेक्षण के लिए प्रशिक्षण शिविर आयोजित

रांची: राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ), क्षेत्र संकाय प्रभाग, रांची की ओर से कार्यात्मक सहकारी समितियों के रैपिड सर्वेक्षण (आरएसएफसी) के लिए सोमवार को एक दिवसीय क्षेत्रीय प्रशिक्षण शिविर (आरटीसी) का आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण शिविर आगामी सर्वेक्षण को सफलतापूर्वक संचालित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

कार्यक्रम का उद्घाटन उप निदेशक आशीष कुमार तथा सहकारिता विभाग के सहायक निबंधक कालीचरण सिंह ने संयुक्त रूप से किया। उद्घाटन सत्र में दोनों अधिकारियों ने सर्वेक्षण के महत्व और इसकी उपयोगिता पर विस्तार से प्रकाश डाला।

उप निदेशक आशीष कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि सहकारी क्षेत्र देश के सामाजिक एवं आर्थिक विकास का एक मजबूत स्तंभ है। यह विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन, वित्तीय समावेशन और सामुदायिक सशक्तिकरण में अहम भूमिका निभाता है। उन्होंने बताया कि यह रैपिड सर्वेक्षण देश के 30 प्रमुख सहकारी क्षेत्रों से संबंधित सकल मूल्य संवर्धन (जीवीए), उत्पादन तथा रोजगार के विश्वसनीय आंकड़े जुटाने में सहायक होगा।

उन्होंने यह भी कहा कि इस प्रकार के आंकड़े सरकार को नीतियां बनाने, योजनाओं को बेहतर ढंग से लागू करने और सहकारी क्षेत्र को और अधिक सशक्त बनाने में मदद करेंगे। प्रशिक्षण के दौरान उन्होंने प्रतिभागियों को विशेष रूप से डेटा की गुणवत्ता बनाए रखने, फील्ड सर्वेक्षण में सटीकता सुनिश्चित करने और सभी अवधारणाओं को एक समान रूप से समझने की आवश्यकता पर जोर दिया। कार्यक्रम के दौरान यह जानकारी दी गई कि यह सर्वेक्षण 1 अप्रैल 2026 से शुरू होकर अगले छह महीनों तक पूरे देश में संचालित किया जाएगा। झारखंड राज्य में कुल 354 चयनित सहकारी समितियों का सर्वेक्षण किया जाएगा, जिसे आधुनिक वेब-आधारित प्रणाली के माध्यम से पूरा किया जाएगा। इस डिजिटल प्रक्रिया से डेटा संग्रहण, निगरानी और विश्लेषण में पारदर्शिता तथा तेजी आएगी। प्रशिक्षण शिविर में विभिन्न जिलों से आए अधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लिया। विशेषज्ञों द्वारा सर्वेक्षण की प्रक्रिया, प्रश्नावली की संरचना, डेटा एंट्री और रिपोर्टिंग के विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं का समाधान भी किया गया।

यह प्रशिक्षण कार्यक्रम सहकारी क्षेत्र में सटीक और विश्वसनीय आंकड़े जुटाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे भविष्य में योजनाओं के निर्माण और क्रियान्वयन को अधिक प्रभावी बनाया जा सकेगा।

रिनपास में अत्याधुनिक डीटीएमएस मशीन को लेकर त्रिपक्षीय समझौता

रांची: सीसीएल ने कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व (CSR) के तहत मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इसी क्रम में सोमवार को सीसीएल, रांची इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूरो-साइकियाट्री एंड एलाइड साइंसेज (रिनपास), रांची तथा रोटरी फाउंडेशन के बीच एक त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

इस समझौते के तहत रिनपास, रांची में अत्याधुनिक डीटीएमएस (डीप ट्रांसक्रैनियल मैग्नेटिक स्टिमुलेशन) मशीन स्थापित की जाएगी, जिसमें H1, H4 एवं H7 कॉइल्स की सुविधा उपलब्ध होगी। यह तकनीक पूर्णतः नॉन-इनवेसिव है और मस्तिष्क के गहरे हिस्सों को लक्षित कर मानसिक रोगों के प्रभावी उपचार में सहायक सिद्ध होती है।

परियोजना की कुल लागत 1,98,72,488/- (तीन वर्षों के AMC सहित) है, जिसका वित्तीय वहन सीसीएल द्वारा CSR के अंतर्गत किया जाएगा। यह पहल सीसीएल की जनकल्याण के प्रति प्रतिबद्धता तथा स्वास्थ्य क्षेत्र में सकारात्मक योगदान का सशक्त उदाहरण है।

BrainsWay dTMS तकनीक उन्नत H-कोइल आधारित प्रणाली है, जिसके माध्यम से मस्तिष्क के न्यूरल नेटवर्क को द्विपक्षीय रूप से उत्तेजित एवं मॉड्युलेट किया जा सकता है। यह तकनीक अवसाद, ऑब्सेसिव कंपल्सिव डिसऑर्डर तथा निकोटीन एडिक्शन जैसी मानसिक बीमारियों के उपचार में प्रभावी पाई गई है। यह मशीन US Food and Drug Administration (FDA) द्वारा अनुमोदित है, तथा H-कोइल तकनीक धूम्रपान त्याग हेतु भी एफडीए से स्वीकृत है।

इस परियोजना के माध्यम से प्रतिवर्ष 600 से अधिक गंभीर मानसिक रोगों से ग्रसित मरीजों को प्रत्यक्ष लाभ मिलने का अनुमान है। साथ ही, dTMS उपचार को प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (PMJAY) एवं झारखंड राज्य स्वास्थ्य योजना के साथ समन्वित किया जाएगा, जिससे आम नागरिकों को सुलभ एवं किफायती स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो सकेंगी। इस अवसर पर सीसीएल के महाप्रबंधक सिद्धार्थ शंकर लाल, रिनपास की निदेशक डॉ. जयंती सिमलाई तथा रोटरी फाउंडेशन के प्रतिनिधि ललित त्रिपाठी एवं गौरव बगरोय उपस्थित थे। सीसीएल की यह पहल मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में आधुनिक तकनीक को बढ़ावा देने के साथ-साथ समाज के कमजोर एवं जरूरतमंद वर्गों को गुणवत्तापूर्ण एवं सुलभ उपचार उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगी।

कांके सबडिवीजन में विद्युतकर्मी की दुर्घटना पर श्रमिक संघ का आक्रोश, उच्चस्तरीय जांच व समुचित इलाज की मांग

संवाददाता रांची: झारखंड ऊर्जा विकास श्रमिक संघ के अध्यक्ष अजय राय ने कांके सबडिवीजन में कार्यरत विद्युतकर्मी मो. शमी आलम के साथ हुई गंभीर दुर्घटना पर गहरी चिंता एवं आक्रोश व्यक्त किया है। उन्होंने बताया कि कल कार्य के दौरान हुई इस दुर्घटना के बाद मो. शमी आलम की स्थिति अत्यंत नाजुक बनी हुई है और वर्तमान में उनका इलाज राँची स्थित देवकमल हॉस्पिटल में चल रहा है, जहां वे जीवन और मृत्यु के बीच संघर्ष कर रहे हैं। अजय राय ने कहा कि यह घटना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण होने के साथ-साथ विभागीय लापरवाही का स्पष्ट उदाहरण है। हाल के दिनों में इस प्रकार की लगातार हो रही घटनाएं यह दर्शाती हैं कि कार्यस्थल पर सुरक्षा मानकों की घोर अनदेखी की जा रही है, जिससे विद्युतकर्मियों का जीवन खतरे में पड़ रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि मो. शमी आलम जेएमडी एजेंसी के माध्यम से आउटसोर्सिंग के तहत कार्यरत थे, ऐसे में यह आवश्यक हो जाता है कि दुर्घटना के कारणों की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कराई जाए, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि यह घटना केवल लापरवाही का परिणाम है या इसके पीछे कोई अन्य गंभीर कारण है। श्रमिक संघ ने महाप्रबंधक (तकनीकी), विद्युत आपूर्ति क्षेत्र, राँची को ज्ञापन सौंपा। अजय राय ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि इस गंभीर मामले में शीघ्र कार्रवाई नहीं की जाती है, तो झारखंड ऊर्जा विकास श्रमिक संघ आंदोलन के लिए बाध्य होगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी विभाग की होगी।

संक्षिप्त खबरें...

चतरा सांसद राष्ट्रपति से शिष्टाचार मुलाकात कर भेंट किये माँ भद्रकाली का प्रतीक चिन्ह

कोयलांचल संवाद संवाददाता, चतरा : चतरा लोकसभा क्षेत्र के सांसद कालीचरण सिंह ने देश की महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से शिष्टाचार मुलाकात की। यह मुलाकात सौहार्दपूर्ण वातावरण में हुई, जिसमें क्षेत्रीय आस्था और सांस्कृतिक पहचान की झलक भी देखने को मिली। इस दौरान सांसद ने राष्ट्रपति को चतरा की अधिष्ठात्री देवी माँ भद्रकाली का प्रतीक चिन्ह भेंट किया। साथ ही उन्होंने झारखंड की पावन धरती, विशेषकर माँ भद्रकाली एवं माँ कौलेश्वरी धाम की धार्मिक महत्ता से राष्ट्रपति को अवगत कराया। सांसद कालीचरण सिंह ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को ससम्मान चतरा आने का आमंत्रण भी दिया। उन्होंने आग्रह किया कि वे माँ भद्रकाली और माँ कौलेश्वरी की पवित्र धरती पर पधारकर यहां के श्रद्धालुओं को आशीर्वाद दें। मुलाकात को पूरी तरह शिष्टाचार भेंट बताया गया, लेकिन इसमें क्षेत्र के धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने की पहल साफ नजर आई।

407 वाहन का पिछला टायर बदलने के दौरान जग स्लीप करने से उप चालक घायल

दुमकाःगोविंदपुर-साहिबगंज स्टेट हाईवे पर गोपीकांदर थाना क्षेत्र के सेल्फी पहाड़ स्थित कारूडीह मोड़ के पास 407 वाहन का पिछला टायर बदलने के दौरान जग स्लीप करने से उपचालक घायल हो गया। जानकारी के मुताबिक वाहन के पीछे का टायर ब्लास्ट होने पर चालक और उपचालक दोनों मिलकर ब्लास्ट टायर को खोलकर जग के द्वारा दूसरा टायर फिट करने का प्रयास कर रहे थे।अचानक जग स्लिप हो गया और उपचालक सूरज मंडल के दाहिने हाथ पर गिर गया, जिससे उपचालक का हाथ पूरी तरह से जख्मी हो गया।चालक नंदलाल मंडल, गोपीकांदर पुलिस प्रशासन के द्वारा घायल सूरज को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। डॉक्टर हेमंत मुर्मू ने बताया कि दाया हाथ पूरी तरह से टूट गया है। बेहतर इलाज के लिए दुमका स्थित फूलो - झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर किया गया। चालक नंदलाल मंडल ने बताया कि 407 पिकअप वेन में 119 पीस ईस्टमैन कंपनी की बैटरी लदी थी। रांची से बरहरवा ले जाने के दौरान गोपीकांदर थाना क्षेत्र के सेल्फी पहाड़ के पास यह घटना घटी।

नुरीडीह गांव में मनाया गया सरहुल महोत्सव

तमार : प्रखंड अंतर्गत राजस्व ग्राम नुरीडीह में सोमवार को सरहुल महोत्सव हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। सर्व प्रथम पाहान सीताराम मुंडा एवं जीतवाहन मुंडा ने सरहुल अखाड़ा समीप सरना देवता, सिंह बोंगा, बुरु बोंगा इत्यादि देवताओं की पारंपरिक पूजा किया गया। गांव की सुख,समृद्धि, शांति और स्वस्थ धन धान्य,बच्चों में अच्छी शिक्षा हो के लिएअराधना किया। पूजा के पश्चात प्रसाद वितरण किया गया। प्रसाद ग्रहण के पश्चात सभी ने अपने पारंपरिक भेषभूषा में सरहुल अखाड़ा में ढोल नगाड़े के साथ मनमोहक गीत के साथ नृत्य किया। बीरडीह से आए नृत्य दलों ने एक से एक सरहुल मुण्डारी गीत एवं नृत्य से सबका मन मोह लिया। इस दौरान ग्राम प्रधान लक्ष्मण सिंह मुंडा, पूर्णचंद्र मुंडा, महेश मुंडा, दीना शांडिल्य, गणेश मुंडा, शिशुपाल पातर, रामेश्वर सिंह मुंडा, कन्हाई पातर,नन्दकिशोर सिंह मुंडा, राजेश नाग, संतोष मुण्डा, सोखा मुण्डा सहित सैकड़ों ग्रामीण महिला पुरुष का सराहनीय योगदान रहा।

सड़क दुर्घटना में बाइक चालक की मौत, तीन गंभीर रूप से घायल

दुमकाःसाहेबगंज–गोविंदपुर मुख्य हाईवे पर मसलिया थाना क्षेत्र के छोटा चापुड़िया गांव के पास सोमवार दोपहर करीब तीन बजे एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक बाइक चालक की मौत हो गई वहीं तीन गंभीर रूप से घायल हो गए। कार एवं बाइक में आमने-सामने की टक्कर में बाइक चालक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि अन्य तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।प्राप्त जानकारी के अनुसार, बीआर 01 डीजे 0623 नंबर की बलेनो कार और जेएच 04 एस 9935 नंबर की हीरो सुपर स्प्लेंडर बाइक के बीच जोरदार टक्कर हुई। हादसे में बाइक चालक 55 वर्षीय कमीशन हेम्ब्रम की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वहीं बाइक पर सवार उनकी पत्नी पानमुनी मरांडी और गांव की भानू देवी गंभीर रूप से घायल हो गईं। कार चालक महिला समेत कुल तीन लोग घायल बताए जा रहे हैं। बताया जाता है कि गोलबाजार गांव निवासी कमीशन हेम्ब्रम अपनी पत्नी और भानू देवी को लेकर रानीघाघर स्थित भारतीय स्टेट बैंक पैसा निकालने जा रहे थे। इसी दौरान दुमका की ओर से तेज रफ्तार में आ रही कार अचानक नियंत्रण खो बैठी और दाहिनी ओर आकर बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक कार में फंस गई और सवार लोग लगभग 20 मीटर दूर जा गिरे। घटना की सूचना मिलते ही मसलिया पुलिस मौके पर पहुंची और पीसीआर वैन की मदद से घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा। साथ ही क्षतिग्रस्त वाहनों को जब्त कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कार के आगे प्लेट में उप चिकित्सा अधीक्षक का बोर्ड लगा था जिसमें एक महिला चला रही थी, जिसमें एक पुरुष, एक तीन वर्षीय बच्चा और एक शिशु भी सवार थे। स्थानीय लोगों ने चालक के लाइसेंस की जांच और उचित कानूनी कार्रवाई की मांग की है। साथ ही मृतक के परिजनों को मुआवजा और घायलों के समुचित इलाज की भी मांग की गई है।

हजारीबाग नाबालिग दुष्कर्म मामले में भाजपा का धरना प्रदर्शन

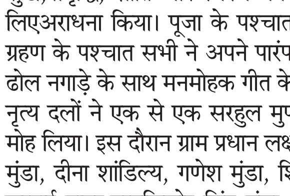

पाकुड़ : 12 वर्षीय नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म के बाद हत्या की घटना के विरोध में सोमवार को भाजपा द्वारा समाहरणालय के समक्ष एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया गया। धरना का नेतृत्व जिलाध्यक्ष सरीता मुर्मू ने किया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने दोषियों को शीघ्र गिरफ्तार कर फांसी की सजा देने की मांग की। धरना को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष ने कहा कि राज्य में लगातार दुष्कर्म, हत्या और अपहरण की घटनाएं बढ़ रही हैं, जिससे महिलाओं की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने में विफल रही है। उन्होंने कहा कि हर वर्ष बड़ी संख्या में दुष्कर्म और हत्या के मामले सामने आ रहे हैं, जिससे महिलाओं में भय का माहौल है। उन्होंने बताया कि 24 मार्च को रामनवमी और नवरात्रि के दौरान एक मजदूर परिवार की 12 वर्षीय बेटी जुलूस देखने गई थी, जहां से उसका अपहरण कर उसके साथ दुष्कर्म किया गया और साक्ष्य छुपाने के लिए उसकी हत्या कर दी गई। घटना के कई दिन बीत जाने के बाद भी अपराधी पुलिस की पकड़ से बाहर हैं। धरना के बाद महिला कार्यकर्ताओं ने उपायुक्त मनीष कुमार को ज्ञापन सौंपकर पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने और दोषियों को कड़ी सजा दिलाने की मांग की। इस दौरान मधु देवी, प्राची चौधरी, मीरा देवी, रसमी भगत, मधु यादव, निधि गुप्ता और पुष्पा देवी सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

विधायक पूर्णिमा साहू ने सरकार पर साधा निशाना, बेटियों की सुरक्षा पर उठाए सवाल

जमशेदपुर । भारतीय जनता पार्टी जमशेदपुर महानगर महिला मोर्चा के नेतृत्व में जिला उपायुक्त कार्यालय के समक्ष एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन आयोजित किया गया . हजारीबाग जिले के विष्णुगढ़ में 12 वर्षीय बच्ची के साथ हुई दरिंदगी और हत्या के विरोध में जबरदस्त आक्रोश देखने को मिला. धरना- प्रदर्शन की शुरुआत साकची स्थित भाजपा जिला कार्यालय से पैदल मार्च के साथ हुई. प्रदर्शनकारी हाथों में तख्तियां और बैनर लेकर "बेटी को न्याय दो" और "दोषियों को फांसी दो" जैसे नारे लगाते हुए डीसी कार्यालय पहुंचे.

पूरे मार्ग में लोगों का आक्रोश साफ नजर आया. इस विरोध प्रदर्शन में जमशेदपुर पूर्वी की विधायक पूर्णिमा दास साहू, भाजपा महानगर अध्यक्ष संजीव सिन्हा सहित कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे. धरना स्थल पर पूर्णिमा दास साहू बच्ची की घटना को याद कर भावुक हो गईं और रो पड़ीं, जिससे वहां मौजूद लोग भी भावुक हो उठे. विधायक पूर्णिमा साहू ने राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि झारखंड में बेटियां सुरक्षित नहीं हैं. उन्होंने कहा कि यह घटना पूरे समाज को झकझोरने वाली है और सरकार की विफलता को उजागर करती है. उन्होंने पीड़ित परिवार को 50 लाख रुपये मुआवजा, निष्पक्ष जांच और दोषियों को कड़ी सजा देने की मांग की. धरना के दौरान भाजपा नेताओं ने उपायुक्त के माध्यम से राज्य सरकार को ज्ञापन सौंपा. ज्ञापन में मामले की त्वरित सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट में कराने, दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी और पीड़ित परिवार को सुरक्षा देने की मांग की गई. महिला मोर्चा की पदाधिकारियों ने भी घटना की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि जब तक दोषियों को सख्त सजा नहीं मिलती, आंदोलन जारी रहेगा. इस प्रदर्शन के बाद शहर में राजनीतिक और सामाजिक सरगर्मी तेज हो गई है.

दुमका में दर्दनाक सड़क हादसाः युवक की मौत, परिजनों का हंगामा, दुमका–पाकुड़ मार्ग जाम

दुमकाः नगर थाना क्षेत्र में सोमवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। घटना के बाद आक्रोशित परिजनों ने पुलिस और स्वास्थ्य विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए दुमका–पाकुड़ मुख्य मार्ग को जाम कर दिया।जानकारी के अनुसार, नगर थाना क्षेत्र स्थित वीर कुंवर सिंह चौक के पास बांस लदे एक वाहन की चपेट में आने से बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए उसे फूलो झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान गांधी नगर मोहल्ला निवासी राहुल दास के रूप में हुई है, जो एक कूरियर कंपनी में कार्यरत था। बताया जा रहा है कि राहुल की हाल ही में शादी हुई थी और उसकी पत्नी गर्भवती है।मृतक के परिजनों ने पुलिस और अस्पताल प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि जब पुलिस राहुल को अस्पताल लेकर पहुंची, तब वह जीवित था, लेकिन समय पर उचित इलाज नहीं मिलने के कारण उसकी मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि पुलिस घायल को अस्पताल छोड़कर चली गई और अस्पताल में भी इलाज में लापरवाही बरती गई।घटना से नाराज परिजनों और स्थानीय लोगों ने दुर्गास्थान चौक के पास दुमका–पाकुड़ मार्ग को जाम कर दिया। इस दौरान उन्होंने प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और दोषियों पर कार्रवाई व मुआवजे की मांग की।स्थिति को नियंत्रित करने के लिए मौके पर पुलिस बल तैनात किया गया। बाद में नगर परिषद अध्यक्ष अभिषेक चौरसिया और अंचलाधिकारी अमर कुमार मौके पर पहुंचे और लोगों को समझाकर शांत कराया। प्रशासन की ओर से मृतक के परिजनों को तत्काल सहायता के रूप में 10 हजार रुपये का मुआवजा भी दिया गया।स्थानीय लोगों ने मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। प्रशासन ने आश्वासन दिया है कि पूरे मामले की जांच की जाएगी और आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

दुमका में सनसनीः तालाब से अज्ञात शव बरामद, हाथों में कैंची और डेंड्राइट मिलने से रहस्य गहराया

दुमका। शहर के खूंटा बांध तालाब से एक अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद होने से इलाके में सनसनी फैल गई। सोमवार सुबह स्थानीय लोगों की नजर तालाब में तैरते शव पर पड़ी, जिसके बाद तुरंत नगर थाना पुलिस को सूचना दी गई।सूचना मिलते ही नगर थाना प्रभारी जगन्नाथ धान और सदर एसडीपीओ विजय कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।मामले को और भी रहस्यमय बनाने वाली बात यह है कि मृतक के एक हाथ में कैंची और दूसरे हाथ में डेंड्राइट पाया गया। इस स्थिति ने घटना को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। प्रथम दृष्टया यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि यह आत्महत्या का मामला है, दुर्घटना है या फिर किसी साजिश का परिणाम।शव से तेज दुर्गंध आने के कारण आशंका जताई जा रही है कि घटना कई दिन पुरानी हो सकती है।

विद्यालय की जमीन पर फिर अतिक्रमण की कोशिश, प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई कर रोका निर्माण

कोयलांचल संवाद संवाददाता, चौपारण (हजारीबाग)ः अमौली अपूर्वा उच्च विद्यालय, मानगढ़ की जमीन पर अतिक्रमण का मामला एक बार फिर सुर्खियों में आ गया है। एलएनजेपी बेहरा द्वारा संचालित इस विद्यालय की भूमि पर एलआरडीसी के स्पष्ट आदेश के बावजूद अवैध निर्माण कार्य दोबारा शुरू कर दिया गया था। हालांकि, प्रशासन की तत्परता के चलते निर्माण कार्य को तत्काल प्रभाव से रुकवा दिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह मामला जमाबंदी कैंसिलेशन वाद संख्या 21/25 (अर्जुन पांडे बनाम रामेश्वर महतो) से संबंधित है, जो एलआरडीसी न्यायालय, बरही में विचाराधीन है। संबंधित भूमि थाना चौपारण क्षेत्र अंतर्गत खाता संख्या 71, प्लॉट संख्या 303, लगभग 1.35 1/2 डिसमिल रकबा की है, जिसे विद्यालय की संपत्ति बताया जा रहा है। गौरतलब है कि एलआरडीसी, बरही ने पूर्व में पत्रांक 1092 (दिनांक 30 दिसंबर 2025) के माध्यम से स्पष्ट निर्देश जारी किया था कि अंतिम निर्णय तक भूमि की यथास्थिति बनाए रखी जाए। आदेश के बाद कुछ समय तक निर्माण कार्य बंद रहा, लेकिन हाल ही में ईद और रामनवमी की छुट्टियों का लाभ उठाकर अतिक्रमणकारियों ने पुनः निर्माण कार्य शुरू कर दिया और शटरिंग तक कर दी। सोमवार को विद्यालय खुलने पर प्रबंधन को इसकी जानकारी मिली, जिसके बाद तत्काल एलआरडीसी और अंचल अधिकारी को सूचित किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए अंचल अधिकारी संजय यादव ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चौकीदार को मौके पर भेजकर स्थिति की पुष्टि कराई तथा निर्माण कार्य तुरंत बंद करा दिया। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है, लेकिन सवाल यह उठता है कि न्यायालय में मामला लंबित रहने और स्पष्ट आदेश के बावजूद अतिक्रमण की बार-बार कोशिश कैसे हो रही है। स्थानीय लोगों व अभिभावकों ने प्रशासन की कार्रवाई की सराहना करते हुए स्थायी समाधान और कड़ी निगरानी की मांग की है।

डीसी ने चार नवनियुक्त चौकीदारों के बीच नियुक्ति पत्र का किया वितरण

पाकुड़ः जिला प्रशासन, पाकुड़ द्वारा सोमवार को चार नवनियुक्त चौकीदारों के बीच नियुक्ति पत्र का वितरण किया गया। इस अवसर पर डीसी मनीष कुमार, प्रभारी, सामान्य शाखा मोहनलाल मरांडी एवं जिला स्थापना उप समाहर्ता त्रिभुवन कुमार सिंह ने नवनियुक्त चौकीदारों के बीच नियुक्ति पत्र वितरण किया। विदित हो कि चौकीदार के कुल 250 स्वीकृत पदों के विरुद्ध 246 अभ्यर्थियों ने पूर्व में योगदान दिया था, जबकि 4 पद रिक्त रह गए थे। इन रिक्त पदों के विरुद्ध प्रतीक्षा सूची में शामिल चार योग्य अभ्यर्थियों के बीच नियुक्ति पत्र का वितरण किया गया।

इस अवसर पर डीसी ने सभी नवनियुक्त चौकीदारों को बधाई देते हुए कहा कि यह नियुक्ति उनके लिए एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि चौकीदार प्रशासन एवं आमजन के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में कार्य करते हैं, इसलिए उन्हें अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी निष्ठा, ईमानदारी एवं सजगता के साथ करना चाहिए। डीसी ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में कानून- व्यवस्था बनाए रखने, सूचनाओं के आदान-प्रदान तथा प्रशासनिक कार्यों के क्रियान्वयन में चौकीदारों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने सभी नवनियुक्त कर्मियों से अपेक्षा किया कि वे अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी प्रतिबद्धता के साथ करते हुए प्रशासन के प्रति विश्वास को और मजबूत करेंगे।

बलियापुर घटना की निष्पक्ष जांच की मांग को लेकर आवेदन सौंपा

रांची(मोहसिनआलम)ः यूनाइटेड मिल्ली फोरम प्रदेश महासचिव अफजल अनीस ने सोमवार को झारखंड राज्य अल्पसंख्यक आयोग के कार्यालय रांची में अध्यक्ष महोदय के नाम एक आवेदन सौंपा। उक्त आवेदन अध्यक्ष के पर्सनल सेक्रेटरी वसीम खान द्वारा प्राप्त किया गया। प्रेस को जारी बयान में संगठन के जेनरल सेक्रेटरी अफजल अनीस ने कहा कि बलियापुर (जिला धनबाद) में रामनवमी के दौरान असामाजिक तत्वों द्वारा किया गया हंगामा अत्यंत निंदनीय है और इससे सामाजिक सौहार्द को ठेस पहुंची है। उन्होंने मांग की कि पूरे प्रकरण की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कराई जाए तथा जो भी व्यक्ति इस घटना में दोषी पाए जाएं, उनके खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही, उन्होंने यह भी कहा कि घटना के बाद प्रशासन द्वारा कुछ लोगों को परेड कराते हुए जो वीडियो सामने आया है, वह भी कई सवाल खड़े करता है। ऐसे में यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि किसी भी निर्दोष व्यक्ति के खिलाफ जल्दबाजी में कोई कार्रवाई न हो। यूनाइटेड मिल्ली फोरम ने आयोग से मांग की है कि मामले में निष्पक्ष जांच कराकर दोषियों को सजा दिलाई जाए और निर्दोष लोगों के साथ न्याय सुनिश्चित किया जाए।

ईद मिलन समारोह की सफलता पर कन्वीनर जावेद इक़बाल ने लोगों को दी बधाई

रांचीः रांची के खिजूरटोला और किशनपुर की ओर से बूटी मोड़ स्थित छोटा नागपुर स्कूल में आयोजित ईद मिलन समारोह सौहार्द और भाईचारे का अनूठा उदाहरण बनकर सामने आया। जिसमें गंगा-जमुनी तहजीब, की अनोखा देखने को मिला.कार्यक्रम में विभिन्न समुदायों के लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और सामाजिक एकता का संदेश दिया। आयोजन समिति के कन्वीनर जावेद इकबाल ने समारोह की सफलता पर प्रसन्नता जताते हुए कार्यक्रम में शामिल सभी अतिथियों, गणमान्य लोगों, अंजुमन कमेटी के सदस्यों, वॉलिंटियर्स एवं प्रेस-मीडिया के प्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने विशेष रूप से डॉ. हसन राजा, समाजसेवी रमेश गोप, रवि कुमार पिंकू, अंतु तिर्की, शिक्षाविद डॉ. रुद्र नारायण महतो, हरमिंदर वीर सिंह, सदर थाना प्रभारी कुलदीप कुमार समेत अन्य उपस्थित गणमान्य लोगों का धन्यवाद किया। जावेद इकबाल ने कहा कि सभी लोगों ने जाति-धर्म से ऊपर उठकर भाईचारे की मिसाल कायम की है। यह आयोजन क्षेत्र में आपसी सद्भाव और एकता को और मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि इस ऐतिहासिक पल के गवाह बनने वाले सभी लोग धन्यवाद के पात्र हैं, जिनके सहयोग से यह कार्यक्रम सफल हो सका। उन्होंने पुलिस प्रशासन की भूमिका की भी सराहना करते हुए कहा कि उनके सहयोग से कार्यक्रम शांतिपूर्ण और सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। आयोजन की सफलता से क्षेत्र में आपसी भाईचारा और सौहार्द बनाए रखने का सकारात्मक संदेश गया है।

हंटरगंज थाना पुलिस की बड़ी सफलताः कौलेश्वरी पहाड़ से लापता हुए मासूम को पुलिस ने 12 घंटे में सकुशल बरामद किया

कोयलांचल संवाद संवाददाता, चतराः जिले की हंटरगंज थाना पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए कौलेश्वरी पहाड़ से लापता मासूम को महज 12 घंटे के अंदर बरामद कर लिया है। बच्चे के मिलने से परिजनों में खुशी का माहौल है।मासूम के स्वजन ने पुलिस और कौलेश्वरी प्रबंधन समिति का आभार व्यक्त किया है। पुलिस के अनुसार बिहार के औरंगाबाद जिले के रफीगंज निवासी धर्मेंद्र कुमार विश्वकर्मा का 4 वर्षीय पुत्र शौर्य कुमार अपने परिजनों के साथ रविवार को कौलेश्वरी मंदिर पूजा अर्चना करने आया था। तभी मासूम अचानक लापता हो गया। जिससे परिजनों का रो रो बुरा हाल था। मासूम के पिता धर्मेंद्र ने इसकी मौखिक सूचना कौलेश्वरी प्रबंधन समिति के सदस्यों को हंटरगंज थाना पुलिस को दी। हंटरगंज थाना पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए हंटरगंज और आसपास के इलाकों में सघन तलाशी अभियान चलाया गया। करीब 12 घंटों की तलाश के बाद मासूम को कौलेश्वरी पहाड़ से सकुशल बरामद कर लिया गया। मासूम के सुरक्षित मिलने के बाद

परिवार, कौलेश्वरी प्रबंधन समिति और पुलिस ने राहत की सांस ली। परिजनों ने सहयोग करने वाले लोगों और पुलिस प्रशासन का आभार जताया है।

भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी चतरा के कार्यकारिणी की हुई बैठक

कोयलांचल संवाद संवाददाता, चतराः सोमवार को भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी की चतरा इकाई की कार्यकारिणी बैठक रेड क्रॉस परिसर में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता उपाध्यक्ष सह अनुमंडल पदाधिकारी जहूर आलम ने की, जबकि संचालन सचिव धर्मेंद्र पाठक ने किया। बैठक के दौरान पिछली बैठक में लिए गए निर्णयों के अनुपालन की समीक्षा की गई।

समीक्षा में बताया गया कि रेड क्रॉस परिसर में वाहनों की सुरक्षा के लिए शेड का निर्माण कराया गया है। वहीं बरसात में पानी टपकने की समस्या को देखते हुए दुकान संख्या 9, 10 और 11 की छत की मरम्मत कराई गई है।सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से परिसर में आठ सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। इसके अलावा चाहरदीवारी पर कंटीले तार लगाने, रक्त जांच के लिए एलाइजा मशीन की स्थापना तथा ट्यूब

चिलर के साथ दो खराब पड़े फ्रिज की मरम्मत जैसे कार्यों की भी समीक्षा की गई।बैठक में आगे की योजनाओं पर भी चर्चा हुई। निर्णय लिया गया कि दुर्घटनाग्रस्त ब्लड डोनेशन वैन की मरम्मत कराई जाएगी तथा खराब पड़े जनरेटर को भी जल्द दुरुस्त किया जाएगा। वहीं बारिश के मौसम में दुकानों में पानी भरने की समस्या से निजात दिलाने के लिए प्लेटफॉर्म निर्माण कराया जाएगा।बैठक में प्राइवेट नर्सिंग होम में ब्लड ले जाने वालों के लिए 200 रुपये प्रोसेसिंग चार्ज बढ़ाने का निर्णय लिया गया। एक अप्रैल से निजी नर्सिंग होम में ब्लड ले जाने वालों को 1050 रुपये का शुल्क देना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त रेड क्रॉस परिसर के ऊपरी तल्ले पर बिना एग्रीमेंट संचालित दुकान संख्या 4 और 5 के दुकानदारों के खिलाफ सर्टिफिकेट केस दर्ज करने का भी निर्णय लिया गया।बैठक में कोषाध्यक्ष गोपाल कुमार वर्मा,डॉ.विजय अग्रवाल, कार्यकारिणी के वरिष्ठ सदस्य संतन पांडेय, पंकज कुमार दुबे, जावेद पप्पू रजा, सत्येंद्र मित्तल सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

ब्रह्मर्षि विकास मंच केंद्रीय समिति के अध्यक्ष सत्येन्द्र कुमार और महासचिव जय कुमार एवं कोषाध्यक्ष श्रीनिवास कुमार बने

जमशेदपुर । कदमा स्थित ब्रह्मर्षि भवन में ब्रह्मर्षि विकास मंच, जमशेदपुर की केंद्रीय समिति के चुनाव सफलता पूर्वक संपन्न हो गया । अध्यक्ष पद पर सत्येंद्र कुमार ने अनिल कुमार को मात्र तीन वोट से हराकर विजय घोषित हुए । सत्येन्द्र कुमार को 35 वोट और अनिल कुमार को 32 वोट पड़े । जबकि महासचिव पद के लिए केवल एक ही नामांकन जय कुमार द्वारा किया गया था , जिसके फलस्वरूप उन्हें निर्विरोध महासचिव निर्वाचित घोषित किया गया। वहीं कोषाध्यक्ष पद के लिए श्रीनिवास कुमार और राजेश कुमार में टक्कर हुई , जहां श्रीनिवास कुमार ने 13 वोट के अंतर से राजेश कुमार को पछाड़ कर जीत हासिल की , जहां श्रीनिवास कुमार को कुल 40 मत और राजेश कुमार को मात्र 27 मत मिले । नामांकन की

प्रक्रिया 26 मार्च को किया गया था , जबकि मतदान की प्रक्रिया 29 मार्च को संपन्न हुआ । नामांकन प्रक्रिया का सफल संचालन संयोजक राजकिशोर सिंह के नेतृत्व में किया गया। इस दौरान चुनाव पर्यवेक्षक रामउदय प्रसाद सिंह, मनोज कुमार सिंह गुणी, दीपु सिंह, विकास कुमार, देवानंद सिंह ,राकेश कुमार सहित 11 सदस्यीय चुनाव संचालन समिति की सक्रिय भूमिका रही। पूरी प्रक्रिया उत्साहपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई। इसी क्रम में दिनांक 29 मार्च 2026 को ब्रह्मर्षि भवन, कदमा में अध्यक्ष एवं कोषाध्यक्ष पदों के लिए मतदान कराया गया। इस चुनाव में कुल 83 मतदाता सूचीबद्ध थे, जिनमें से 67 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। चुनाव का रिजल्ट घोषित होने के बाद समाज के सभी लोगों ने अपने नए पदाधिकारियों को फूल माला पहनाकर भव्य स्वागत किया और खुशी में मिठाई भी बांटी गई । सभी नए पदाधिकारियों ने स्वामी सहजानंद सरस्वती जी के मूर्ति पर फूल माला चढ़ा कर श्रद्धांजलि अर्पित की और उन्हें नमन किया। चुनाव की संपूर्ण प्रक्रिया पारदर्शी, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई। सभी मतदाताओं एवं कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर लोकतांत्रिक परंपरा को सुदृढ़ किया। इस पूरे चुनाव कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्थापक महासचिव राजकिशोर सिंह, संस्थापक सदस्य मनोज (गुणी), दीपु सिंह, राम उदय सिंह, भास्कर, धनंजय राय ,मिथिलेश, उमानाथ, सुभाष राय, विकास सिंह , अशोक जी, जय कुमार ,अजय जी, मिथिलेश कुमार, सतीश कुमार, विनोद कुमार, विजय जी, सरोज चौधरी, राकेश कुमार, रवि भूषण,राकेश, सुजय कुमार, राजेश जी, रवि भूषण, धनंजय राय , विपेंद्र कुमार राय सहित सैकड़ों ब्रह्मर्षि बंधुओं ने पूरे उत्साह एवं समर्पण के साथ इस चुनाव प्रक्रिया को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाई।

संक्षिप्त खबरें...

पटना नारकोटिक्स टीम पर हमला मामले में 3 महिलाएं गिरफ्तार:अब तक 7 आरोपी पकड़ाए

पटना. राजधानी पटना में नारकोटिक्स टीम पर हमले के मामले में पुलिस की कार्रवाई तेज हो गई है। बुद्धा कॉलोनी थाना क्षेत्र के चिन्ना कोठी में रविवार को की गई छापेमारी में पुलिस ने तीन महिलाओं को गिरफ्तार किया है। इनमें से एक का आपराधिक इतिहास भी सामने आया है। पुलिस के अनुसार, अब तक करीब 30 आरोपियों की पहचान कर ली गई है। सीसीटीवी फुटेज और स्थानीय इनपुट के आधार पर अन्य लोगों की पहचान की कोशिश जारी है। थानेदार पल्लव ने बताया कि, रविवार के दिन भी पटना पुलिस की ओर से चिन्ना कोठी में शरारती तत्वों के खिलाफ रेड की गई, जिसमें 3 महिलाएं पकड़ी गई हैं। एक का अपराधिक इतिहास भी पाया गया है। थानेदार ने कहा कि, 'किसी भी शरारती तत्व को नहीं बख्शा जायेगा। लगातार कार्रवाई जारी है। अब तक इस मामले में सात आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है।' नारकोटिक्स टीम को पटना के चीन कोठी में मादक पदार्थों की तस्करी की सूचना मिली थी। इसी सूचना के आधार पर 5 सदस्यी नारकोटिक्स की टीम ने बुद्धा कॉलोनी थाना क्षेत्र के चिन्ना कोठी में 17 मार्च की सुबह 11:45 बजे छापेमारी करने पहुंची थी। रेड के दौरान नारकोटिक्स टीम सादे लिबास में थी। इस दौरान मादक पदार्थ स्मैक की पुड़िया बेचते हुए आकाश धांगर नाम का आरोपी पकड़ा गया था। टीम उसे पड़कर आगे बढ़ने लगी। तभी वहां मौजूद शरारती तत्वों ने रोड़ेबाजी शुरू कर दी और नारकोटिक्स टीम पर ईंट पत्थर फेंकने लगे। कुछ शरारती तत्वों ने आकाश को बचाने के लिए उसके हाथ में से स्मैक की पुड़िया और कैश रुपए छीनकर नाले में भी फेंक दिए। हालांकि, आकाश स्मैक की पुड़िया और लगभग 6500 कैश रुपए के साथ पकड़ा गया था। इस दौरान बीच बचाव में नारकोटिक्स की टीम की ओर से दो राउंड फायरिंग करनी पड़ी। इस घटना को लेकर बुद्धा कॉलोनी थाने में 7 नामजद और 60 अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कराया गया था।

'बंगाल-असम चुनाव के बाद गहरा सकता है गैस संकट'

पूर्णिया. पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने गैस सिलेंडर को लेकर दावा किया है कि बंगाल-असम चुनाव के बाद संकट गहरा सकता है। लोगों को गैस मिलना मुश्किल हो जाएगा। सरकार असली मुद्दों से भटक रही है। धर्म और चुनावी राजनीति में उलझी है। हालात इतने खराब हैं कि लोगों को लंबी-लंबी कतारों में लगना पड़ रहा है, कहीं-कहीं लाठीचार्ज तक हो रहा है। लोग महंगे दामों पर सिलेंडर खरीदने को मजबूर हैं। अर्जुन भवन में प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए सांसद पप्पू यादव ने कहा कि दिल्ली से लेकर पूर्णिया तक गैस संकट ने आम लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। इस मुद्दे को संसद में जोरदार तरीके से उठाते हुए सरकार पर सवाल खड़े किए हैं। दिल्ली में अररिया की एक बच्ची पिछले 5 दिनों से गैस सिलेंडर के लिए भटक रही है। राजधानी में गैस लेने के 5 किलोमीटर तक लंबी लाइनें लग रही हैं। इतनी अनुशासित लेकिन मजबूरी भरी लाइन पहले कभी नहीं देखी, जहां लोगों को घंटों इंतजार करना पड़ रहा है। देश के कई हिस्सों में गैस की भारी कमी से आम लोगों का जीवन प्रभावित हो रहा है। सांसद ने आरोप लगाया कि सरकार ने कमर्शियल गैस की सप्लाई बंद कर दी है। जिससे रेहड़ी, ठेला और छोटे दुकानदारों की रोजी-रोटी पर संकट आ गया है। करोड़ों लोग ठेला-रेहड़ी चलाकर अपना घर चलाते हैं, अगर उन्हें गैस नहीं मिलेगी तो उनकी जीविका कैसे चलेगी। देश में तेल, दवा और अन्य जरूरी चीजें लगातार महंगी होती जा रही हैं। इसका बोझ आम जनता क्यों झेले, जबकि नेता और पूंजीपति आराम से हैं। पूर्णिया और पटना में पढ़ाई करने वाली छात्राओं के लिए उनकी तरफ से विशेष पहल की जा रही है। हॉस्टल, लॉज और किराए के कमरों में रहने वाली छात्राओं को छोटे गैस सिलेंडर उपलब्ध कराए जा रहे हैं, ताकि उन्हें परेशानी न हो।

समस्तीपुर श्याम महोत्सव पर इत्र-फूल बरसाए:दस हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने महाभंडारे में लिया प्रसाद

समस्तीपुर. समस्तीपुर के खाटू श्याम बिहारी मंदिर में आयोजित तीन दिवसीय 59वां श्री श्याम महोत्सव सोमवार को इत्र वर्षा, फूलों की होली और महाभंडारे के साथ संपन्न हो गया। इस महोत्सव में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। समापन दिवस पर, भजन गायकों की टोली ने बाबा श्याम की भक्ति पर आधारित भजनों और गीतों की प्रस्तुति दी। पूरे दिन मंदिर परिसर में भक्तिमय माहौल बना रहा। महाभंडारे में दस हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने बाबा का प्रसाद ग्रहण किया। दोपहर एक बजे से शुरू हुआ यह भंडारा देर शाम तक जारी रहा, जिसमें प्रसाद ग्रहण करने के लिए श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं। भजन गायिका राजस्थान के अलवर की जस्सी सैनी, सूरजगढ़ के संजय सेन और कानपुर के श्रेष्ठ दीक्षित सहित अन्य कलाकारों ने सुबह से देर शाम तक भजन सुनाए। इस दौरान पुरुष और महिला श्रद्धालु झूमते और नाचते रहे। बीच-बीच में इत्र की वर्षा होती रही। फूलों की होली के दौरान श्रद्धालुओं ने एक-दूसरे पर जमकर फूल बरसाए, जिससे पूरा हॉल फूलों से भर गया और बच्चे भी मस्ती करते दिखे। इस अवसर पर अध्यक्ष मनीष अग्रवाल, सचिव सुनील अग्रवाल, मीडिया प्रभारी भोला अग्रवाल, बसंत संथालिया, श्याम भूत, दीपू मोदी, राजेश अग्रवाल, जय प्रकाश भूत, रूपेश सोनी, निकेत अग्रवाल, माधव संथालिया, राकेश अग्रवाल, दिनेश केडिया, नयन सर्राफ, रितेश अग्रवाल, राधे बोहरा, सुमीत खंडेलवाल सहित कई प्रमुख सदस्य उपस्थित थे। सदर अनुमंडल पदाधिकारी दिलीप कुमार ने बताया कि श्याम महोत्सव के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। मंदिर के चारों ओर पुलिस कर्मियों की तैनाती की गई थी ताकि विधि व्यवस्था की कोई समस्या उत्पन्न न हो। उन्होंने पुष्टि की कि महोत्सव शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ।

अवैध शराब अड्डों पर छापेमारी , 800 लीटर शराब जब्त

शेखपुरा. शेखपुरा जिले की सिरारी थाना पुलिस ने सोमवार को अवैध शराब निर्माण के आधा दर्जन अड्डों पर छापेमारी की। इस दौरान पुलिस ने 800 लीटर अर्धनिर्मित शराब और बड़ी मात्रा में निर्माण सामग्री बरामद की। सभी भट्ठियों को ध्वस्त कर दिया गया, हालांकि कारोबारी मौके से फरार होने में सफल रहे। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि शराब कारोबारी आबादी से दूर बधार में शराब का निर्माण कर रहे हैं। सूचना के सत्यापन के बाद थानाध्यक्ष जयप्रकाश तिवारी और दरोगा निखिल के नेतृत्व में पुलिस बल ने थाना क्षेत्र के भदौस बेलरिया गांव के उत्तर बधार में कार्रवाई की। छापेमारी के दौरान, पुलिस ने शराब निर्माण की विभिन्न सामग्रियों के साथ 800 लीटर अर्धनिर्मित शराब बरामद की। बरामद शराब को मौके पर ही नष्ट कर दिया गया। पुलिस ने शराब भट्ठियों को ध्वस्त करते हुए जमीन के नीचे गाड़कर रखी गई शराब को भी खोदकर निकाला। बड़े-बड़े ड्रम और अन्य उपकरण भी जब्त किए गए। थानाध्यक्ष जयप्रकाश तिवारी ने बताया कि इस मामले में शामिल शराब कारोबारियों की पहचान की जा रही है। फिलहाल, अज्ञात लोगों के खिलाफ एक प्राथमिकी दर्ज कर अनुसंधान कार्य शुरू कर दिया गया है। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र के शराब कारोबारियों में हड़कंप मच गया है।

फतुहा में पत्रकार के बंद घर में चोरी:चोरों ने कैश, जेवरात समेत 3 लाख की संपत्ति चुराई

फतुहा. फतुहा थाना क्षेत्र के सोनारू स्थित एक स्थानीय पत्रकार के बंद घर में चोरी हुई है। चोरों ने कैश और जेवरात समेत करीब तीन लाख रुपये की संपत्ति पर हाथ साफ किया है। पीड़ित गृहस्वामी सुधीर कुमार सिंह ने सोमवार को अज्ञात चोरों के खिलाफ थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। जानकारी के अनुसार, वारदात उस समय हुई जब घर के सभी सदस्य पूजा करने के लिए बाहर गए हुए थे। सुधीर कुमार सिंह रविवार रात जब घर लौटे तो थकान के कारण अपने कमरे में सो गए और उन्हें घटना की कोई भनक नहीं लगी। सोमवार सुबह जब उन्होंने बगल के कमरे में जाने का प्रयास किया, तो दरवाजा अंदर से बंद मिला, जिससे उन्हें अनहोनी की आशंका हुई। खिड़की के रास्ते कमरे में दाखिल होने पर उन्होंने देखा कि सारा सामान बिखरा पड़ा था और गोदरेज का ताला टूटा हुआ था। पीड़ित के मुताबिक, चोरों ने घर में रखे सोने की चेन, मंगलसूत्र, जियुतिया, झुमका, टॉप्स, लॉकेट और चांदी के पायल समेत करीब बीस हजार रुपये नकद चुरा लिए हैं। चोरी गई कुल संपत्ति का आकलन लगभग तीन लाख रुपये किया जा रहा है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की छानबीन शुरू की। गंभीरता को देखते हुए एफएसएल की टीम को भी बुलाया गया, जिसने घटनास्थल से वैज्ञानिक साक्ष्य और फिंगरप्रिंट के नमूने एकत्र किए हैं।

रोहिणी बोलीं- चाचा बिहार से तड़ीपार किए गए:तेजस्वी ने कहा- भाजपा ने बिहार और नीतीश दोनों को ठगा; अशोक चौधरी के रोने को एक्टिंग बताया

पटना. बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एमएलसी पद से इस्तीफा दे दिया। अब वो बिहार विधान परिषद के सदस्य नहीं रहे। सीएम के इस्तीफा देने के बाद मंत्री अशोक चौधरी फफक-फफकर रो पड़े। उन्होंने कहा, 'नीतीश कुमार जैसा देश में दूसरा कोई नहीं हो सकता है।' वहीं तेजस्वी यादव ने नीतीश के इस्तीफा पर कहा, 'दबाव में इस्तीफा लिया गया है।' तेजस्वी ने मंत्री अशोक चौधरी को एक्टर बताया। कहा कि ये लोग पढ़ा भी लेते हैं और एक्टिंग भी कर लेते हैं। वहीं कांग्रेस सांसद अखिलेश सिंह ने कहा है कि नीतीश कुमार ने बिहार में बीजेपी के लिए रास्ता बनाया है। जबकि रोहिणी आचार्य ने कहा है कि चाचाजी बिहार से तड़ीपार कर दिए गए हैं। तेजस्वी ने कहा, 'बिना नीतीश जी की मर्जी से दबाव में फैसला लिया गया है। बिहार में बीजेपी के लोगों ने नीतीश जी को तो ठगा ही साथ ही साथ बिहार की जनता को ठगने का काम किया। हम शुरू से कहते थे एनडीए की सरकार आई तो नीतीश मुख्यमंत्री नहीं रहेंगे। वही हुआ भी। चुनाव में इन लोगों ने जो गनतंत्र और मशीन तंत्र लगाया था। महिलाओं से वादा किया कि 2 लाख रुपए देंगे। वो कब मिलेंगे पता नहीं। बिहार में देश से सबसे महंगी बिजली है। सरकार ने फिर रेट बढ़ाए हैं। ये ठगों की सरकार है।' तेजस्वी यादव ने कहा, 'बिहार में लॉ-एंड-ऑर्डर फेल है। रोज लोग मारे जा रहे हैं, बीजेपी सिर्फ हर तरफ कब्जा करने में लगी है। ये तो तय हो गया है कि नीतीश जी को बीजेपी ने ठगा है। ये भी तय हो गया है कि नीतीश अब मुख्यमंत्री नहीं रहेंगे। आजतक लोग सिर्फ कैमरा देखकर ड्रामा कर करते हैं। वो लोग कलाकार हैं। ऐसे लोगों पर मुझे कुछ नहीं कहना। 2012 से बिहार में कोई स्टेबल सरकार नहीं है।' पश्चिम बंगाल के चुनाव को लेकर कहा, 'चुनाव आयोग तो कोई निर्णय नहीं लेता। जो ऑर्डर आता है उसको आयोग वाले मानते हैं।' वहीं निशांत के राजनीति में आने पर तेजस्वी ने कहा कि युवा राजनीति में आएगा तो मैं स्वागत करूंगा। नीतीश कुमार के एमएलसी पद से इस्तीफे के बाद मंत्री अशोक चौधरी ने कहा, 'लंबे समय से मैं उनके साथ हाउस में हूं। कोविड आया तो मैं उनसे ज्यादा क्लोज हुआ। वो बड़े नेता हैं। सम्मानित व्यक्ति हैं। प्रदेश के अभिभावक हैं। उनके काम करने का तरीका, विरोधियों के प्रति भी सम्मान रखना, स्नेह रखना। उनके व्यक्तिगत काम की भी चिंता करना। इस देश में कोई दूसरा नीतीश कुमार नहीं हो सकता है।' 'मैं शिक्षा मंत्री था तो मुझे याद है हमने मैट्रिक की चोरी पर नकेल कसी थी। पहली बार अमेरिका की टाइम्स मैग्जीन में छपा था- न्यू सुपर मैन। बिहार के बच्चों का चोरी करते फोटो छपा था। बिहार की बहुत भद्द पिटी थी। इस चोरी को हमने रोका था। नीतीश जी ने हमें बुलाकर कहा था अशोक जी 4-5 दिन और है परीक्षा में। ये चोरी रुकनी चाहिए। बच्चों के भविष्य के लिए वो चिंतित रहते थे। ऐसा अभिभावक बिहार को मिलना मुश्किल है। राजनीतिक गुरु का सानिद्ध मिलना भी बहुत बड़ी बात है। वो हमारे अभिभावक हैं और हमेशा रहेंगे।' वहीं नीतीश कुमार के इस्तीफे पर कांग्रेस के राज्यसभा सांसद अखिलेश सिंह ने कहा, 'राज्यसभा के लिए निर्वाचित होने के बाद उन्हें इस्तीफा तो देना ही था।' बिहार विधान परिषद के सदस्य से सीएम नीतीश कुमार ने इस्तीफा दे दिया। इस्तीफा मंजूर हो गया। नीतीश के इस्तीफे के बाद लालू यादव के बेटी रोहिणी आचार्य ने तंज कसा है। रोहिणी ने एक्स पर लिखा है कि, बिहार में बीजेपी का 'ऑपरेशन फिनिश नीतीश' संपन्न हो गया। अंततः चाचा जी के न चाहते हुए भी बीजेपी ने उनका इस्तीफा ले लिया है।

नीतीश ने जेडीयू का सीएम नहीं बनाया तो दुर्गति हो जाएगी; पप्पू यादव बोले- खंजर न मारे बीजेपी

सीएम नीतीश कुमार के विधान परिषद से इस्तीफे पर पूर्णिया के निर्दलीय सांसद सह कांग्रेस नेता राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने भारतीय जनता पार्टी(बीजेपी) पर तीखा वार किया है। कहा है कि नीतीश कुमार या तो बिहार नहीं छोड़ें या जदयू से किसी और को अपनी सीट के लिए नामित करके जाएं। ऐसा नहीं हुआ तो बीजेपी और जदयू दोनों की दुर्गति हो जाएगी। बिहार की जनता ने नीतीश कुमार के नाम पर वोट दिया है। पप्पू यादव ने कहा है कि दिल्ली अभी दूर है, थोड़ा इंतजार कीजिए। बीजेपी के सारथी लोग इतना क्यों परेशान हैं? वोट नीतीश कुमार के नाम पर लिए हैं तो बीच में बिहार की जनता को खंजर क्यों भोंक रहे हैं। अभी विधान परिषद से इस्तीफा दिया है। आगे देखते रहिए। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार को जिस तरह से घेरा गया है वह गलत है। उन्हें बिहार नहीं छोड़ना चाहिए। बिहार की जनता चाहती है कि जिसे मत दिया वही मुख्यमंत्री रहे। जब जदयू के 43 सीट थे तब भी वे सीएम थे। जनता से नरेंद्र मोदी के नाम पर भी वोट नहीं ली गयी है। बिहार में नीतीश कुमार का नाम चलता है। पप्पू यादव ने कहा कि नीतीश कुमार का चरित्र और चिंतन गांधी जी और कर्पूरी ठाकुर से मिलती है। वे एक आदर्श नागरिक, आदर्श नेता और बेहतरीन इंसान हैं। बिहार छोड़ने से पहले उन्हें जनता दल यूनाइटेड से किसी को सीएम पद के लिए नामित कर देना चाहिए। उन्होंने नीतीश कुमार के इस्तीफे को राजनीति से प्रेरित बताया। कहा कि बीजेपी ने इसका प्लॉट तैयार किया है लेकिन भाजपा से किसी नेता को मुख्यमंत्री बनाया गया तो जनता दल यूनाइटेड और भाजपा दोनों की दुर्गति हो जाएगी। नीतीश कुमार 16 मार्च को राज्यसभा के लिए निर्वाचित हुए। नियमानुसार 14 दिनों में उन्हें बिहार विधान परिषद की सदस्यता से इस्तीफा देना जरूरी था। इसे देखते हुए उन्होंने सोमवार को सभापति अवधेश नारायण सिंह को अपना इस्तीफा सौंप दिया। इसके साथ ही नीतीश कुमार का राज्यसभा जाना तय हो गया है। अगर वे सीएम पद से त्यागपत्र देकर दिल्ली की राजनीति में शिफ्ट हो जाते हैं तो बिहार में 20 सालों से चल रहे एक राजनैतिक युग का अंत हो जाएगा। हालांकि, अभी तक उन्होंने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा नहीं दिया है। नीतीश कुमार इस्तीफा देते हैं तो बिहार में नई सरकार का गठन लाजमी हो जाएगा। नया सीएम कौन होगा इस पर मंथन जारी है। माना जा रहा है कि सरकार की कमान अब बीजेपी के हाथों में जाएगी। सीएम कौन बनेगा, यह अभी तय नहीं है। नई सरकार में नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार की अहम भूमिका हो सकती है। उन्हें डिप्टी सीएम बनाए जाने की चर्चा है।

सर्विस कंफर्मेशन के नाम पर 70 हजार की घूस मांगी, भागलपुर एसडीओ के स्टोनो और क्लर्क को निगरानी ने दबोचा

भागलपुर. भागलपुर के अनुमंडल पदाधिकारी कार्यालय के क्लर्क और स्टेनो को निगरानी ने सोमवार को कार्यालय से गिरफ्तार किया। आरोपित कर्मियों पर आरोप है कि नाथनगर में पदस्थ मार्केटिंग ऑफिसर (एमओ) अभिजीत कुमार से सेवा संपुष्टि के आवेदन पर दस्तखत करने के नाम पर 70 हजार रुपए की मांग की गई थी। पीड़ित मार्केटिंग ऑफिसर ने इसकी शिकायत पटना स्थित निगरानी शाखा में कर दी। शिकायत की जांच सही पाए जाने पर दोनों कर्मियों को ट्रैप किया गया और 70 हजार रुपए नकद लेते हुए मयंक कुमार को गिरफ्तार किया गया। दरअसल नाथनगर आपूर्ति कार्यालय में पदस्थापित अभिजीत कुमार से उनकी सेवा संपुष्टि (सर्विस कंफर्मेशन) के एवज में सत्तर हजार रुपए की मांग की गई थी। कई बार अनुरोध करने के बावजूद लिपिक मयंक कुमार और स्टेनो प्रेम कुमार बिना पैसे काम करने को तैयार नहीं हुए, जिसके बाद पीड़ित ने पटना स्थित निगरानी विभाग में लिखित शिकायत दर्ज कराई।

स्टोनो और क्लर्क गिरफ्तार

शिकायत के सत्यापन के बाद निगरानी ने जाल बिछाया। पटना से डीएसपी विद्यांचल प्रसाद के नेतृत्व में 9 सदस्यीय विशेष टीम भागलपुर पहुंची। जैसे ही अभिजीत कुमार रिश्वत की राशि लेकर एसडीओ कार्यालय पहुंचे, स्टेनो प्रेम कुमार ने उन्हें पैसे लिपिक मयंक कुमार को देने का इशारा किया। पैसे का लेनदेन होते ही सादे लिबास में तैनात निगरानी टीम ने दोनों को रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तारी के बाद निगरानी विभाग की टीम ने कागजी कार्रवाई पूरी कर मयंक कुमार और प्रेम कुमार को हिरासत में लेकर पटना चली गई। उन्हें पटना स्थित निगरानी न्यायालय में पेश किया जाएगा, जहां आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मयंक ने निगरानी को बताया कि उन्हें स्टेनो प्रेम कुमार ने पैसे रखने के लिए दिया था। किस उद्देश्य से प्रेम कुमार ने एमओ से पैसे लिए थे, वे नहीं बता सकते। दोनों कर्मियों की गिरफ्तारी के बाद निगरानी के डीएसपी ने एसडीओ के चैंबर में जाकर सारे मामले की जानकारी दी और गिरफ्तार कर्मियों को निगरानी थाना ले जाने की मंजूरी ली। डीएसपी ने एसडीओ को बताया कि वे पुनः आरोपितों को भागलपुर स्थित निगरानी अदालत में पेश करने के लिए लेकर आयेंगे। इसके बाद गिरफ्तारी की लिखित जानकारी दी जाएगी। इससे पहले निगरानी ने मुजफ्फरपुर के डीएओ और एक दारोगा को घूस लेते दबोचा था। एसआई ने एक केस में मदद के नाम पर पीड़ित से घूस मांगी थी।

बीए फर्स्ट इयर स्टूडेंट ने फंदे से लटककर जान दी

सुपौल. सुपौल में सोमवार सुबह एक स्टूडेंट ने पंखे से लटककर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान प्रशांत कुमार उर्फ भानु (20) के रूप में हुई है। घटना जदिया थाना क्षेत्र अंतर्गत कोरियापट्टी पूरब पंचायत के वार्ड संख्या 4 में सोमवार सुबह करीब 11 बजे हुई। मृतक प्रशांत कुमार BA पार्ट-वन का छात्र था। परिजनों के अनुसार, वह पढ़ाई में तेज-तर्रार और शांत स्वभाव का युवक था। बताया जा रहा है कि कुछ दिनों से वह मानसिक तनाव में था। परिवार की आर्थिक स्थिति भी ठीक नहीं थी, जिससे वह चिंता में रहता था। मुखिया राजेश कुमार ने बताया कि प्रशांत का बड़ा भाई पांच दिन पहले एक सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गया था और उसका इलाज पटना के PMCH में चल रहा है। भाई की हालत और घर की आर्थिक परेशानियों को लेकर प्रशांत काफी चिंतित रहने लगा था। उसकी मां कोई आमदनी नहीं करती है, जिससे परिवार पर अतिरिक्त दबाव था।

घटना के दिन भी प्रशांत चिंतन की स्थिति में था। बताया जा रहा है कि सुबह उसने घर में ही मफलर के सहारे फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। उस समय परिवार के अन्य सदस्य अपने-अपने काम में लगे थे।

इंजीनियर ने रचाई दूसरी शादी, पहली पत्नी का हंगामा:हरियाणा से भागलपुर आई, पति बोला- अब तुम्हें साथ नहीं रखेंगे; पुलिस देख भागी दूसरी पत्नी

भागलपुर. भागलपुर में इंजीनियर ने पहली पत्नी को धोखा देकर दूसरी शादी कर ली। जब इसकी जानकारी पहली पत्नी को मिली, तो वह हरियाणा से भागलपुर स्थित अपने ससुराल पहुंच गई और हंगामा करने लगी। दूसरी शादी को लेकर जब महिला ने सवाल किया, तो पति ने साफ कह दिया- "अब तुम्हें साथ नहीं रखेंगे।" पहली पत्नी ने सास-ससुर पर मारपीट का भी आरोप लगाया। हंगामे की सूचना पर डायल-112 की टीम मौके पर पहुंची और मामले को शांत कराने की कोशिश की। इस बीच पुलिस के पहुंचते ही दूसरी पत्नी मौके से फरार हो गई। घटना सन्हौला थाना क्षेत्र की है। महिमा गोविंदपुर गांव निवासी अरविंद शर्मा का बेटा शंकर शर्मा (35) मैकेनिकल इंजीनियर हैं। 2018 में उसकी शादी नरेंद्र शर्मा की बेटी काजल शर्मा (27) से हुई थी। काजल का कहना है कि शादी में दहेज के तौर पर 4 लाख रुपए नकद, 3 लाख रुपए का चेक, सोना-चांदी के गहने और घरेलू सामान दिए गए थे। पहली पत्नी ने ये भी आरोप लगाया कि शादी के बाद से ही शंकर उसे प्रताड़ित करने लगे। उसे मारते पीटते थे। इंजीनियर शंकर की पोस्टिंग हरियाणा के गुरुग्राम में थी, जहां उनकी पत्नी काजल शर्मा भी उनके साथ रहती थीं। साल 2021 में वह नौकरी के सिलसिले में पत्नी के साथ पटना आ गए, जहां 2024 तक दोनों साथ रहे। इसी दौरान काजल एक पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए अपने पिता के गुरुग्राम स्थित घर चली गईं। इसके बाद शंकर ने अपना तबादला कराकर अप्रैल 2024 में हाजीपुर जॉइन कर लिया। बताया जा रहा है कि इसके बाद दोनों के बीच लगातार विवाद होने लगा। आरोप है कि 2025 में शंकर ने चोरी-छिपे किसी दूसरी लड़की से शादी कर ली, जिसकी जानकारी काजल शर्मा को हो गई। जब काजल ने इस बारे में पूछताछ की, तो शंकर ने साफ कह दिया- "अब तुम्हें साथ नहीं रखेंगे।" काजल शर्मा ने बताया कि उसके पति शंकर शर्मा ने सन्हौला क्षेत्र की रहने वाली निशा उर्फ नीतू नूतन से गुप्त रूप से विवाह कर लिया था। रामनवमी के दिन वह दूसरी पत्नी को अपने घर भी लेकर आए थे। इसकी जानकारी मिलने के बाद काजल हरियाणा से भागलपुर स्थित अपने ससुराल गोविंदपुर पहुंची। वहां पहुंचते ही ससुर अरविंद शर्मा, सास अनीता देवी और अन्य परिजनों ने उसके और उसकी मां के साथ मारपीट की। काजल के मुताबिक, पुलिस जब घर आई तो इसी दौरान निशा उर्फ नीतू नूतन घर से फरार हो गई। घटना के बाद काजल शर्मा ने सन्हौला थाना में अपने पति शंकर शर्मा, ससुर अरविंद शर्मा और सास अनीता देवी के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने आरोप लगाया है कि शादी के बाद से ही उन्हें दहेज के लिए प्रताड़ित किया जा रहा था। काजल का कहना है कि उनके रहते हुए ही पति ने दूसरी शादी कर ली और अब उन्हें साथ रखने से इनकार कर रहा है।

मुजफ्फरपुर में गिट्टी-बालू कारोबारी को भूना, बड़े बकाए के विवाद में दिनदहाड़े हत्या से सनसनी

मुजफ्फरपुर . बिहार के मुजफ्फरपुर में बदमाशों ने एक कारोबारी को गोलियों से भून दिया। अहियापुर थाना के बाड़ाजगन्नाथ चौक पर सोमवार की दोपहर करीब सवा बजे बाइक सवार अपराधियों में गिट्टी बालू व्यवसाय प्रभाकर सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी। वह परिवार के समेत बड़ा जगन्नाथ में इंदिरा नर्सिंग होम के पास रहते थे। मूल रूप से गायघाट के बेरुआ गांव के निवासी हैं। अपराधियों ने उन्हें चार गोलियां मारीं। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए एसकेएमसीएच भेज दिया है। इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से हत्यारों की पहचान की जा रही है। एसएसपी कांतेश मिश्रा खुद छानबीन की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। जानकारी के मुताबिक सोमवार को दिन में प्रभाकर सिंह अहियापुर चौक की ओर से बाड़ा जगन्नाथ की ओर आ रहे थे। पीछा करके अपराधियों ने बड़ा जगन्नाथ चौक पर हनुमान मंदिर के पास चलती बाइक पर ही उन्हें गोली मारी। तड़ातड़ चार गोलियां अपराधियों ने फायरिंग की। जिसमें तीन गोली प्रभाकर सिंह के पीठ और सीने में लगी। वह मंदिर के पास ही बाइक समेत सड़क पर गिर गए। स्थानीय लोगों ने उन्हें बैरिया स्थित अस्पताल पहुंचाया। बैरिया स्थित मां जानकी अस्पताल पहुंचने के बाद मृतकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। बड़ी संख्या में पुलिस घटना की छानबीन के लिए बड़ा जगन्नाथ पहुंचे। अपराधी गोली मारने के बाद बखरी की ओर फरार हो गया। सीटी एसपी गरहा और बखरी इलाके में ताबड़तोड़ छापेमारी और घेराबंदी कर रहे

हैं। पुलिस टीम सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। एक फुटेज में संदिग्ध हत्यारे प्रभाकर सिंह का पीछा करते दिख रहे हैं। बड़े बकाए के विवाद में गोली मारने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस उनके परिजनों और करीबियों से इस संबंध में जानकारी जुटा रही है। घटना से प्रभाकर सिंह के परिवार में कोहराम मच गया है।घटना से लोगों में आक्रोश है। इसे देखते हुए अहियापुर इलाके में पुलिस फोर्स की तैनाती कर दी गयी है। एसएसपी कांतेश कुमार मिश्रा समेत तमाम वरीय अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की छानबीन कर रहे हैं। उन्होंने कहा है कि जल्द ही बदमाशों को पकड़ लिया जाएगा। परिजनों से मामले में जानकारी ली जा रही है। मृतक के कारोबारी रिश्तों को भी खंगाला जा रहा है। उनके मोबाइल से अहम जानकारी मिल सकती है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से हथियार की जानकारी मिलेगी। मुजफ्फरपुर से निकलने वाली सड़कों पर नाकेबंदी कर दी गई है। बदमाशों की गिरफ्तारी के लिए इलाके में संदिग्ध स्थानों पर छापेमारी की जा रही है।

7 लड़कियों का रेस्क्यू, बोलीं-मालिक बैड टच करता-डांस कराता:सहरसा में हिरासत में जदयू नेता

सहरसा. सहरसा में जदयू नेता ओवेश करनी उर्फ चुन्ना मियां के ईंट भट्ठे से 7 नाबालिग लड़कियों का रेस्क्यू किया गया है। इन लड़कियों के परिजनों ने नेता पर डांस कराने और विरोध करने पर मारपीट और करंट का शॉक देने के आरोप लगाए हैं। परिवार वालों ने बेटियों के साथ बैड टच का भी आरोप लगाया है। पुलिस ने चुन्ना मियां को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। नाबालिग से डांस कराने का एक वीडियो भी सोमवार को सामने आया है। इसमें दिख रहा है चुन्ना मियां हाथ में सिगरेट लिए लड़की के लिए गाना बजाता है। इसके बाद उसे डांस करने के लिए इशारा करता है।

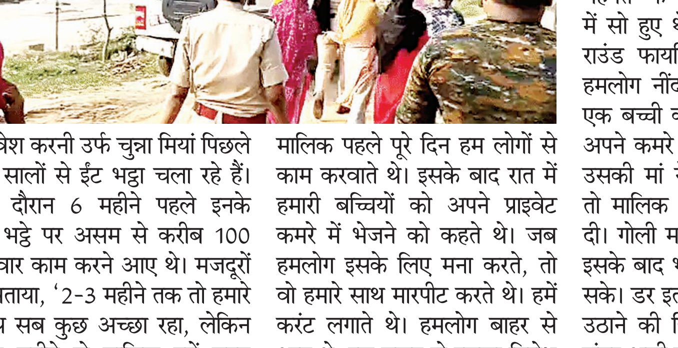

ओवेश करनी उर्फ चुन्ना मियां पिछले 15 सालों से ईंट भट्ठा चला रहे हैं। इस दौरान 6 महीने पहले इनके ईंट भट्ठे पर असम से करीब 100 परिवार काम करने आए थे। मजदूरों ने बताया, '2-3 महीने तक तो हमारे साथ सब कुछ अच्छा रहा, लेकिन कुछ महीने से मालिक हमें बहुत टॉर्चर करने लगे थे। मालिक पहले पूरे दिन हम लोगों से काम करवाते थे। इसके बाद रात में हमारी बच्चियों को अपने प्राइवेट कमरे में भेजने को कहते थे। जब हमलोग इसके लिए मना करते, तो वो हमारे साथ मारपीट करते थे। हमें करंट लगाते थे। हमलोग बाहर से आए थे, इस वजह से इसका विरोध नहीं कर पाए।'

मोहम्मद मकबुल बताते हैं, शनिवार की रात करीब 2 बजे की बात है। ज्यादातर मजदूर दिनभर की कड़ी मेहनत के बाद अपनी झोपड़ियों में सो हुए थे। तभी अचानक 5-6 राउंड फायरिंग की आवाज गूंजी। हमलोग नींद से जागे तो देखा कि एक बच्ची को भट्ठा मालिक जबरन अपने कमरे में ले जा रहा था। जब उसकी मां ने इसका विरोध किया, तो मालिक ने उस पर गोली चला दी। गोली महिला के जांघ में लगी। इसके बाद भी मजदूर कुछ नहीं कर सके। डर इतना था कि कोई आवाज उठाने की हिम्मत नहीं जुटा पाया। संवर अली बताते हैं कि वे असम से 100 से ज्यादा लोगों के साथ यहां मजदूरी करने आए थे। एक हजार ईंट बनाने पर 500 रुपए मिलते हैं, लेकिन काम के नाम पर टॉर्चर किया जाता है। अगर कोई बीमार हो जाए और काम पर न जाए, तो हाथ-पैर बांधकर रस्सी से ऊपर टांग देते हैं। करंट लगाया जाता है, मारपीट की जाती है। हमलोगों को जानवरों की तरह रखा जाता था।

मजदूरों का कहना है कि मालिक खुलेआम धमकी देता था, अगर थाने गए तो गोली मार देंगे, किसी को जिंदा नहीं छोड़ेंगे। मोहम्मद नासिर अली अहमद के आरोप और भी गंभीर हैं। उन्होंने बताया, हर रात 12 बजे 8 से 15 साल की बच्चियों को अपने कमरे में ले जाता था। उनसे जबरदस्ती करने की कोशिश होती थी और डांस करवाया जाता था। रात 3 बजे उन्हें वापस झोपड़ी में छोड़ दिया जाता था।

इस मामले का खुलासा तब हुआ जब एक महिला को गोली लगने की सूचना पुलिस को मिली। सहरसा DSP ओम प्रकाश के अनुसार, सूचना मिलने के बाद SIT टीम का गठन किया गया। डॉग स्क्वायड के साथ घटनास्थल की जांच की गई। वहीं, कई लड़कियों को रेस्क्यू कर थाने लाया गया है। उनका काउंसलिंग कराया जा रहा है। पुलिस का कहना है कि छेड़छाड़ और गलत व्यवहार की बात सामने आई है और हर पहलू पर जांच की जा रही है।

सम्पादकीय

कोयलांचल संवाद

रांची, मंगलवार, 31 मार्च, 2026 6

www.ksnewsupdates.com

इजरायल- ईरान युद्ध से वैश्विक आर्थिक महामंदी?

अमेरिका-इजराईल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध के कारण सारी दुनिया के देश आर्थिक महामंदी के शिकार होने जा रहे हैं। इस मंदी का बड़ा असर होने जा रहा है। जिसकी कल्पना कर पाना भी संभव नहीं है। एक माह से चल रहे, इस युद्ध के कारण कच्चे तेल और गैस की आपूर्ति वैश्विक स्तर पर प्रभावित हुई है। ईरान की हार्मोज में नाकाबंदी के बाद दुनिया के सभी देशों का संकट बढ़ता जा रहा है। महंगाई बढ़ रही है, ऊर्जा संकट का असर कारोबार और औद्योगिक उत्पादन पर पड़ रहा है, जिसके कारण बेरोजगारी भी तेजी के साथ बढ़ रही है। कच्चे तेल और गैस के दाम लगातार बढ़ने से सभी देशों की अर्थ व्यवस्था गड़बड़ा रही है। इसका असर सरकारों के राजस्व पर भी देखने को मिल रहा है। आम जनता महंगाई और बेरोजगारी से बुरी तरह से प्रभावित हो रही है। महंगाई के कारण आम लोग अपने जीवन की जरूरी चीजों को नहीं खरीद पा रहे हैं। भारत सरकार ने पहली बार अर्थव्यवस्था को लेकर अपनी चिंता जाहिर की है। यह माना जा रहा है, भारत सरकार को अपने बजट को संशोधित करना पड़ेगा। युद्ध खत्म होने के स्थान पर और भी तेज होता जा रहा है। दुनिया भर के देशों में इसका दुष्प्रभाव देखने को मिल रहा है। कच्चे तेल की सप्लाई घटकर मात्र 10 फ़ीसद रह गई है। जिसके कारण सारी व्यवस्था वैश्विक स्तर पर गड़बडा गई है। सारी दुनिया के देशों की आर्थिक स्थिति आउट ऑफ कंट्रोल हो रही हैं। इसका असर शेयर बाजार और बैंकिंग व्यवस्था पर भी देखने को मिलने लगा है। शहरों की स्थिति सबसे ज्यादा खराब है। पेट्रोल, डीजल, गैस और बिजली संकट का असर सभी क्षेत्रों पर पड़ रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजराईल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू के सिर में जिस तरह से युद्ध का पागलपन सवार है, इसका असर सारी दुनिया के देशों पर पड़ रहा है। डोनाल्ड ट्रंप ने दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के साथ ही टैरिफ-वार के माध्यम से सारी दुनिया के देशों में हड़कंप मचाया। जिसका असर महंगाई और अर्थव्यवस्था पर पड़ा। ट्रंप की नीतियों के कारण अमेरिका में भी महंगाई और बेरोजगारी तेजी के साथ बढ़ी है। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ 3300 से ज्यादा स्थानों पर प्रदर्शन हो रहा है। करीब 90 लाख लोग सड़कों पर उतर आए हैं। अमेरिका की जनता ट्रंप से नाराज है। डोनाल्ड ट्रंप की पार्टी के सांसद भी नाराज हैं। इसके बाद भी डोनाल्ड ट्रंप जिस तरह से युद्ध को भड़का रहे हैं, रोजाना तरह-तरह के बयान दे रहे हैं, उसके बाद सारी दुनिया में उन्हें एक साइको और पागल नेता के रूप में देख रही है। ट्रंप के अहंकार से स्थितियां और भी विकराल होती जा रही हैं। इस युद्ध में जिस तरह से अमेरिका के खिलाफ रूस, चीन, ईरान, उत्तर कोरिया सहित सैकड़ों देश अमेरिका के विरोध में खड़े हो गए हैं। उत्तर कोरिया ने अमेरिका तक मार करने वाली मिसाइल इंजन का सफल परीक्षण कर लिया है। सभी देशों में युद्ध का असर पड़ रहा है।

डॉलर मुद्रा को वैश्विक स्तर पर चुनौती मिल रही है। पिछले एक माह से सारी दुनिया के देशों में माल की आवाजाही प्रभावित हुई है। कई देशों में खाद्य-संकट देखने को मिल रहा है। दुनिया का सबसे ताकतवर देश अमेरिका इस समय अंतर्राष्ट्रीय और आंतरिक दृष्टि से सबसे कमजोर नजर आ रहा है। अमेरिका और इजराईल ने सैन्य उपकरणों और सैन्य व्यवस्था को लेकर, दुनिया के देशों के सामने जो हौआ खड़ा करके दादागिरी करते थे, ईरान युद्ध में उनका पर्दाफाश हो गया है। अमेरिका और इजराईल के महंगे सैन्य उपकरण और सुरक्षा व्यवस्था को ईरान ने तबाह कर दिया है। ईरान ने उन सभी दावों को चुनौती देते हुए जिस तरह से इजराईल और अरब देशों के अमेरिकी सैन्य अड्डों को ध्वस्त किया है, उसके बाद अमेरिका और इजराईल की जो दादागिरी थी, वह एक तरह से खत्म होने के कगार पर खड़ी है। जो देश इस युद्ध में शामिल नहीं है, उन्हें भी कई मोर्चे में संघर्ष करना पड़ रहा है। उन देशों में भी महंगाई- बेरोजगारी के साथ आर्थिक संकट बढ़ रहा है। अर्थव्यवस्था का संकट वैश्विक स्तर पर जिस तरह से देखने को मिल रहा है, आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि जल्द ही वैश्विक स्तर पर महामंदी फैलने का खतरा बन गया है। दुनिया के देशों में आर्थिक मंदी के कारण अर्थ व्यवस्था का वर्तमान स्वरूप पूरी तरह से छिन्न-भिन्न हो जाएगा। वैश्विक व्यापार संधि के बाद दुनिया के देशों में जिस तरह से विकास, बाजारवाद एवं कर्ज के माध्यम से आर्थिक विकास हुआ था, उसके कारण वर्तमान स्थिति में सभी देशों के ऊपर भारी कर्ज है। सभी देशों की अर्थ व्यवस्था में बड़ा दबाव है। रही-सही कसर इस युद्ध ने पूरी कर दी है। 1 माह में सभी दुनिया के देशों को ऊर्जा संकट और व्यापारिक गतिविधियों को जो नुकसान हो रहा है, उसकी भरपाई जल्द संभव नहीं होगी। युद्ध जल्दी ही बंद नहीं हुआ, तो इसके भीषण परिणामों की कल्पना नहीं की जा सकती है। इससे सारी दुनिया के देशों की चिंता बढ़ती चली जा रही है। सारी दुनिया के देशों में महंगाई, बेरोजगारी और सामानों की उपलब्धता को लेकर अराजकता का माहौल बन रहा है। आर्थिक विशेषज्ञों का कहना है, सामाजिक विकास में आर्थिक व्यवस्था का सबसे बड़ा योगदान होता है। पिछले 30 वर्षों में जिस तरह से बाजारवाद का असर सारी दुनिया के देशों में हुआ है। कर्ज की अर्थव्यवस्था सारी दुनिया के देशों में फैली है। इसका बुरा असर जल्द ही सारी दुनिया को आर्थिक महामंदी के रूप में देखने को मिल सकता है।

बचपन बचाओ मुहिम के फ़रिश्ते, भीख मांगने वाले हाथो में सौंपा बस्ता !

वे नन्हे हाथ जो कभी भीख के लिए उठते थे,अब उन्हीं हाथों में पेंसिल, कॉपी, किताब है और कंधे पर लटका स्कूली बस्ता।इन बच्चों ने कभी सोचा भी नही होगा कि वे कभी स्कूल जा पाएंगे।लेकिन इन बच्चों की आंखों में बसा स्कूल जाने का सपना आखिर साकार हो ही गया।दिल्ली के आठ युवकों के पास इतना पैसा था कि वे अपने शौक पूरे कर सकते थे, लेकिन उन्होंने भीख मांगने वाले बच्चों की मदद करने की ठानी। दिल्ली के आठ युवाओं ने भीख मांगने वाले बच्चों में शिक्षा की अलख जगाई है। दिल्ली की व्यवस्तम सड़कों के किनारे आम तौर पर भीख मांगते बच्चे दिखते है। इन युवाओं ने इन भीख मांगने वाले बच्चों को साक्षर बनाने का बीड़ा उठाया। चार्टर्ड एकाउंटेंट की पढ़ाई पूरी कर चुके कुंदन अब अपना समय ऐसे बच्चों को शिक्षित करने के लिए देते हैं।उनके इस अभियान में जय सिंह, साहिल, विनीत, मनीष और विवेक भी शामिल हैं।ये अपनी जिंदगी के अहम क्षण ऐसे बच्चों को दे रहे हैं जिनका भविष्य अंधियारे में था। पहली बार सन 2015 में दिल्ली के कनॉट प्लेस में जब इन युवकों का सामना भीख मांगने वाले बच्चों से सामना हुआ तो उन्होंने बच्चों को शिक्षित, जागरुक और आत्मनिर्भर बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया। दिल्ली कनॉट प्लेस के पालिका बाजार के ऊपर बने पार्क में उन्होंने सड़क पर रहने वाले बच्चों को मुफ्त शिक्षा देना शुरू किया।इन युवकों ने सेव चाइल्ड बेगर नाम की संस्था की स्थापना भी की।कुंदन के शब्दों में, 'शुरुआत में हमने बच्चों को भीख मांगने से मना नहीं किया, हमने उनकी स्थिति और उन्हें स्वीकार किया, हमने उन्हें शिक्षित और उनके अंदर स्किल डेवलपमेंट करने के बारे में सोचा।जब हम उनके बीच में बैठते तो बच्चे बहुत ही आम सवाल करते जैसे कि आप पेन लेफ्ट पॉकेट में क्यों रखते हो, क्या आप अपना रुमाल रोज धोते हो, ये छोटी-छोटी बातें हमें तो पता है लेकिन सड़क किनारे रहने वाले बच्चों को ये जानकारी नहीं है और ना ही उन्हें किसी ने बताने की कोशिश की।

इन युवाओं ने बच्चों के अभिभावक बनकर उन्हें अच्छा और बुरा बताया, क्या सही है और क्या गलत है उन्हें समझाया, नशे की लत अगर किसी बच्चे में है तो उसका नशा खत्म कराने की ओर उसे प्रेरित किया।सन 2015 में कुछ बच्चों से शुरू हुआ अभियान सेव चाइल्ड बेगर अब दिल्ली के 12 केंद्रों तक फैल गया है, इनका फोकस बच्चों को भीख मांगने की प्रवृत्ति से बचाने के साथ साथ नशे की लत से भी बचाना है।

इस अभियान से जुड़े जय सिंह के शब्दों में, हमारा मुख्य उद्देश्य है बच्चों को भीख मांगने से रोकना और उन्हें शिक्षित कर स्कूल तक पहुंचाना है। कई बच्चों में नशे की लत होती है उन बच्चों को नशे की लत से बाहर लाना एक बड़ी चुनौती होती है। ऐसे में उन्हें हम मेडिकल सुविधा दिलाते हैं और उनकी काउंसलिंग कर उन्हें नशे के नकारात्मक प्रभावों के बारे में बताते हैं और नशे को छोड़ने के लिए प्रेरित करते हैं।"

आज सेव चाइल्ड बेगर दिल्ली के 12 केंद्रों पर दो हजार से अधिक बच्चों को मुफ्त शिक्षा दे रही है। उन्हें सरकारी स्कूल में दाखिला कराना हो या अस्पताल में इलाज कराना ये युवा किसी भी काम से पीछे नहीं हटते।ऐसी एक और शख्सियत है अनुराधा भोंसले जिन्होंने हजारों बच्चों को बाल श्रम से आजादी दिलाई है और वे लगातार इस मिशन से जुड़ी हैं। अनुराधा ने बताया कि उनका मिशन है कि वह देशभर में बाल श्रम का शिकार हो रहे 70 हजार से ज्यादा बच्चों को उनके हक का बचपन दिला सकें।

इजरायल-ईरान संघर्ष भारत की नीति कितनी सामयिक, प्रासंगिकता एवं प्रभावी?

> वर्ष 2025 में ट्रंप के दूसरी बार राष्ट्रपति चुने जाने के बाद से ही प्रधानमंत्री मोदी के ट्रंप के दबाव में आने से गुटनिरपेक्ष नीति को अगवा करने वाले भारत की विदेश नीति की दिशा बदलने से वह भारतीय हितों को प्रभावी रूप से साध नहीं पा रही है। यह किस दबाव में? अलग विषय है। लेकिन निश्चित रूप से 15 महीने के ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में ट्रंप के भारत व मोदी के संबंध में विभिन्न मुद्दों पर दिये गये बयानों के अवलोकन से स्पष्ट है कि ट्रंप भारत पर टर्म डिक्टेट कर रहा है। लगभग हर बार ट्रंप ने भारत की संप्रभुता, सार्वभौमिकता पर आक्रमण कर अपमानित, निम्नतर करने की लगातार कोशिश की है। इससे जहां हम विश्व गुरु बनने की बात कर रहे थे, वहां हमारी एक सार्वभौमिक मजबूत राष्ट्र की छाप पर बड़ा धक्का लगा है।

राजीव खंडेलवाल

मध्य-पूर्व एक बार फिर वैश्विक अस्थिरता के केंद्र में है। ओमान की मध्यस्थता में अमेरिका और ईरान के बीच परमाणु कार्यक्रम पर चल रही बातचीत निर्णायक चरण में पहुँचती दिख रही थी। जैसा 26 फरवरी को ओमान के विदेश मंत्री द्वारा "महत्वपूर्ण प्रगति" की बात कही गई थी। तब अचानक 28 फरवरी को अमेरिका द्वारा ईरान पर की गई सैन्य कार्रवाई ने पूरे समीकरण को ही बदल दिया। इसे "ऑपरेशन एपिक फ्यूरी" कहा गया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उक्त ऑपरेशन का उद्देश्य ईरान के परमाणु मिसाइल कार्यक्रम को निष्क्रिय करना, क्षेत्रीय प्रभाव को सीमित करना तथा तथाकथित "प्रतिरोध नेटवर्क" को कमजोर करना बताया। मीडिया में दावा किया गया कि यह सैन्य कार्रवाई अमेरिका ने ट्रंप के दामाद जेरेड कुश्नर जो ट्रंप प्रशासन में विशेष शांति दूत की भूमिका में है, विदेश मंत्री व रक्षा मंत्री की सलाह पर इजरायल के कहने से की गई। परन्तु लगभग 27 दिनों के संघर्ष के बाद भी कोई भी लक्ष्य की स्पष्ट प्राप्ति नहीं हो सकी है। उलटे, अमेरिका द्वारा अनावश्यक लादे गए इस युद्ध ने विश्व को एक ऐसे संकट के मुहाने पर ला खड़ा किया है, जहाँ से निकलने का मार्ग अभी धुंधला दिखाई देता है।

इस युद्ध की एक उल्लेखनीय विशेषता यह रही कि ईरान ने प्रत्यक्ष आक्रामकता के बजाय रक्षात्मक प्रतिरोध का उद्देश्य सामने रखकर "प्रतिक्रियात्मक रणनीति" अपनाई। ईरान ने पहले हमला करने से परहेज किया और हर सैन्य आक्रमण कार्रवाई का प्रत्युत्तर उसी अनुपात में देने की नीति अपनाई। उसने युद्ध को पूर्ण विस्तार लेने से कुछ हद तक रोके रखा। ट्रंप से मिली हमलों की धमकियों के मामले में भी ईरान ने यही नीति अपनाई।

सैन्य संघर्ष का प्रभाव केवल क्षेत्रीय स्तर तक सीमित न रहकर वैश्विक स्तर पर होकर फैल रहा है। कच्चे तेल और एलपीजी की आपूर्ति पर दबाव, होर्मुज जलडमरूमध्य से समुद्री यातायात में बाधा, वैश्विक महंगाई में संभावित वृद्धि, आपूर्ति श्रृंखलाओं में अस्थिरता, भारत सहित अधिकांश देश इस प्रभाव व दुष्परिणाम से अछूते नहीं हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी संसद में स्वीकारा यह संघर्ष वैश्विक अर्थव्यवस्था और ऊर्जा सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती है। भारत के संबंध अमेरिका, इजरायल, और ईरान तीनों से ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण व अच्छे रहे हैं। खासकर प्रधानमंत्री मोदी के जमाने में इजराइल व अमेरिका से प्रगाढ़ व प्रेसीडेंट ट्रंप से बेहद व्यक्तिगत संबंध स्थापित हुए हैं, जिसने रूस-भारत संबंध को भी एक कदम पीछे छोड़ दिया। प्रधानमंत्री मोदी जब पिछली बार वर्ष 2016 में ईरान गये थे, तब उन्होंने यह कहा था कि दोनों देशों की दोस्ती नई नहीं है, बल्कि इतिहास जितनी पुरानी हैं। भारत के व्यापारिक फायदे के लिए चाबहार बंदरगाह विकास, व्यापार-परिवहन ट्रांजिट समझौते हुए। रणनीतिक स्वायत्तता का अभाव। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बार-बार डायलॉग और डिप्लोमेसी से शांति की कूटनीति अपनाने की अपील की है। यद्यपि इसके पीछे शायद उनकी सोच वहां रह रहे एक करोड़ से अधिक भारतीयों की सुरक्षा व उर्जा आपूर्ति रही है। आक्रमणकारी अमेरिका के ईरान पर किए हमले की प्रधानमंत्री ने आलोचना नहीं की, जो करनी चाहिए थी। खासकर तब, जब वे गल्फ देशों में स्थित अमेरिका के सैन्य अड्डों पर ईरान की बमबारी की आलोचना कर रहे है। तब मोदी निष्पक्ष नहीं दिख सके। स्पष्ट है, इस कारण वे देश के विपक्ष की आलोचनाओं का शिकार भी हुए प्रधानमंत्री का टीवी 09 समिट में दिया गया यह कथन कि भारत ने फैसले लेने का सार्मथ्य दिखाया है, स्वीकार योग्य नहीं है, क्योंकि वह तथ्यों के विपरीत है। वस्तुतः भारत की विदेश नीति में परंपरागत रूप से रणनीतिक स्वायत्तता पर आधारित रही है। परन्तु वर्तमान में इसका अभाव सा दिखता है। कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता पवन खेड़ा का पत्रकार वार्ता में भारत के चुने हुए लोकप्रिय प्रधानमंत्री मोदी का नाम लिए बिना साहब बीबी और गुलाम पोस्टर का इस्तेमाल कर उन्हें गुलाम कहना बेहद शर्मनाक है। इसे किसी भी रूप में कदापि स्वीकार नहीं किया जा सकता है। वास्तव में यह कांग्रेस की गुलामी की कार्यशैली की प्रवृत्ति का अवतरण है। इस कथन की सर्वत्र घोर निंदा की जानी चाहिए थी। पिछले 14 महीने से भारत को अमेरिका के प्रति नीति रणनीति स्वायत्तता के अभाव में चिंता का विषय।

वर्ष 2025 में ट्रंप के दूसरी बार राष्ट्रपति चुने जाने के बाद से ही प्रधानमंत्री मोदी के ट्रंप के दबाव में आने से गुटनिरपेक्ष नीति को अगवा करने वाले भारत की विदेश नीति की दिशा बदलने से वह भारतीय हितों को प्रभावी रूप से साध नहीं पा रही है। यह किस दबाव में? अलग विषय है। लेकिन निश्चित रूप से 15 महीने के ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में ट्रंप के भारत व मोदी के संबंध में विभिन्न मुद्दों पर दिये गये बयानों के अवलोकन से स्पष्ट है कि ट्रंप भारत पर टर्म डिक्टेट कर रहा है। लगभग हर बार ट्रंप ने भारत की संप्रभुता, सार्वभौमिकता पर आक्रमण कर अपमानित, निम्नतर करने की लगातार कोशिश की है। इससे जहां हम विश्व गुरु बनने की बात कर रहे थे, वहां हमारी एक सार्वभौमिक मजबूत राष्ट्र की छाप पर बड़ा धक्का लगा है। इसके परिणामों व दुष्प्रभावों का आगे हम अध्ययन करते हैं। 1. सबसे बड़ी भूल जो भारत की ओर से हुई, ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई पर प्रधानमंत्री, विदेश मंत्री द्वारा शोक व्यक्त न करना, जबकि पाकिस्तान ने किया। 5 दिन बाद ईरानी दूतावास जाकर भारत के विदेश मंत्री ने शोक संदेश लिखा। इसके पूर्व वर्ष 2024 में ईरान के राष्ट्रपति की मृत्यु हो जाने पर भारत सरकार ने एक दिन का राष्ट्रीय शोक रखा था।

2. लगभग 168 स्कूल के बच्चे अमेरिका-इजरायल द्वारा मौत के घाट उतारे जाने पर भारत द्वारा कोई आलोचना न करना, खेद जनक है। मात्र गहरी शोक संवेदना व्यक्त की। उक्त कृत्य अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानूनों का उल्लंघन भी है।

3. भारत को रूस से सस्ते दरों पर तेल मिल रहा था। लेकिन अमेरिका के दबाव के चलते शैनः शैनः क्रय बंद करना पडा। विश्व गुरु बनने के मिशन के चलते अमेरिका की परमिशन से रूस से फिर तेल खरीदना चालू किया। इसमे कोई शक नहीं है कि मोदी के माई फ्रेंड़, अबकी बार ट्रंप सरकार, कहकर जो घनिष्ठ संबंध बनाये थे, उसका फायदा भारत को नहीं मिला, बल्कि अमेरिका ने भारत को मानमर्दित कर एकतरफा नाजायज फायदा लिया। इससे हमारे रूस व ईरान से सौहार्द संबंधों को भी नुकसान पहुंचा।

4. हमारे यहां कहावत है न पुलिस की दोस्ती अच्छी न दुश्मनी। उसी प्रकार का कथन अमेरिका के बाबत कहा जाता है। अमेरिका की दोस्ती अच्छी नहीं, दुश्मनी और भी खराब। अमेरिका का दुश्मन होना खतरनाक है, लेकिन दोस्त होना जानलेवा है। वर्तमान में यह देखने को मिल रहा है। पहले भी वर्ष 1971 के बांग्लादेश युद्ध में हमने देखा, अमेरिका ने पाकिस्तान की सहायता के लिए सातवां बेड़ा भेजा था।

5. यद्यपि नरेन्द्र मोदी ईरान के राष्ट्रपति से बार बार बातचीत कर संबंधों को सुधारने का प्रयास कर रहे हैं, जिसकी अभी यह सुखद परिणाम आया है कि ईरान ने जिन पांच देशों को होर्मुज समुद्री में निर्बाध रास्ता दिया है जिसमें भारत भी शामिल है।

6. ईरान के संवैधानिक मान्यता प्राप्त पद सर्वोच्च नेता अली खामेनेई जो सिर्फ ईरान के ही नहीं बल्कि शिया संप्रदाय के विश्व के सर्वोच्च धार्मिक नेता हैं, की हत्या की भर्त्सना किए बिना, उन्हे श्रद्धांजलि दिये बिना, ईरान के घाव शायद ही भरें। बल्कि कहीं न कहीं बातचीत में वे घाव हरे हो जाते है। भारतीय संस्कृति के झंडाबरदार मोदी ऐसा मानवीय कदम क्यों नहीं उठा पा रहे हैं, समझ से परे है, जो उन्हें करना चाहिए था।

कुमाऊँ की विशिष्ट परंपरा है 'भिटौली'

> वसंत के आते ही माता-पिता और भाई को अपनी ब्याहता बेटी- बहन की याद और अधिक सताने लगती थी, सो,अपनी बेटी-बहन से भेंट कर कुशल-क्षेम जानने और उन्हें सम्मानित करने के निमित्त भिटौली नामक परंपरा ने जन्म लिया। चैत्र मास में पहाड़ में आमतौर पर मांगलिक कार्य नहीं होते हैं,लेकिन पहाड़ में इसे भिटौली का महीना माना जाता है। कुमाऊँ में इस महीने विवाहिता बेटी-बहनों को भिटौली देने की प्राचीन परंपरा है। भिटौली यानी उपहारों के साथ भेंट-मुलाकात, मान-सम्मान और इस बहाने बेटी-बहन की आशल - कुशल जानने की तीव्र जिज्ञासा। भाई या पिता भिटौली देने के लिए बेटी-बहन के ससुराल जाते हैं।

प्रयाग पाण्डे

कुमाऊँ अंचल की सामाजिक परंपराएं, रीति-रिवाज और मान्यताएं विशिष्ट हैं। यहाँ के लोक जीवन में प्रकृति का गहरा प्रभाव है। यहाँ की अधिकांश परंपराएं और रीति - रिवाज प्रकृति पर आधारित हैं। कुमाऊँ में ऋतु के अनुसार लोक पर्व मनाए जाते हैं। यहाँ विभिन्न ऋतुओं में अलग-अलग लोक पर्व मनाने की परंपरा है। वसंत ऋतु को ऋतुराज कहा जाता है। वसंत ऋतु का आगमन ठंड के मौसम के विदा होने का सूचक है। वसंत ऋतु में प्रकृति का सौंदर्य निखर जाता है। प्रकृति में नवचेतना जागृत हो जाती है। संपूर्ण वातावरण में उल्लास भर जाता है। ठंड के मौसम में हरियाली विहीन हो गए पेड़-पौधों में कोंपल, हरियाली और गुलाबीपन की छटाएं दृष्टिगोचर होने लगती हैं। संपूर्ण प्रकृति में यौवन की बहार फूटने लगती है। कुदरत के चारों ओर खुशियां बिखर जाती हैं। सरसों फूलने लगती है। रस भरे काफल के फलने की प्रक्रिया शुरू हो जाती है। बुराँस के फूल अपनी मनमोहक छटा बिखरने को आतुर हैं। पेड़-पौधे बहुरंगी फूल-फलों से लद गए हैं तो समझिए कि वसंत ऋतु आ गई है। कुमाऊँ की लोक संस्कृति में वसंत माने देवी की प्रतिमूर्ति समझी जाने वाली बेटी- बहनों को मान- सम्मान देने का मौसम।

प्रकृति के इस नवयौवन को देख मानव मन भी हर्ष और उल्लास से भर जाता है। हर्षोल्लास की इस ऋतु में मानव को अपने प्रियजनों की याद सताने लगती है। विशेष अवसरों, तीज-त्यौहारों में अपने प्रियजनों की याद सबको सताती है, लेकिन वसंत भूली- बिसरी यादों को यकायक ताजा कर देता है। वसंत ऋतु में अपने प्रियजनों से भेंट करने की तीव्र इच्छा जागृत हो उठती है। भेंट करने की आकांक्षा को पूर्ण करने के लिए वसंत ऋतु में कुमाऊँ अंचल में अत्यंत आत्मीय और भावुक कर देने वाली परंपरा का निर्वहन किया जाता है, जिसे भिटौली कहते हैं। बसंत का सुआगमन होते बुराँश और सरसों सहित नाना प्रकार के फल-फूल लिखने लगें, कपुवा के साथ ही अन्य पंछियों के सुमधुर स्वर सुनाई दें और प्रकृति के चारों ओर उल्लास का वातावरण हो तो समझिए कि कुमाऊँ में भिटौली का महीना आ गया है। भिटौली का महीना यानी चैत्र के आते ही ब्याहता बेटी- बहिनें ससुराल में अपने पिता और भाइयों की प्रतीक्षा करने लगती हैं। पहले के जमाने में पहाड़ में बाल्यावस्था में ही बच्चियों की शादी कर दी जाती थी। उस दौर में पहाड़ में यातायात और संचार के कोई साधन नहीं थे। अपनी बेटी -बहन से भेंट- मुलाकात बमुश्किल हो पाती थी। माता-पिता और भाई को सदैव अपनी बेटी-बहन की याद सताती रहती थी। वसंत के आते ही माता-पिता और भाई को अपनी ब्याहता बेटी- बहन की याद और अधिक सताने लगती थी, सो,अपनी बेटी-बहन से भेंट कर कुशल-क्षेम जानने और उन्हें सम्मानित करने के निमित्त भिटौली नामक परंपरा ने जन्म लिया। चैत्र मास में पहाड़ में आमतौर पर मांगलिक कार्य नहीं होते हैं,लेकिन पहाड़ में इसे भिटौली का महीना माना जाता है। कुमाऊँ में इस महीने विवाहिता बेटी-बहनों को भिटौली देने की प्राचीन परंपरा है। भिटौली यानी उपहारों के साथ भेंट-मुलाकात, मान- सम्मान और इस बहाने बेटी-बहन की आशल - कुशल जानने की तीव्र जिज्ञासा। भाई या पिता भिटौली देने के लिए बेटी-बहन के ससुराल जाते हैं। पहले से भिटौली की एक टोकरी ले जाई जाती थी, जिसे स्थानीय भाषा में छापरी कहते हैं। भिटौली में अपनी प्यारी बिटिया-बहन को वस्त्र, सामर्थ्यानुसार विभिन्न प्रकार के स्थानीय पकवान, मिठाई और नगदी भेंट दिए जाने की परंपरा है। मायके से भिटौली के रूप में आए पकवानों और मिष्ठान को बेटी- बहनें अपने ससुराल में वितरित करतीं थीं। चैत्र मास प्रारंभ होते ही विवाहिता बेटी -बहनें भिटौली की बेसब्री से प्रतीक्षा करने लगती हैं।भाइयों वाली बहनें अपनी भाई की राह जोहती हैं कि वह भिटौली लेकर आता ही होगा। जिनके भाई नहीं होते वे उदास होती हैं। भिटौली को लेकर कुमाऊँ के अनगिनत मर्मस्पर्शी लोक गीत रचे गए हैं, जो भिटौली परंपरा की तत्कालीन महत्ता को अभिव्यक्त करते हैः-

चैत बैशाग भिटाइ मैनाँ,
भेटि औ भाया चाइ रौली बैना।

अर्थात- चैत और वैशाख बहिनों को भिटौली देने का महीना है। हे भाई, तुम बहन से भेंट कर आओ,वह राह देखती होगी।

उधर बहन भी भाई के आने की प्रतीक्षा में है,उसे घुघुती पक्षी की कुहुक भी कचोटती हैः-

ए नि बासा घुघूती रून झुन,
म्यारा मैता का देसा रुन झुन,
मेरी ईजु सुणौली रुन झुन,
मैं चानै रै गयूं वीके बाट।

अर्थातः- ए घुघूती (पहाड़ में पाए जाने वाला एक खूबसूरत पक्षी) तू ऐसे उदास स्वर में मत कुहुक, मेरे मायके के क्षेत्र में ऐसे उदास स्वर में मत कुहुक, मेरी माँ उदास हो जाएगी,मैं अपने भाई की राह देखती थक गई,लेकिन वह नहीं आया। ब्याहता बहन अपने भाई से भेंट और भिटौली के लिए इतनी व्याकुल हो उठती है कि उसे स्वप्न में भी अपना भाई आते दीखता हैः-

रितु ऐ गे रणा मणी, रितु ऐ रैणा।
डाली में कफुवा वासो, खेत फुली दैणा।
कावा जो कणाण, आजि रते वयांण।
खुट को तल मेरी आज जो खजांण,
इजु मेरी भाई भेजली भिटौली दीणा।
रितु ऐ गे रणा मणी,रितु ऐ रैणा।
वीको बाटो मैं चैंरुलो।
दिन भरी देली में भै रुंलो।
बैली रात देखछ मैं लै स्वीणा।
आँगन बटी कुनै ऊँनौछीयो
कां हुनेली हो मेरी वैणा ?
रितु रैणा,ऐ गे रितु रैणा।
रितु ऐ गे रणा मणी, रितु ऐ रैणा।।

भावार्थ :- रुन झुन करती ऋतु आ गई है।ऋतु आ गई है रुन झुन करती।
डाल पर कफुवा पक्षी कुंजने लगा।
खेतों मे सरसों फूलने लगी।
रुन झुन करती ऋतु आ गई है।
ऋतु आ गई है रुन झुन करती।
मैं अपने भाई की राह देखती रहूँगी।
दिन भर दरवाजे में बैठी उसकी प्रतीक्षा करुँगी।
कल रात मैंने स्वप्न देखा था।
मेरा भाई आंगन से ही यह कहता आ रहा था -
कहाँ होगी मेरी बहिन ?
रुन झुन करती ऋतु आ गई है।
ऋतु आ गई है रुन झुन करती।।

आज समूचा संसार अत्याधुनिक युग में प्रवेश कर चुका है। यातायात और संचार सुविधाओं में अकल्पनीय प्रगति हो गई है। इस सबके बावजूद तीज-त्यौहारों और लोक परंपराओं का महत्व और प्रासंगिकता आज भी पूर्ववत बनी हुई है। तीज-त्यौहार और समृद्ध लोक परंपराएं ही मानव को उसकी जड़ों से जोड़ती हैं,जैसे- भिटौली। हर साल ऋतु लौट कर आती है, भिटौली के बहाने प्रियजन एक-दूसरे से मिलते हैं।

इच्छा का लक्ष्य है खुशी

बुरी आदत को छोड़ने की असमर्थता तुम्हें तकलीफ देती है। जब तुम बहुत पीड़ित होते हो, वह व्यथा तुम्हें उस आदत से छुटकारा दिलाती है। जब तुम अपनी कमियों से व्यथा महसूस करते हो, तब तुम साधक हो। पीड़ा तुम्हें आसक्ति से दूर करती है। यदि अपने दुर्गुणों को हटा नहीं सकते, तो उन्हें विस्तृत कर दो। चिन्ता, अभिमान, प्रोध, कामना, दुख सबको एक और बड़ा आयाम दे दो, एक दूसरी दिशा। छोटे-छोटे विषयों पर नाराज होने का क्या तुक है? नाराज होना है तो अनन्तता के प्रति, ब्रह्म के प्रति हो। यदि तुम अपने अहंकार को नहीं खत्म कर सकते तो अहंकार करो कि ईश्वर तुम्हारे हैं। यदि आसक्ति तुम पर छाई है, तो सत्य के प्रति आसक्त हो जाओ। यदि ईर्श्या तुम्हें सताती है, तो सेवा के लिए ईर्श्या करो। द्वेष के प्रति द्वेष रखो; गुरु से राग करो। दिव्यता के प्रति मदहोश हो जाओ। इन्द्रिय सुखों की इच्छाएं विद्युत की तरह हैं; जैसे-जैसे वे विषय विस्तुओं की ओर बढ़ती है, निष्प्रभावी हो जाती हैं। अपनी कुशलता से यदि तुम इच्छाओं को अपने भीतर मोड़ सको- अपने अस्तित्व के केन्द्र की ओर- तो तुम्हें मिलेगा एक और आयाम- चिरन्तन सुख, रोमांच, परमानन्द और शात प्रेम। वासना, लोभ और ईर्ष्या इसलिए शक्तिशाली हैं क्योंकि ये केवल ऊर्जा हैं और तुम ही इनके स्रेत हो- वह विशुद्ध ऊर्जा। निष्ठा और भक्ति तुम्हारी ऊर्जा को शुद्ध बनाए रखती हैं, तुम्हें उन्नत करती हैं। जब तुम यह समझ लेते हो कि तुम स्वयं ही सुख की विद्युत धारा हो, तुम्हारी लालसाएं घटने लगती हैं और प्रशांति आती है। मृत्यु निश्चित है - यह याद रखने से तुम वर्तमान क्षण में सजीव रहते हो, राग और द्वेष से मुक्त। इच्छा खुशी को खत्म करती है, लेकिन सभी इच्छाओं का लक्ष्य है खुशी। जब भी जीवन से खुशी गायब होने लगे, भीतर गहराई में झांककर देखो- तुम पाओगे यह इच्छा के कारण हो रहा है। लेकिन हमारी इच्छा ही केवल खुशी है। कोई जीव आज तक पैदा नहीं हुआ जिसे दुःख की चाह हो- न ऐसा पहले कभी हुआ है, न भविष्य में होगा। जब तुम्हारा छोटा मन इधर-उधर, जब जगह भागते-भागते थक जाता है, वह इस निष्कर्ष पर पहुंचता है, मेरी इच्छाओं ने मेरी खुशी छीन ली है।

अहिंसा, सत्य और अपरिग्रह के मार्गदर्शक महावीर जयंती 2026

(लेखक - संजय गोस्वामी)

महावीर जयंती 2026 मंगलवार, 31 मार्च, 2026 को मनाई जा रही है। यह त्योहार जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर की 2624वीं जयंती का प्रतीक है।भगवान महावीर जैन धर्म के चौबीसवें और आखिरी तीर्थंकर थे। जैन फिलॉसफी के अनुसार, सभी तीर्थंकर इंसान के रूप में पैदा हुए थे, लेकिन उन्होंने मेडिटेशन और सेल्फ-रियलाइज़ेशन के ज़रिए परफेक्शन या ज्ञान की स्थिति हासिल की। वे जैनियों के भगवान हैं। तीर्थंकरों को अरिहंत या जिन भी कहा जाता है। भगवान महावीर इस समय के जैन धर्म के चौबीसवें और आखिरी तीर्थंकर थे। जैन फिलॉसफी के अनुसार, सभी तीर्थंकर इंसान थे, लेकिन उन्होंने मेडिटेशन और सेल्फ-रियलाइज़ेशन के ज़रिए परफेक्शन या ज्ञान की स्थिति हासिल की। वे जैनियों के भगवान हैं। दुनिया को बनाने वाले, बचाने वाले और खत्म करने वाले के तौर पर भगवान का कॉन्सेप्ट जैन धर्म में नहीं है। साथ ही, राक्षसों का नाश करने के लिए भगवान के इंसान के रूप में दोबारा जन्म लेने का आइडिया भी जैन धर्म में नहीं माना जाता है। भगवान महावीर का जन्म चैत्र महीने के उगते चाँद की तेरहवीं तारीख को, 599 B.C. में भारत के बिहार राज्य में हुआ था। यह दिन इंग्लिश कैलेंडर के हिसाब से अप्रैल महीने में पड़ता है। उनके जन्मदिन को महावीर जयंती के तौर पर मनाया जाता है।

महावीर एक राजकुमार थे और उनके माता-पिता ने उनका नाम वर्धमान रखा था। एक राजा के बेटे होने के नाते, उनके पास दुनियावी सुख-सुविधाएँ और सेवाएँ थीं। लेकिन तीस साल की उम्र में, उन्होंने अपना परिवार और शाही घराना छोड़ दिया, दुनियावी चीज़ें छोड़ दीं, और दर्द, दुख और तकलीफ़ों को खत्म करने का हल ढूंढने के लिए साधु बन गए। महावीर ने अपनी इच्छाओं, भावनाओं और आसक्तियों पर काबू पाने के लिए अगले साढ़े बारह साल गहरी शांति और ध्यान में बिताए। उन्होंने जानवरों, पक्षियों और पौधों सहित दूसरे जीवों को नुकसान पहुँचाने या परेशान करने से बहुत सावधानी से परहेज़ किया।

वह लंबे समय तक बिना खाए भी रहे। वह सभी असहनीय मुश्किलों के बावजूद शांत और स्थिर रहे, इसलिए उन्हें महावीर नाम दिया गया, जिसका मतलब है बहुत बहादुर और हिम्मतवाला। इस दौरान, उनकी आध्यात्मिक शक्तियाँ पूरी तरह से विकसित हुईं और आखिर में उन्हें सही समझ, ज्ञान, शक्ति और आनंद का एहसास हुआ। इस एहसास को केवल ज्ञान या पूर्ण ज्ञान के रूप में जाना जाता है। महावीर ने अगले तीस साल नंगे पैर पूरे भारत में घूमते हुए लोगों को उस शाश्वत सत्य का उपदेश दिया जिसे उन्होंने महसूस किया था। उनकी शिक्षा का आखिरी मकसद यह है कि कोई जन्म, जीवन, दर्द, दुख और मौत के चक्कर से पूरी तरह आज़ादी कैसे पा सकता है, और खुद की हमेशा की खुशी वाली हालत कैसे पा सकता है। इसे मुक्ति, निर्वाण, पूरी आज़ादी या मोक्ष भी कहते हैं। महावीर ने समझाया कि हमेशा से, हर जीव (आत्मा) अपनी अज्ञानता की वजह से कर्म के एटम के बंधन में है। फिर ये कर्म हमारे अच्छे या बुरे कर्मों से लगातार जमा होते रहते हैं। कर्म के असर में, आत्मा को चीज़ों और चीज़ों में सुख ढूंढने की आदत हो जाती है। यही मतलबी हिंसक विचारों, कामों, गुस्सा, नफ़रत, लालच और ऐसी दूसरी बुराइयों की गहरी जड़ है। इनसे कर्म और जमा होते हैं। महावीर ने उपदेश दिया कि सही विश्वास (सम्यक दर्शन), सही ज्ञान (सम्यक ज्ञान), और सही आचरण (सम्यक चरित्र) मिलकर ही खुद के कर्मों से मुक्ति पाने का असली रास्ता है। जैन लोगों के लिए सही व्यवहार के केंद्र में पाँच महान व्रत हैंः अहिंसा किसी भी जीव को नुकसान न पहुँचाना सत्य सिर्फ नुकसान न पहुँचाने वाला सच बोलना चोरी न करना (असेत्य) जो चीज़ ठीक से न दी गई हो उसे न लेना पवित्रता (ब्रह्मचर्य) इंद्रिय सुख में लिप्त न होना अपरिग्रह लोगों, जगहों और भौतिक चीज़ों से पूरी तरह अलग रहना जैन लोग इन व्रतों को अपने जीवन का केंद्र मानते हैं। ये व्रत नॉन एब्सोल्यूटिज़्म (अनेकांतवाद) और रिलेटिविटी के सिद्धांत (स्याद्वाद) को माने बिना पूरी तरह से लागू नहीं किए जा सकते। साधु-सन्यासी इन व्रतों का सख्ती से और पूरी तरह से पालन करते हैं, जबकि आम लोग इन व्रतों का पालन अपनी जीवनशैली के हिसाब से करते हैं। महावीर के हिसाब से आध्यात्मिक तरक्की के मामले में, पुरुष और महिला दोनों बराबर हैं। त्याग और मुक्ति के लालच ने महिलाओं को भी अपनी ओर खींचा। कई महिलाओं ने महावीर के रास्ते पर चलकर परम सत्य और खुशी की तलाश में दुनिया छोड़ दी। इस तरह, जैन धर्म के सिद्धांतों को अगर सही नज़रिए से ठीक से समझा जाए और ईमानदारी से उनका पालन किया जाए, तो वे इस जीवन में संतोष, अंदरूनी खुशी और आनंद लाएंगे। यह भविष्य के पुनर्जन्मों में आत्मा को एक ऊंचे आध्यात्मिक स्तर तक ले जाएगा, आखिरकार पूर्ण ज्ञान प्राप्त करेगा, शाश्वत आनंद की अपनी आखिरी मंज़िल तक पहुंचेगा, और जन्म और मृत्यु के सभी चक्रों को खत्म करेगा। महावीर ने अमीर और गरीब, राजा और आम लोग, पुरुष और महिलाएं, राजकुमार और पुजारी, छूने वाले और अछूत, सभी तरह के लोगों को अपनी ओर खींचा। उन्होंने अपने अनुयायियों को चार तरह के ग्रुप में बांटा, यानी साधु, साध्वी, श्रावक और श्राविका। इस ग्रुप को जैन संघ के नाम से जाना जाता है। भगवान महावीर के उपदेश उनके करीबी शिष्यों ने आगम सूत्रों में बोलकर लिखे थे। ये आगम सूत्र मौखिक रूप से आने वाली पीढ़ियों को दिए गए। समय के साथ कई आगम सूत्र खो गए हैं, नष्ट हो गए हैं, और कुछ में बदलाव किया गया है। लगभग एक हज़ार साल बाद आगम सूत्रों को ताड़पत्री (एक पत्तेदार कागज़ जो उन दिनों भविष्य के लिए रिकॉर्ड सुरक्षित रखने के लिए इस्तेमाल किया जाता था) पर रिकॉर्ड किया गया था। श्वेतांबर जैन ने इन सूत्रों को उनकी शिक्षाओं का असली रूप माना है, जबकि दिगंबर जैन ने इसे असली नहीं माना। 72 साल की उम्र में (527 B.C.), भगवान महावीर ने निर्वाण प्राप्त किया और उनकी शुद्ध आत्मा ने उनका शरीर छोड़ दिया और पूरी मुक्ति प्राप्त की। वे एक सिद्ध, एक शुद्ध चेतना, एक मुक्त आत्मा बन गए, जो हमेशा पूर्ण आनंद की स्थिति में रहते थे। उनके निर्वाण की रात, लोगों ने उनके सम्मान में रोशनी का त्योहार (दीपावली) मनाया। यह हिंदू और जैन कैलेंडर साल का आखिरी दिन है जिसे दीपावली दिवस के रूप में जाना जाता है। जैन धर्म महावीर से पहले मौजूद था, और उनकी शिक्षाएं उनके पहले के लोगों की शिक्षाओं पर आधारित थीं। इस तरह, बुद्ध के उलट, महावीर किसी नए धर्म के फाउंडर से ज़्यादा एक मौजूदा धार्मिक व्यवस्था के सुधारक और प्रचारक थे। उन्होंने अपने पहले के तीर्थंकर पार्श्वनाथ के अच्छी तरह से स्थापित पंथ को फॉलो किया। हालांकि, महावीर ने अपने समय के हिसाब से जैन धर्म के फिलॉसफी के सिद्धांतों को फिर से बनाया। महावीर के निर्वाण के कुछ सदियों बाद, जैन धार्मिक व्यवस्था (संघ) और ज़्यादा मुश्किल होती गई। कुछ छोटी-छोटी बातों पर मतभेद हुए, हालांकि उन्होंने महावीर के बताए असली सिद्धांतों पर असर नहीं डाला। बाद की पीढ़ियों ने रीति-रिवाजों की मुश्किलों को आते देखा, जिसने महावीर और दूसरे तीर्थंकरों को लगभग हिंदू देवताओं की गद्दी पर बिठा दिया। भगवान महावीर की शिक्षाओं की खास बातेंः महावीर ने धर्म को आसान और नेचुरल बनाया, जो लंबे-चौड़े रीति-रिवाजों की मुश्किलों से मुक्त था। उनकी शिक्षाओं में आत्मा की अंदरूनी सुंदरता और तालमेल दिखता था। महावीर ने इंसानी ज़िंदगी की सबसे बड़ी चीज़ का आइडिया सिखाया और ज़िंदगी के पॉजिटिव नज़रिए की अहमियत पर ज़ोर दिया। महावीर का अहिंसा, सत्य, अचौर्य, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह का संदेश पूरी दुनिया के लिए दया से भरा है। महावीर ने कहा कि, एक जीवित शरीर सिर्फ़ अंगों और मांस का मेल नहीं है, बल्कि यह आत्मा का घर है जिसमें शायद सही समझ (अनंत दर्शन), सही ज्ञान (अनंत ज्ञान), सही शक्ति (अनंत वीर्य), और सही आनंद (अनंत सुख) हो सकता है। महावीर का संदेश जीव की आज़ादी और आध्यात्मिक खुशी को दिखाता है। महावीर ने इस बात पर ज़ोर दिया कि सभी जीवित प्राणी, चाहे उनका साइज़, रूप और रूप कुछ भी हो, चाहे वे आध्यात्मिक रूप से कितने भी विकसित हों या अविकसित, बराबर हैं और हमें उनसे प्यार और सम्मान करना चाहिए। इस तरह उन्होंने सबके लिए प्यार का संदेश दिया। महावीर ने भगवान को दुनिया का बनाने वाला, बचाने वाला और खत्म करने वाला मानने से इनकार कर दिया। उन्होंने देवी-देवताओं की पूजा को भी भौतिक फ़ायदों और निजी फ़ायदों का ज़रिया बताया। तीर्थंकर - वह जो धर्म के चार क्रम (भिक्षु, भिक्षुणी, आम आदमी और आम औरत) की स्थापना करता है। अरिहंत - वह जो अपने अंदर के दुश्मनों जैसे गुस्सा, लालच, जुनून, अहंकार, वगैरह को खत्म कर देता है। जिन - वह जो जीतता है अपने अंदर के दुश्मनों जैसे गुस्सा, लालच, जुनून, अहंकार वगैरह को खत्म करने के लिए जिन को मानने वालों को जैन कहा जाता है। महावीर का जन्म 599 B.C. में भारत के बिहार में एक राजकुमार के तौर पर हुआ था। 30 साल की उम्र में, उन्होंने अपना परिवार और शाही घराना छोड़ दिया, कपड़ों समेत अपनी दुनियावी चीज़ें छोड़ दीं और एक साधु बन गए। अपनी इच्छाओं और भावनाओं पर काबू पाने के लिए उन्होंने अगले बारह साल गहरी शांति और ध्यान में बिताए। वे लंबे समय तक बिना खाए रहे। उन्होंने जानवरों, पक्षियों और पौधों समेत दूसरे जीवों को नुकसान पहुंचाने या परेशान करने से बहुत सावधानी से परहेज किया। उनके ध्यान के तरीके, तपस्या के दिन और व्यवहार का तरीका धार्मिक जीवन में साधुओं और साध्वियों के लिए एक सुंदर उदाहरण है। उनकी आध्यात्मिक खोज बारह साल तक चली। आखिर में उन्हें सही समझ, ज्ञान, शक्ति और आनंद का एहसास हुआ। इस एहसास को केवल-ज्ञान के नाम से जाना जाता है। उन्होंने अगले तीस साल नंगे पैर भारत भर में घूमकर लोगों को उस शाश्वत सत्य का उपदेश दिया जिसे उन्होंने महसूस किया था। उन्होंने हर तरह के लोगों को अपनी ओर खींचा, अमीर और गरीब, राजा और आम लोग, पुरुष और महिलाएं, राजकुमार और पुजारी, छूने वाले और अछूत। उन्होंने अपने मानने वालों को चार तरह के ग्रुप में बांटा, यानी साधु, साध्वी, श्रावक और श्राविका। बाद में उन्हें जैन कहा गया। उनकी शिक्षा का आखिरी मकसद यह है कि कोई जन्म, जीवन, दर्द, दुख और मौत के चक्कर से पूरी तरह आज़ादी कैसे पा सकता है, और खुद की हमेशा की खुशी वाली हालत कैसे पा सकता है। इसे मुक्ति, निर्वाण, पूरी आज़ादी या मोक्ष भी कहा जाता है। उन्होंने समझाया कि हमेशा से, हर जीव (आत्मा) कर्म के एटम के बंधन में है, जो उसके अपने अच्छे या बुरे कर्मों से जमा होते हैं। कर्म के असर में, आत्मा को चीज़ों और चीज़ों में खुशी ढूंढने की आदत हो जाती है। जो खुद पर ध्यान देने वाले हिंसक विचारों, कर्मों, गुस्सा, नफ़रत, लालच और ऐसी दूसरी बुराइयों की गहरी जड़ें हैं। इनसे और ज़्यादा कर्म जमा होते हैं। भोजन, सही ज्ञान (सम्यक-ज्ञान), और सही आचरण (सम्यक-चरित्र) मिलकर खुद को आज़ाद करने में मदद करेंगे। जैन लोगों के लिए सही आचरण के केंद्र में पाँच महान व्रत हैंः अहिंसा - किसी भी जीव को नुकसान न पहुँचाना सत्य - सिर्फ़ नुकसान न पहुँचाने वाला सच बोलना अस्तेय - जो चीज़ ठीक से न दी गई हो उसे न लेना ब्रह्मचर्य - कामुक सुखों में शामिल न होना अपरिग्रह - लोगों, जगहों और भौतिक चीज़ों से पूरी तरह अलग रहना। जैन लोग इन व्रतों को अपनी ज़िंदगी का केंद्र मानते हैं। साधु-सन्यासी इन व्रतों का सख्ती से और पूरी तरह से पालन करते हैं, जबकि आम लोग अपनी जीवनशैली के हिसाब से इन व्रतों का पालन करने की कोशिश करते हैं। 72 साल की उम्र में (527 B.C.), भगवान महावीर की मौत हो गई और उनकी पवित्र आत्मा ने शरीर छोड़ दिया और पूरी मुक्ति पा ली। वे एक सिद्ध, एक शुद्ध चेतना, एक आज़ाद आत्मा बन गए, जो हमेशा के लिए पूरी तरह से आनंद की हालत में रहते थे। उनकी मुक्ति की रात, लोगों ने उनके सम्मान में रोशनी का त्योहार (दीपावली) मनाया। भगवान महावीर के जीवन की खास बातें और शिक्षाएँ। महावीर की शिक्षाओं की आध्यात्मिक शक्ति और नैतिक महानता ने लोगों को प्रभावित किया। उन्होंने धर्म को आसान और स्वाभाविक बनाया, जो लंबे-चौड़े रीति-रिवाजों की मुश्किलों से मुक्त था। उनकी शिक्षाएँ आत्मा की अंदरूनी सुंदरता और तालमेल की ओर लोगों की इच्छा को दिखाती थीं। उनका अहिंसा, सत्य, अचौर्य, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह का संदेश पूरी दुनिया की दया से भरा है। उन्होंने कहा कि, एक ज़िंदा शरीर सिर्फ़ हाथ-पैर और मांस का मेल नहीं है, बल्कि यह आत्मा का घर है जिसमें शायद पूरी समझ (अनंत-दर्शन), पूरी जानकारी (अनंत-ज्ञान), पूरी शक्ति (अनंत-वीर्य), और पूरी खुशी (अनंत-सुख) हो सकती है। महावीर का संदेश जीव की आज़ादी और रूहानी खुशी को दिखाता है। महावीर इंसान की समझ से भगवान को बनाने वाला, बचाने वाला और तोड़ने वाला मानने की सोच को खत्म करने में काफी कामयाब रहे। उन्होंने देवी-देवताओं की पूजा को मोक्ष का ज़रिया मानने से भी मना किया। उन्होंने इंसानी ज़िंदगी की सबसे बड़ी चीज़ का आइडिया सिखाया और ज़िंदगी के पॉज़िटिव नज़रिए की अहमियत पर ज़ोर दिया। भगवान महावीर ने दुनिया भर में प्यार का संदेश भी दिया, इस बात पर ज़ोर दिया कि सभी जीव, चाहे उनका साइज़, शेप और रूप कुछ भी हो, रूहानी तौर पर कितने भी डेवलप्ड हों या कम डेवलप्ड, बराबर हैं और हमें उनसे प्यार करना चाहिए और उनका सम्मान करना चाहिए। जैन धर्म महावीर से पहले भी था, और उनकी शिक्षाएँ उनसे पहले के लोगों की शिक्षाओं पर आधारित थीं। इस तरह, बुद्ध के उलट, महावीर किसी नए धर्म के फाउंडर से ज़्यादा एक मौजूदा धार्मिक व्यवस्था के सुधारक और प्रचारक थे। उन्होंने अपने पहले के तीर्थंकर पार्श्वनाथ के अच्छी तरह से स्थापित पंथ को फॉलो किया। हालांकि, महावीर ने अपने समय के हिसाब से जैन धर्म के फिलॉसफी के सिद्धांतों को फिर से बनाया। भगवान महावीर ने पाँच महान व्रतों का उपदेश दिया जबकि भगवान पार्श्वनाथ ने चार महान व्रतों का उपदेश दिया। आध्यात्मिक तरक्की के मामलों में, जैसा कि महावीर ने सोचा था, पुरुष और महिला दोनों बराबर हैं। त्याग और मुक्ति के लालच ने महिलाओं को भी अपनी ओर खींचा। कई महिलाओं ने महावीर के रास्ते पर चलकर परम सुख की तलाश में दुनिया छोड़ दी। महावीर के निर्वाण के कुछ सदियों बाद, जैन धार्मिक व्यवस्था (संघ) और भी मुश्किल होती गई। कुछ छोटी-छोटी बातों पर मतभेद हुए, हालांकि उन्होंने तीर्थंकरों द्वारा बताए गए मूल सिद्धांतों पर कोई असर नहीं डाला। बाद की पीढ़ियों ने रीति-रिवाजों की मुश्किलें देखीं, जिसने लगभग महावीर और दूसरे तीर्थंकरों को हिंदू देवताओं के सिंहासन पर बिठा दिया। मूर्ति पूजा मंदिर में चौबीस तीर्थंकरों की मूर्तियां एक जैसी हैं क्योंकि वे तीर्थंकरों के गुण और अच्छाइयों को दिखाती हैं, न कि उनके शरीर को। हालांकि, हर मूर्ति के नीचे उन्हें अलग दिखाने के लिए एक खास निशान लगाया गया है। भगवान महावीर की मूर्ति शेर के निशान से पहचानी जाती है। जैन धर्म की प्रार्थनाः जैन लोग हर दिन सिर झुकाकर अपनी यूनिवर्सल प्रार्थना, नवकार-मंत्र का जाप करते हैं। सभी अच्छे काम और इवेंट इसी सलाम और पूजा की प्रार्थना से शुरू होते हैं। नमो अरिहंतनमः - मैं ज्ञानी आत्माओं को नमन करता हूँ नमो सिद्धनमः - मैं मुक्त आत्माओं को नमन करता हूँ नमो आयरियानमः - मैं धार्मिक नेताओं को नमन करता हूँ नमो उवज्जयनमः - मैं धार्मिक शिक्षकों को नमन करता हूँ नमो लोए सव्वा साहूनमः - मैं दुनिया के सभी साधुओं को नमन करता हूँ एसो पंच नमुक्कारोः - ये पाँच नमस्कार करने में सक्षम हैं सव्वा पावा पनासानोः सभी पापों को नष्ट करने वाले और यह है मंगलंच सव्वेसिन सभी रूपों में पहला सुख पधमं हवै मंगलमः खुशी का। ऊपर दी गई प्रार्थना में, जैन अपने भगवानों, तीर्थंकरों या साधुओं और साध्वियों से कोई कृपा या भौतिक लाभ नहीं मांगते हैं। वे किसी खास तीर्थंकर या साधु का नाम लेकर प्रार्थना नहीं करते हैं। 24वें जैन तीर्थंकर, वर्धमान महावीर ने 72 साल की उम्र में भारत के बिहार में आज के राजगीर के पास पावापुरी में निर्वाण (मुक्ति/मृत्यु) प्राप्त किया।उन्हें नमस्कार करके, जैन पाँच परोपकारी लोगों से सच्ची खुशी और जीवन के दुख से पूरी तरह मुक्ति के सही रास्ते के लिए प्रेरणा पाते हैं। उन्होंने सही विश्वास का उपदेश दिया।

युगों-युगों तक मार्गदर्शन करती रहेगी भगवान महावीर की अमृतवाणी

‘अहिंसा परमो धर्मः’ का अमर संदेश देने वाले भगवान महावीर का जीवन और दर्शन आज के अशांत, तनावग्रस्त और संघर्षपूर्ण समय में पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हो उठा है। आधुनिक युग में मनुष्य प्रगति की अंधी दौड़ में नैतिक मूल्यों से दूर होता जा रहा है। स्वार्थ, लोभ और प्रतिस्पर्धा ने उसे इस हद तक प्रभावित कर दिया है कि वह अपने हित के लिए हिंसा और अनैतिकता को भी उचित ठहराने लगा है। ऐसे समय में महावीर स्वामी का अहिंसा, संयम और करुणा पर आधारित दर्शन मानवता को एक नई दिशा देता है और उसे आत्ममंथन के लिए प्रेरित करता है।

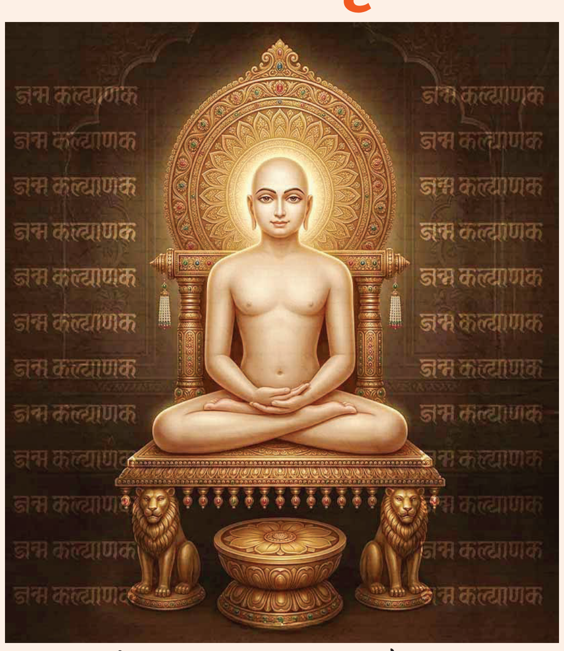

भगवान महावीर ने अपने जीवन के माध्यम से यह स्पष्ट किया कि प्रत्येक जीव समान है और हर प्राणी में आत्मा का वास है। उन्होंने ‘जीओ और जीने दो’ का जो सिद्धांत दिया, वह केवल एक नैतिक उपदेश नहीं बल्कि संपूर्ण जीवन दर्शन है। यह हमें सिखाता है कि हम अपने व्यवहार और आचरण में ऐसी संवेदनशीलता विकसित करें, जिससे किसी भी प्राणी को कष्ट न पहुंचे। उनका यह विचार कि पेड़-पौधे, जल, वायु और अग्नि तक में जीवन है, आज के पर्यावरणीय संकट के संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है। जब पृथ्वी प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और जैव विविधता के संकट से जूझ रही है, तब महावीर का यह संदेश हमें प्रकृति के प्रति संवेदनशील बनने का आह्वान करता है।

महावीर स्वामी ने कर्म के सिद्धांत को भी अत्यंत स्पष्टता से समझाया। उनका मानना था कि मनुष्य स्वयं अपने कर्मों के लिए जिम्मेदार है और वही उसके भविष्य का निर्धारण करते हैं। कोई भी व्यक्ति अपने कर्मों से बच नहीं सकता। जो जैसा करता है, वैसा ही फल प्राप्त करता है। यह सिद्धांत न केवल आध्यात्मिक दृष्टि से बल्कि सामाजिक और नैतिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह मनुष्य को उत्तरदायित्व और सजगता का बोध कराता है। उन्होंने यह भी सिखाया कि धर्म बाहरी आडंबरों में नहीं बल्कि आत्मा की पवित्रता में निहित है। अहिंसा, सत्य, संयम और तप ही धर्म के वास्तविक लक्षण हैं। क्रोध, मान, माया और लोभ जैसे दोष मनुष्य के सभी गुणों का नाश कर देते हैं। इसलिए जो व्यक्ति अपने जीवन में शांति और संतुलन चाहता है, उसे इन विकारों का त्याग करना चाहिए। महावीर का यह संदेश आज के तनावपूर्ण जीवन में अत्यंत उपयोगी है, जहां मानसिक अशांति और असंतुलन तेजी से बढ़ रहा है।

महावीर स्वामी ने समानता और मानवता का भी अद्वितीय संदेश दिया। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि जन्म से नहीं बल्कि कर्म से व्यक्ति महान बनता है। यदि कोई उच्च कुल में जन्म लेकर भी बुरे कर्म करता है तो वह श्रेष्ठ नहीं हो सकता जबकि निम्न कुल में जन्म लेने वाला व्यक्ति यदि सदाचार और सद्विचार अपनाता है तो वह सम्मान का अधिकारी है। यह विचार सामाजिक समरसता और समानता की नींव को मजबूत करता है। उनकी दृष्टि में सेवा भी सर्वोच्च धर्म है। रोगियों और जरूरतमंदों की सेवा को उन्होंने ईश्वर की सेवा से भी बढ़कर बताया। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि स्त्री और पुरुष दोनों समान रूप से मुक्ति के अधिकारी हैं, जो उनके प्रगतिशील और समतामूलक विचारों को दर्शाता है। आज जब समाज हिंसा, असहिष्णुता और नैतिक पतन की चुनौतियों से जूझ रहा है, तब भगवान महावीर की अमृतवाणी हमें आत्मशुद्धि, सह-अस्तित्व और शांति का मार्ग दिखाती है। यदि हम उनके सिद्धांतों को अपने जीवन में आत्मसात कर लें तो न केवल व्यक्तिगत जीवन में संतुलन और शांति स्थापित हो सकती है बल्कि समाज में भी सद्भाव, करुणा और अहिंसा की स्थापना संभव है। यही महावीर स्वामी के संदेश की वास्तविक सार्थकता है, जो युगों-युगों तक मानवता का मार्गदर्शन करती रहेगी।

आज फिर महावीर की ज़रूरत

आज जिस प्रकार पूरी दुनिया में हिंसा, युद्ध, आतंक, असहिष्णुता और खून-खराबे का माहौल बना हुआ है, ऐसे समय में भगवान महावीर के विचार और उनका “जियो और जीने दो” का संदेश पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक प्रतीत होता है। अहिंसा, करुणा और संयम पर आधारित उनका जीवन आज की अशांत दुनिया के लिए शांति का मार्ग प्रशस्त करता है। महावीर स्वामी केवल जैन समाज के ही नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता के मार्गदर्शक थे। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि धर्म किसी बाहरी दिखावे या कर्मकांड का नाम नहीं, बल्कि आत्मा की शुद्धता और सदाचरण का मार्ग है।

भगवान महावीर का जन्म 599 ईसा पूर्व (कुछ विद्वानों के अनुसार 540 ईसा पूर्व) बिहार के वैशाली के समीप कुण्डग्राम में हुआ था। उनके पिता राजा सिद्धार्थ और माता रानी त्रिशला थीं। बचपन में उनका नाम वर्धमान रखा गया, किंतु अद्भुत साहस, बल और आत्मविश्वास के कारण वे महावीर कहलाए। बाल्यकाल से ही वे चिंतनशील, निर्भीक और आत्मानुशासन में विश्वास रखने वाले थे। युवावस्था में उनका विवाह राजकुमारी यशोदा से हुआ, परंतु सांसारिक सुखों में उनका मन कभी नहीं रमा।

माता-पिता के निधन के बाद 30 वर्ष की आयु में उन्होंने गृहत्याग कर दीक्षा ली और कठोर तपस्या का मार्ग अपनाया। लगभग साढ़े बारह वर्षों की कठिन साधना के पश्चात उन्हें केवल ज्ञान की प्राप्ति हुई। इसके बाद उन्होंने अहिंसा, सत्य, अस्तेय, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह—इन पाँच महाव्रतों का उपदेश दिया। महावीर स्वामी ने पशुबलि, जाति-भेद और सामाजिक असमानता का विरोध किया तथा सभी जीवों को समान मानने की शिक्षा दी।

उन्होंने कर्मकांड की बजाय नैतिकता, संयम और आत्मशुद्धि पर बल दिया। जैन धर्म का मूल मंत्र अहिंसा है, जिसे महावीर ने जीवन में उतारकर दिखाया। उन्होंने कहा कि हिंसा केवल शारीरिक नहीं होती, बल्कि मन और वाणी से भी होती है। इसलिए विचार, वचन और कर्म—तीनों की पवित्रता आवश्यक है।

भगवान महावीर ने मोक्ष के लिए त्रिरत्न—सम्यक श्रद्धा, सम्यक ज्ञान और सम्यक आचरण—का मार्ग बताया। 72 वर्ष की आयु में पावापुरी में उन्होंने निर्वाण प्राप्त किया। आज भी उनके विचार मानव समाज को शांति, सहअस्तित्व और नैतिक जीवन की प्रेरणा देते हैं। हिंसा से जूझती आधुनिक दुनिया के लिए महावीर स्वामी का संदेश एक सशक्त और स्थायी समाधान है।

आगामी पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव बीजेपी के लिए राजनीतिक परीक्षा, साख दांव पर

नई दिल्ली,(ईएमएस)। आगामी दिनों में देश के चार राज्यों और एक केंद्रशासित प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनाव बीजेपी के लिए बड़ी राजनीतिक परीक्षा होंगे। पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी में पार्टी की रणनीति और प्रदर्शन पर उसकी भविष्य की राजनीतिक दिशा निर्भर करेगी। पश्चिम बंगाल में मुख्य मुकाबला टीएमसी और बीजेपी के बीच माना जा रहा है। सीएम ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली टीएमसी को चुनौती देने के लिए बीजेपी 5फीसदी वोट स्विंग पर नजर रखे हुए है। विश्लेषकों के मुताबिक यदि बीजेपी टीएमसी के वोट बैंक में मामूली सेंध लगाने में सफल रहती है, तो वह राज्य में सबसे बड़ी पार्टी बन सकती है। वहीं असम में बीजेपी हैट्रिक की कोशिश में है, लेकिन यहां 34फीसदी मुस्लिम वोट निर्णायक भूमिका निभाते हैं। यदि यह वोट बैंक भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस और ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट के बीच बंटा, तो बीजेपी को लाभ मिल सकता है, जबकि एकजुटता की स्थिति में मुकाबला कड़ा हो जाएगा। वहीं दक्षिण भारत में तमिलनाडु में बीजेपी क्षेत्रीय दलों के दबदबे के बीच अपनी जगह मजबूत करने की कोशिश कर रही है। यहां द्रविड़ मुनेत्र कड़गम और अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम का वर्चस्व है। बीजेपी का फोकस खुद को एक मजबूत विकल्प के रूप में स्थापित करने पर है। वहीं केरल में पार्टी के लिए चुनौती और भी बड़ी है, जहां पारंपरिक रूप से लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट और यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट के बीच सत्ता का मुकाबला होता रहा है। बीजेपी यहां अपने वोट शेयर और सीटें बढ़ाकर 'किंगमेकर' की भूमिका में आने की रणनीति बना रही है। रिपोर्ट के मुताबिक पुडुचेरी में बीजेपी गठबंधन सरकार को बरकरार रखने की कोशिश कर रही है। यहां क्षेत्रीय दलों के साथ मिलकर पार्टी दक्षिण भारत में अपनी स्वीकार्यता बढ़ाने का संदेश देना चाहती है। कुल मिलाकर इन चुनावों में बीजेपी के लिए केवल जीत-हार ही नहीं, बल्कि नए क्षेत्रों में विस्तार, गठबंधन राजनीति और वोट बैंक को मजबूत करने की चुनौती है। अब देखना है कि यह चुनाव बीजेपी को किस मुकाम पर पहुंचाते हैं।

एफडी घोटाले के बाद पुलिस ने लगा दिए बैंकों में ताले...कर्मचारी रहे बाहर खड़े

पंचकूला (ईएमएस)। हरियाणा के पंचकूला में 150 करोड़ रुपये के एफडी घोटाले ने सनसनी मचा दी है। पंचकूला नगर निगम ने कोटक महिंद्रा बैंक और एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक में जमा किए गए अपने एफडी फंड्स को फर्जी खातों में ट्रांसफर होने का आरोप लगाया है। नगर निगम के कमिश्नर विनय कुमार के अनुसार, कुछ एफडी लंबे समय से बैंक की पंचकूला ब्रांच में थीं। जब एक एफडी की मैच्योरिटी पर फंड ट्रांसफर करने का प्रयास किया गया, तब गड़बड़ी उजागर हुई। जांच में यह पाया गया कि अन्य एफडी में भी गड़बड़ी है, जिसमें कुल लगभग 150 करोड़ रुपये शामिल हैं। इस पूरे मामले की जांच हरियाणा पुलिस कर रही है, लेकिन बैंक कर्मचारियों की ओर से सहयोग नहीं मिल रहा है। पुलिस के अनुसार, कर्मचारियों ने जांच में शामिल होने से इंकार कर दिया, इसकारण सोमवार को दोनों बैंकों की ब्रांचों के बाहर पुलिस तैनात कर दी गई। कर्मचारियों को अंदर प्रवेश नहीं दिया गया और बैंक की शाखाओं में ताले लगा दिए गए। ताले न खुलने के कारण बैंक कर्मचारी बाहर ही खड़े रहे। घोटाले के पीछे एफडी की फर्जी ट्रांसफरिंग और कर्मचारियों के सहयोग न करने की वजह से जांच प्रक्रिया प्रभावित हो रही है। पुलिस का कहना है कि कर्मचारियों के विरोध के बावजूद पूरी जाँच जारी रहेगी। इस घटना ने पंचकूला में वित्तीय सुरक्षा और बैंकिंग प्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। जांच पूरी होने के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि किसने और कैसे नगर निगम के फंड्स का गबन किया।

पश्चिम बंगाल में मतदाता अपील के लिए पोर्टल शुरू, ऑफलाइन प्रक्रिया पर असमंजस

कोलकाता,(ईएमएस) । पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची से नाम हटाए जाने के खिलाफ अपील करने के लिए चुनाव आयोग का ऑनलाइन पोर्टल रविवार से शुरू हो गया है। हालांकि, ऑफलाइन माध्यम से अपील कैसे की जाएगी, इस पर अभी स्पष्टता नहीं है। अधिकारियों का मानना है कि इस असमंजस के कारण बड़ी संख्या में ऐसे मतदाता प्रभावित हो सकते हैं, जो इंटरनेट का उपयोग करने में सक्षम नहीं हैं। अपीलों की सुनवाई के लिए 19 न्यायिक ट्रिब्यूनल गठित किए गए हैं। प्रत्येक अनुपूरक सूची में उल्लेख है कि अपील 15 दिनों के भीतर दायर करनी होगी, लेकिन यह समयसीमा किस तारीख से लागू होगी, इस पर चुनाव आयोग ने अभी तक स्पष्ट निर्देश जारी नहीं किए हैं। चुनाव आयोग की अधिसूचना के अनुसार, अपील जिला कलेक्टर (डीएम), एसडीएम या एसडीओ कार्यालय में ऑफलाइन भी जमा की जा सकती है। संबंधित कार्यालय इन आवेदनों को जल्द से जल्द ऑनलाइन पोर्टल पर अपलोड करेंगे। आयोग द्वारा प्रक्रिया को लेकर विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए जाने की प्रतीक्षा है, ताकि मतदाताओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

स्कूल मात्र पढ़ाई का स्थान नहीं, व्यक्तित्व निर्माण की प्रथम पाठशाला

लखनऊ,(ईएमएस)। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि सरकार यह तय कर रही है कि एक भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे। योगी ने बच्चों को संबोधित एक पत्र एक्स पर साझा करते हुए कहा कि मेरे प्यारे बच्चो, नया शैक्षणिक सत्र शुरु हो रहा है। आप सभी को स्वर्णिम भविष्य की ढेर सारी शुभकामनाएं। उन्होंने कहा कि नए सत्र में आप अपनी रुचि के विषय, खेल एवं विद्यालय की गतिविधियों में पूरे मनोयोग से हिस्सा लें और अपने सपनों में रंग भरें। उन्होंने कहा कि एक अप्रैल से 15 अप्रैल तक 'स्कूल चलो अभियान' हमारे इसी संकल्प का प्रतिफल है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीएम योगी ने कहा कि विकसित उत्तर प्रदेश का लक्ष्य तभी पूर्ण होगा, जब हर बच्चा पढ़ेगा, हर बच्चा बढ़ेगा। पत्र में उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि कुछ दिन पूर्व मुझे अपने विद्यालय जाने का सौभाग्य मिला, जहां से मुझे जीवन की मूल शिक्षा एवं संस्कार मिले और आगे का मार्ग प्रशस्त हुआ। उन्होंने कहा कि विद्यालय मात्र पढ़ाई का स्थान नहीं, अपितु व्यक्तित्व निर्माण की प्रथम पाठशाला है। योगी ने कहा कि प्रभु श्रीराम के मर्यादा पुरुषोत्तम और भगवान श्रीकृष्ण के कर्मयोगी स्वरूप की पहली सीढ़ी उनका गुरुकुल ही था। उन्होंने कहा कि आप सबके लिए भी शिक्षा इसी कर्तव्य पथ का अभिन्न अंग है। स्वामी विवेकानंद के सिद्धांतों को अपने जीवन में अपनाकर आप सभी परिश्रम और सकारात्मक सोच के साथ असंभव लक्ष्य भी प्राप्त कर सकते हैं। सीएम ने बच्चों को तकनीक के सही उपयोग के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि आज का युग तकनीक का है, इसलिए उसका सही इस्तेमाला करना सीखें। 'स्क्रीन टाइम' के स्थान पर 'एक्टिविटी टाइम' पर ध्यान केंद्रित करें और खूब खेलें-खूब पढ़ें। उन्होंने अभिभावकों से भी आह्वान किया कि अपने बच्चों को उत्तम शिक्षा दिलाने के साथ-साथ अपने आस-पड़ोस के उन बच्चों को भी विद्यालय पहुंचाने का संकल्प लें, जो शिक्षा से वंचित हैं।

लोकसभा में नक्सलवाद से मुक्ति पर चर्चा जारी: महुआ बोलीं- आज देश राइटविंग आतंकवाद से त्रस्त; इन्सॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी कोड (संशोधन) बिल पास

नई दिल्ली: लोकसभा में देश को वामपंथी उग्रवाद (नक्सलवाद) से मुक्त करने के प्रयासों पर चर्चा हो रही है। यह चर्चा नक्सलवाद को खत्म करने के लिए सरकार की दी गई 31 मार्च की समय सीमा समाप्त होने से एक दिन पहले हो रही है। इस पर नियम 193 के तहत चर्चा हो रही है। इस नियम के तहत अल्पकालिक चर्चा के लिए सरकार को जवाब देना जरूरी है। इस चर्चा की शुरुआत शिवसेना सांसद श्रीकांत शिंदे ने की।उन्होंने कहा कि जो लोग कहते थे कि इसे खतम नहीं किया जा सकता, उनको यह करारा जवाब है। गृह मंत्री ने एक डेडलाइन तय की और उस डेडलाइन से पहले इसको खतम करने का प्रयास भी किया। टीएमसी की महुआ मोइत्रा ने कहा कि आज देश राइटविंग आतंकवाद से त्रस्त है।

बता दें कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने घोषणा की थी कि नक्सलवाद का खतरा 31 मार्च, 2026 तक पूरी तरह से समाप्त कर दिया जाएगा। लोकसभा में आज इन्सॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी कोड (संशोधन) बिल, 2025 को पारित करा लिया गया है। वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को लोकसभा में कहा कि इनसॉल्वेंसी एंड बैंकरप्टसी कोड देश के बैंकिंग क्षेत्र की स्थिति में सुधार लाने में प्रमुख और अत्यंत महत्वपूर्ण फैक्टर रही है, जिसमें नॉन परफॉर्मिंग एसेट्स की वसूली भी शामिल है।

लोकसभा में आईबीसी में संशोधन करने वाले विधेयक को पेश करते हुए मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि इन्सॉल्वेंसी रिजोल्यूशन प्रोसेस से बाहर आने के बाद कंपनियों का प्रदर्शन अच्छा रहा है और उनकी कॉर्पोरेट गवर्नेंस प्रैक्सिट में भी सुधार हुआ है।

महुआ बोलीं- हमने वेलफेयर पर जोर देकर पश्चिम बंगाल को नक्सल मुक्त बनाया

महुआ मोइत्रा ने नक्सलवाद पर चर्चा के दौरान कहा कि आज देश राइटविंग आतंकवाद से त्रस्त है। एनर्जी क्राइसिस से निपटने के लिए किसी रोडमैप की कोई बात नहीं हो रही है। आज आपने अचानक नक्सलवाद पर चर्चा शुरू करा दी। कितने महान हैं अमित शाह जी, सबको ठोक कर ठंडा कर दिया। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद 1969 में सिलीगुड़ी के पास नक्सलबाड़ी से शुरू हुआ और बाकी जगह फैला। लेफ्ट विंग एक्स्ट्रीमिज्म कानून-व्यवस्था की परेशानी नहीं थी। आज बीजेपी दावा कर रही है कि हमने इस समस्या का समाधान कर दिया। मनरेगा, फॉरेस्ट राइट्स एक्ट जैसे कदमों का इसमें बड़ा योगदान रहा। 2019 से 2025 के बीच किलिंग बढ़ी, गिरफ्तारियां कम हुईं। सिक्योरिटी रिलेटेड फंड्स 44 परसेंट खर्च नहीं हुए इस वित्तीय वर्ष में। महुआ मोइत्रा ने 2011 से 2017 के बीच नक्सलियों के सरेंडर के आंकड़े बताए और कहा कि हमने मिलिट्री पावर यूज नहीं की। हमने वेलफेयर पर जोर देकर पश्चिम बंगाल को नक्सल मुक्त बनाया।

केंद्रीय उड्डयन मंत्री बोले- इमरजेंसी लैंडिंग में सुरक्षा सर्वोपरि, ATF का 60 दिन का स्टॉक

केंद्रीय उड्डयन मंत्री के. राममोहन नायडू ने राज्यसभा में कहा कि इमरजेंसी या प्रेफर्ड लैंडिंग का फैसला पूरी तरह सुरक्षा के आधार पर लिया जाता है। लैंडिंग से पहले सुरक्षा नियमों का पालन जरूरी होता है। यह विमान के प्रकार, मौसम और एयरस्पेस में अन्य विमानों की स्थिति पर निर्भर करता है। ATF (एविएशन टर्बाइन फ्यूल) को लेकर उन्होंने कहा कि फिलहाल पर्याप्त आपूर्ति मौजूद है।"सामान्य तौर पर ATF प्रोडक्शन का आधा हिस्सा घरेलू खपत के लिए होता है और बाकी निर्यात किया जाता है। हमारे पास अगले 60 दिनों का स्टॉक है। प्रोडक्शन को लेकर कोई समस्या नहीं दिख रही है।

लोकसभा में रुपये को लेकर हंगामा

लोकसभा में भारतीय रुपए को लेकर हंगामा हुआ। इस बीच वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मिडिल ईस्ट संकट के बीच रुपए और अर्थव्यवस्था का बचाव करते हुए विपक्ष पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अर्थव्यवस्था मजबूत है, हमारा फिस्कल डेफिसिट नियंत्रण में है। विदेशी मुद्रा भंडार अच्छा है। भारतीय रुपया अन्य उभरती अर्थव्यवस्थाओं के मुकाबले बेहतर कर रहा है।

आंध्र प्रदेश- नेवी कर्मचारी ने प्रेमिका के तीन टुकड़े किए: सिर जलाया, दूसरा हिस्सा बेड के नीचे, तीसरा फ्रिज में छिपाया

थाने पहुंच अपराध कबूला

विशाखापट्टनम: आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम में एक शादीशुदा नेवी कर्मचारी ने रविवार 29 मार्च को अपनी प्रेमिका की हत्या कर दी। फिर उसके शव के कई टुकड़े कर दिए। इसके बाद खुद पुलिस स्टेशन गया और अपना अपराध को कबूल कर लिया। मृतक की पहचान 31 साल की मोनिका के रूप में हुई है। वहीं आरोपी 35 साल का चिंतादा रविंद्र है। शुरुआती जांच के अनुसार, आरोपी ने प्रेमिका का सिर, हाथ और पैर को धड़ से अलग किया। पैरों और कूल्हे के हिस्से को ट्रॉली बैग में छिपा दिया। धड़ को फ्रिज में रखा। सिर और हाथों को सुनसान इलाके में ले जाकर जलाने की कोशिश की। जब पुलिस मौके पर पहुंची, तो घर और फ्रिज में शव के टुकड़े मिले। मोनिका का सिर गायब था। पुलिस को शक है कि रविंद्र ने उसे किसी दूसरी जगह पर ठिकाने लगाया।

पत्नी मायके गई थी, प्रेमिका को मिलने बुलाया था

पुलिस के मुताबिक, आरोपी इंडियन नेवल शिप (INS) डेगा में तैनात एक टेक्निशियन है। रविंद्र और मोनिका 2021 में 'मिंगल' नामक डेटिंग ऐप पर मिले थे। इसके बाद दोनों अक्सर विशाखापट्टनम के अलग-अलग स्थानों जैसे पार्क और थिएटर में मिलते थे। धीरे-धीरे उनके बीच प्रेम संबंध बन गया। 2024 में रविंद्र ने दूसरी लड़की से शादी कर ली। आरोपी के अनुसार, शादी के बाद से मोनिका अक्सर उसकी पत्नी को सब कुछ बताने की धमकी देती थी। आरोपी ने दावा किया कि मोनिका ने उससे 3.5 लाख रुपये लिए थे। इसी वजह से दोनों के बीच लगातार झगड़े भी होते थे। कुछ हफ्ते पहले आरोपी की पत्नी अपने मायके विजयनगरम चली गई थी। इसका फायदा उठाकर आरोपी ने प्रेमिका को अपने घर पर समय बिताने के लिए बुलाया था। जांच में सामने आया है कि रविंद्र ने हत्या की प्लानिंग पहले से कर रखी थी। उसने दोपहर में मोनिका को घर बुलाया। शाम तक दोनों के बीच झगड़ा हुआ। इस दौरान रविंद्र ने मोनिका की गला घोंटकर हत्या कर दी। इसके बाद उसने ऑनलाइन डिलीवरी प्लेटफॉर्म से चाकू मंगवाया और शव के टुकड़े कर दिए। अब पुलिस ने गायब शरीर के हिस्सों की तलाश के लिए एक विशेष टीम गठित की है। हत्या का मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है।

श्रद्धा वालकर हत्याकांड, आरोपी ने 35 टुकड़े किए थे

विशाखापट्टनम का मर्डर केस 18 मई 2022 को हुए श्रद्धा वालकर हत्याकांड की तरह है। दिल्ली में श्रद्धा की उसके लिव-इन पार्टनर आफताब अमीन पूनावाला ने गला घोंटकर हत्या कर दी थी। उसने शव के टुकड़े कर उन्हें फ्रिज में रखा और बाद में पहचान छुपाने के लिए कई दिनों तक अलग-अलग जगहों पर फेंकता रहा। दिल्ली पुलिस ने 12 नवंबर 2022 को आरोपी को गिरफ्तार किया था। 24 जनवरी को पुलिस ने इस मामले में आफताब के खिलाफ 6,629 पन्नों की चार्जशीट दाखिल की थी।

लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा शब्बीर अहमद लोन दिल्ली में अरेस्ट

नई दिल्ली: दिल्ली में सुरक्षा एजेंसियों ने सोमवार को लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े आतंकी शब्बीर अहमद लोन को दिल्ली बॉर्डर से गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक, शुरुआती जांच में सामने आया है कि वह बांग्लादेश से भारत विरोधी गतिविधियों को अंजाम दे रहा था। पुलिस के मुताबिक, शब्बीर दिल्ली, कोलकाता और तमिलनाडु में आतंकी गतिविधियों के लिए युवाओं की भर्ती करने की तैयारी में था। यह पूरा नेटवर्क पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के इशारे पर ऑपरेट हो रहा था। साल 2007 में भी दिल्ली पुलिस ने आतंकवाद के आरोपों में लोन को गिरफ्तार किया था। 2019 में जमानत मिलने के बाद वह बांग्लादेश भाग गया था।

26 मार्च: कश्मीर में लोन के 10 ठिकानों पर छापेमारी

काउंटर इंटेलिजेंस कश्मीर ने 26 मार्च को शब्बीर के आतंकी मॉड्यूल की जांच के लिए कश्मीर के तीन जिलों, गांदरबल, शोपियां और श्रीनगर के 10 ठिकानों पर रेड मारी थी। सीआईके के मुताबिक, इस मामले के तार एक ट्रांजैक्शनल नेटवर्क से जुड़े पाए गए हैं, जिसमें मॉड्यूल को बांग्लादेश और पाकिस्तान में बैठे लश्कर-ए-तैयबा के हैंडलर्स से निर्देश मिल रहे थे। सुरक्षा एजेंसियां 2 महीनों से शब्बीर की गतिविधियों पर नजर रखे थीं।

मॉड्यूल का खुलासा दिल्ली मेट्रो में लगे देश विरोधी पोस्टर से हुआ

इस मॉड्यूल का खुलासा 7 फरवरी को दिल्ली में लगे देश विरोधी पोस्टर से हुआ। दिल्ली स्पेशल सेल के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त प्रमोद सिंह कुशवाहा ने बताया था कि कुछ लोगों ने कश्मीरी गेट बस अड्डा और मेट्रो स्टेशन के पास 'फ्री कश्मीर' के देशविरोधी पोस्टर लगा दिए। सीआईएसएफ के जवानों ने इनको देखकर मेट्रो पुलिस को खबर दी। मेट्रो पुलिस ने मामला दर्ज कर छानबीन शुरू की। जांच के दौरान पोस्टर लगाने वाले 2 आरोपियों के आने-जाने के रूट का मेट्रो पुलिस ने पता लगा लिया। पोस्टर लगाने के बाद दोनों कोलकाता भाग गए थे। बाद में 13 फरवरी को केस को स्पेशल सेल को ट्रांसफर कर दिया गया। टीम कोलकाता पहुंची।

उत्तर प्रदेश में गेहूं खरीद शुरू, 2.24 लाख किसानों ने कराया पंजीकरण

उत्तर प्रदेश में सोमवार से शुरू हुई गेंहू की सरकारी खरीद के लिए सवा दो लाख किसानों ने पंजीकरण करा लिया है। प्रदेश सरकार ने इस बार 50 लाख टन गेहूं की खरीद का लक्ष्य रखा है। हालांकि लक्ष्य के पूरा हो जाने के बाद भी 15 जून तक खरीद चलती रहेगी। प्रदेश सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि गेहूं खरीद शुरू होने से पहले ही 2.24 लाख से अधिक किसानों ने बिक्री के लिए पंजीकरण करा लिया है। किसानों को गेहूं बिक्री में परेशानी न हो, इसके लिए प्रदेश में अब तक 3574 क्रय केंद्र भी स्थापित कर लिए गए हैं। गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 2585 रुपये प्रति कुंतल तय किया गया है, जो पिछले साल की तुलना में 160 रुपये प्रति कुंतल अधिक है।

प्रदेश में खाद्य विभाग की विपणन शाखा सहित कुल 8 एजेंसियों द्वारा 6500 क्रय केंद्र स्थापित होंगे। योगी सरकार के निर्देश पर तेजी से कार्य भी प्रारंभ हो गए हैं। सोमवार से शुरू हुई गेहूं खरीद के लिए पहले ही प्रदेश में 3574 क्रय केंद्र स्थापित कर लिए गए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सख्त निर्देश दिया है कि क्रय केंद्रों पर बिक्री के लिए आने वाले किसानों को किसी भी सूरत में परेशानी नहीं होनी चाहिए। मौसम को देखते हुए उनके लिए छाया, पानी व बैठने समेत हर जरूरी व्यवस्थाएं समय पर पूरी कर ली जाएं।

इस साल काफी अच्छी फसल तैयार

प्रवक्ता ने बताया कि किसानों ने इस साल काफी अच्छी फसल तैयार की है। इसके लिए कृषि विभाग ने उन्हें पर्याप्त मात्रा में बीज भी उपलब्ध कराए थे। सरकार ने निर्देशित किया है कि पर्याप्त मात्रा में खरीद कर ली जाए, जिससे किसानों को किसी प्रकार का नुकसान न उठाना पड़े। खाद्य व रसद विभाग ने 30 लाख टन खरीद का लक्ष्य रखा था, लेकिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसे 50 लाख मीट्रिक टन किए जाने का निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री ने 48 घंटे के भीतर डीबीटी के माध्यम से किसानों को भुगतान के भी निर्देश दिए हैं। बिचौलियों का हस्तक्षेप न रहे, इसलिए सारा सिस्टम ऑनलाइन कर दिया गया है।

कैसे कराएं पंजीकरण-नवीनीकरण?

खाद्य एवं रसद विभाग के अधिकारियों ने बताया कि जिन किसानों ने गेहूं बिक्री के लिए अभी तक पंजीकरण या नवीनीकरण नहीं कराया है, वे विभाग के अथवा यूपी किसान मित्र पोर्टल पर पंजीकरण-नवीनीकरण करा सकते हैं। गेहूं बिक्री के लिए इस पोर्टल/मोबाइल ऐप पर पंजीकरण अनिवार्य है। गेहूं बिक्री के दौरान यदि कोई समस्या होती है तो किसान टोल फ्री नंबर 18001800150 पर जानकारी दे सकते हैं। इसका निस्तारण अधिकारियों द्वारा सुनिश्चित कराई जाएगी। इस बार प्रदेश में गेहूं खरीद 30 मार्च से 15 जून तक न्यूनतम समर्थन मूल्य 2585 रुपये प्रति कुंतल पर की जाएगी।

डीमैट खातों को डी-फ्रीज करने का अधिकार एनसीएलटी के पास, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज को झटका

नई दिल्ली,(ईएमएस)। क्या किसी कंपनी के डीमैट अकाउंट फ्रीज होने से उसकी दिवालिया प्रक्रिया रुक सकती है? इस बात पर अब तस्वीर साफ हो चुकी है। देश के कॉर्पोरेट कानून ढांचे में एक महत्वपूर्ण फैसले में, राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय अधिकरण ने बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज की दलीलों को खारिज कर स्पष्ट कर दिया हैं कि दिवालिया प्रक्रिया के दौरान डीमैट खातों को डी-फ्रीज करने का अधिकार एनसीएलटी के पास है। यह विवाद दो कंपनियों फ्यूचर कॉर्पोरेट रिसोर्सेज और लिज ट्रेडर्स एंड एजेंट्स से जुड़ा था। इन कंपनियों के डीमैट अकाउंट्स को बीएसई ने फ्रीज किया था। इसकी वजह थी सालाना लिस्टिंग फीस का भुगतान न करना, एलओडीआर नियमों का उल्लंघन और जुर्माने की बकाया राशि। (सीआईआरपी) से गुजर रही थीं, तब उनके रेजोल्यूशन प्रोफेशनल्स और लिक्विडेटर्स ने एनसीएलटी में अपील की। उनका मकसद था कि डीमैट अकाउंट डी-फ्रीज किए जाएं, ताकि उसमें मौजूद शेयर बेचकर कर्जदाताओं को भुगतान कर सके। मुंबई स्थित राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण ने अलग-अलग आदेशों में बीएसई को इन अकाउंट्स को डी-फ्रीज करने का निर्देश दिया था।

राज्यसभा से हो रही दिग्गी राजा की विदाई, लेकिन सियासी गलियारों में अगले कदम पर नजर

नई दिल्ली,(ईएमएस)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सियासी गलियारे में दिग्गी राजा के नाम से मशहूर दिग्विजय सिंह की राज्यसभा की पारी अगले महीने समाप्त होने वाली है। लेकिन सियासी हलकों में बड़ा सवाल यही है कि राज्यसभा से विदाई के बाद वे क्या करने वाले है। मध्य प्रदेश के दो बार मुख्यमंत्री और एआईसीसी महासचिव रहे दिग्विजय कांग्रेस पार्टी के अहम सिपहसालार तथा रणनीतिकार की भूमिका में रहे हैं। वे भले ही 79 साल की उम्र में प्रवेश कर चुके हैं, लेकिन अनुशासित जीवनशैली ने उन्हें आज भी पूरी तरह से चुस्त और तंदुरुस्त बनाए रखा है। दिग्गी राजा के बेटे जयवर्द्धन सिंह मध्य प्रदेश की राजनीति में जड़ें जमा चुके हैं। इसके बाद अपने गृह प्रदेश में उनके लिए गुंजाइश थोड़ी कम हो गई है। राष्ट्रीय राजनीति में भी दिग्विजय के लायक कोई ओहदा खाली दिखाई नहीं दे रहा। बात दें कि सितंबर-अक्टूबर 2022 को पार्टी हाईकमान के खिलाफ अशोक गेहलोत की अप्रत्याशित बगावत ने दिग्विजय के लिए अखिल भारतीय कांग्रेस समिति का 88वां अध्यक्ष बनने की राह अचानक से खोल दी थी। तब उन्हें राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा को छोड़कर आनन-फानन में दिल्ली आना पड़ा था। यह सियासी विडंबना ही थी कि दिग्विजय ने जिस वरिष्ठ नेता मल्लिकार्जुन खरगे से आशीर्वाद मांगा, कुछ घंटों बाद वे अध्यक्ष पद के लिए उन्हीं के नाम का अनुमोदन करते दिखाई दिए।

अनौपचारिक वार्ताओं में राहुल गांधी को यह मशविरा दिया गया है कि बहुसंख्यक समुदाय के बीच पार्टी की पैठ बनाने के लिए दिग्विजय की सेवाओं का इस्तेमाल विभिन्न साधु-संतों, गुरुओं और हिंदू धर्माचार्यों को जोड़ने वाले एक सेतु के रूप में हो सकता है।

ममता बोलीं- बीजेपी कैश-गैस बंद कर देगी:केरल में राहुल बोले- मोदी ट्रम्प के दबाव में, इसी तरह पिनाराई पर पीएम का दबाव

कोलकाता/गुवाहाटी/चेन्नई/पुडुचेरी: देश के 5 राज्यों में अप्रैल में चुनाव हैं। सभी राज्यों में पार्टियों की जनसभा, रैली और प्रत्याशियों का जनसंपर्क जारी है। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने बेल्दा में चुनावी सभा में कहा- भाजपा समाज के सभी वर्गों के बीच झगड़ा भड़का रही है। चुनाव के बाद गैस और कैश देना बंद कर देगी। भाजपा देश लूटना चाहती है। इधर, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी आज केरल दौरे पर हैं। उन्होंने पतनमतिट्टा में चुनावी सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा- सच तो यह है कि नरेंद्र मोदी, डोनाल्ड ट्रम्प के दबाव में हैं, यह बात हर कोई जानता है। ठीक इसी तरह, नरेंद्र मोदी आपके मुख्यमंत्री को भी अपने इशारों पर नचाते हैं।

प्रियंका बोलीं- केरल की जनता सब जानती है

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने कहा- केरल की जनता जमीनी सच्चाई अच्छी तरह जानती। किसी भी बयान से हकीकत नहीं बदलेगी। पूरा केरल जानता है कि असली गठबंधन किसके बीच है। प्रधानमंत्री कुछ भी कहें, सच सबको पता है।

गोगोई बोले- असम में 10 साल से डबल इंजन की सरकार, फिर घुसपैठ क्यों

असम के दक्षिण सलमारा-मानकाचर पहुंचे असम कांग्रेस के अध्यक्ष और जोरहाट विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस उम्मीदवार गौरव गोगोई ने कहा- पिछले 10 सालों से असम में कांग्रेस की सरकार सत्ता में नहीं है। पिछले 10 सालों से यहां 'डबल-इंजन' की सरकार चल रही है। लेकिन फिर भी घुसपैठ क्यों हो रही है? सीमा पार से मवेशियों की तस्करी अभी भी क्यों हो रही है? यहां नशीले पदार्थों और सुपारी का सिंडिकेट अभी भी कैसे चल रहा है? हम जानना चाहते हैं कि राज्य सरकार इन मामलों पर क्या कदम उठाएगी।

डीएमके प्रवक्ता बोले- भाजपा हिंदू समर्थक पार्टी

डीएमके के प्रवक्ता टीकेएस एलंगोवन ने कहा है कि तमिनलाडु की लगभग सभी राजनीतिक पार्टियां जो समाज के सभी वर्गों का प्रतिनिधित्व करती हैं, वे सभी हमारा समर्थन कर रही हैं। भाजपा एक हिंदू-समर्थक पार्टी है, जो तमिल लोगों की इच्छाओं और उनकी परंपराओं के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि TVK प्रमुख विजय रोडशो कर रहे हैं, लेकिन कोई भी अभिनेता जहां जाएगा, लोग वहां जाएंगे। किसी भी अभिनेता के लिए यह सामान्य बात है। हमें नतीजा पता है। हमने तमिलनाडु में कई अभिनेताओं को राजनीति में आते देखा है। असम के मोरीगांव में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने कहा- अब समय बदल गया है। अब असम के लोग उन लोगों को सजा देते हैं जो इसकी शान के प्रतीकों के साथ खिलवाड़ करते हैं। कुछ दिन पहले गणतंत्र दिवस पर मैं एक कार्यक्रम में मौजूद था। जब राहुल गांधी को असम की शान 'गमोछा' भेंट किया गया, तो उन्होंने उसे उतारकर एक तरफ रख दिया। असम के लोगों को यह पता होना चाहिए कि जो व्यक्ति उस 'गमोछा' का अपमान करता है, वह मस्जिद जाने से पहले 'स्कल कैप' पहनना नहीं भूलता।

सुप्रिया बोलीं- हिमंता सरकार भ्रष्टाचार में दबी

असम के गुवाहाटी पहुंची कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा- हमें पूरा भरोसा है कि असम में हमारा प्रदर्शन बहुत अच्छा रहेगा, क्योंकि यहां पिछले 10 सालों से एक ही सरकार, बीजेपी की सरकार है। हिमंता सरकार भ्रष्टाचार में दबी हुई है। इस सरकार के कार्यकाल में अनगिनत घोटाले हुए हैं। पिछले 10 सालों में हिमंत बिस्वा सरमा और उनके परिवार की संपत्ति में 665% की चौंका देने वाली दर से बढ़ोतरी हुई है।

ट्रंप का दावा- ईरान से हो गई डील, अब होर्मुज से गुजरेंगे अमेरिका के 20 तेल टैंकर?

वॉशिंगटन,(ईएमएस)। ईरान और अमेरिका के बीच जारी भीषण सैन्य तनाव और होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों की आवाजाही ठप होने के बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक चौंकाने वाला दावा किया है। ट्रंप का कहना है कि ईरान ने सम्मान के संकेत के तौर पर अमेरिका को 20 विशाल तेल टैंकर भेजने का निर्णय लिया है। राष्ट्रपति के अनुसार, ये टैंकर सोमवार सुबह से होर्मुज के रास्ते गुजरना शुरू होंगे। एयर फोर्स वन में पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने इसे एक सकारात्मक कदम बताया और कहा कि ईरान अब बातचीत के लिए गंभीर नजर आ रहा है। ट्रंप ने पहले 10 टैंकरों की बात कही थी, लेकिन अब उनकी संख्या बढ़कर 20 हो गई है, जो सीधे अमेरिका की ओर बढ़ेंगे। इस पूरी कूटनीतिक हलचल के केंद्र में पाकिस्तान की भूमिका भी महत्वपूर्ण बनकर उभरी है। ट्रंप ने दावा किया कि पाकिस्तान के माध्यम से ईरान के साथ बातचीत काफी सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रही है और अमेरिका इस समय बेहद मजबूत स्थिति में है। उनके मुताबिक, युद्ध खत्म करने के लिए अमेरिका द्वारा रखी गई 15 शर्तों में से ज्यादातर पर ईरान ने अपनी सहमति दे दी है। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि अभी किसी अंतिम समझौते पर मुहर नहीं लगी है, लेकिन उन्हें पूरा भरोसा है कि जल्द ही कोई बड़ा समाधान निकल सकता है। गौरतलब है कि इस्लामाबाद में हाल ही में मिस्र, तुर्की, सऊदी अरब और पाकिस्तान के विदेश मंत्रियों की एक उच्च स्तरीय बैठक हुई थी, जिसमें सभी देशों ने एक सुर में कहा कि युद्ध किसी के हित में नहीं है और इसके वैश्विक परिणाम विनाशकारी होंगे।

एक तरफ जहां ट्रंप समझौते की उम्मीद जता रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ उनके कड़े तेवर भी बरकरार हैं। उन्होंने एक बार फिर ईरान के रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण खर्ग द्वीप पर सैन्य कार्रवाई की धमकी दी है। खर्ग द्वीप वह स्थान है जहां से ईरान का लगभग 90 प्रतिशत तेल निर्यात होता है। ट्रंप ने संकेत दिया कि अमेरिका इस द्वीप को अपने कब्जे में लेने के विकल्प पर विचार कर रहा है, जिसके लिए वहां लंबे समय तक अमेरिकी सैन्य उपस्थिति अनिवार्य होगी। इस धमकी पर ईरान ने भी तीखी प्रतिक्रिया दी है। ईरानी सैन्य कमांडरों ने चेतावनी दी है कि यदि अमेरिकी सैनिकों ने उनके क्षेत्र में कदम रखा, तो उन्हें भयावह अंजाम भुगतने होंगे। ट्रंप ने अपने संबोधन में एक और सनसनीखेज दावा करते हुए कहा कि ईरान के भीतर सत्ता परिवर्तन की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और वहां नई शक्तियां उभर रही हैं। उनके अनुसार, पुराने नेतृत्व का प्रभाव खत्म हो रहा है और अब नए समूहों के साथ बातचीत चल रही है। हालांकि, इस दावे की अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है। फिलहाल, पूरी दुनिया की नजरें होर्मुज जलडमरूमध्य पर टिकी हैं कि क्या वास्तव में तेल टैंकरों की यह आवाजाही इस क्षेत्र में शांति का नया रास्ता खोलेगी या तनाव की आग और भड़केगी।

जब खुले मंच से, ट्रंप ने कह दिया.... उन्हें उम्मीद नहीं थी कि एमबीएस उनकी इतनी चापलूसी कर सकते

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मियामी में हुए हाई-प्रोफाइल निवेश शिखर सम्मेलन में सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान (एमबीएस) को लेकर चौंकाने वाला बयान दे दिया। ट्रंप ने कहा कि उन्हें उम्मीद नहीं थी कि एमबीएस उनकी इतनी चापलूसी कर सकते हैं, लेकिन अब ऐसा करना पड़ रहा है। इस बयान का मंच भी खास था—सऊदी अरब के सोवरन वेल्थ फंड द्वारा समर्थित फ्यूचर इन्वेस्टमेंट इनिशिएटिव, जिसमें दुनिया भर के निवेशक शामिल थे। ट्रंप की यह टिप्पणी अमेरिका-सऊदी रिश्तों और खाड़ी क्षेत्र में शक्ति संतुलन की असली तस्वीर दिखाती है। इस मौके पर ट्रंप ने एमबीएस के साथ अपने व्यक्तिगत संबंधों और बातचीत का जिक्र किया, जिसमें क्राउन प्रिंस ने ईरान के खिलाफ अमेरिकी कदमों को जारी रखने की सलाह दी। रिपोर्ट के मुताबिक, एमबीएस ने ईरान के ऊर्जा ढांचे को निशाना बनाने जैसे कड़े कदमों का सुझाव दिया। हालांकि, सऊदी अरब ने सार्वजनिक रूप से इस बात से इंकार किया कि वह युद्ध को बढ़ावा दे रहा है और कहा कि वह शांतिपूर्ण समाधान और अपनी सुरक्षा को प्राथमिकता देता है। इस बयान के पीछे अमेरिका और सऊदी अरब के 80 साल पुराने गठजोड़ का संदर्भ भी है। 1945 में राष्ट्रपति फ्रैंकलिन डी.रूजवेल्ट और किंग अब्दुल अजीज की ऐतिहासिक बैठक से शुरू हुआ यह रिश्ता अमेरिका को सुरक्षा और सऊदी अरब को रणनीतिक स्थिरता देता है। ट्रंप ने सार्वजनिक रूप से एमबीएस का मजाक उड़ाया, लेकिन उनकी टिप्पणियों से यह साफ है कि वे खाड़ी देशों के अपने सहयोगियों के साथ मजबूती से खड़े हैं। उन्होंने कहा कि सऊदी अरब, कतर और यूएई जैसे देश ईरान संघर्ष के दौरान अमेरिका के साथ मजबूती से खड़े रहे, यहां तक कि नाटो सहयोगियों से भी अधिक समर्थन दिखाया। यह बयान वैश्विक राजनीति और तेल बाजारों पर असर डाल सकता है, क्योंकि मध्य पूर्व में तनाव अपने चरम पर है। ट्रंप की बेबाक टिप्पणी केवल व्यक्तिगत रिश्तों का खुलासा नहीं बल्कि अमेरिका-सऊदी रणनीतिक निर्भरता और मध्य पूर्व की जटिल राजनीतिक स्थिति का भी संकेत देती है। उनके इस बयान ने निवेशकों और राजनयिकों के लिए कई नई चुनौतियां और संभावनाएं पैदा कर दी हैं, और वैश्विक समुदाय की निगाहें अब खाड़ी क्षेत्र पर और अधिक केंद्रित हो गई हैं। कुल मिलाकर, ट्रंप ने मंच से सार्वजनिक रूप से बताया कि एमबीएस उनके प्रति व्यक्तिगत रूप से चापलूसी कर रहे हैं, लेकिन साथ ही अमेरिका-सऊदी रणनीतिक सहयोग मजबूत बना हुआ है, और मध्य पूर्व में संतुलन बनाए रखने में दोनों देशों की भूमिका अहम है।

नेस्ले की किटकैट चॉकलेट से भरा ट्रक चोरी, सोशल मीडिया पर यूजर्स ले रहे मजे

इटली की एक फैक्ट्री से पॉलैंड के लिए निकला ट्रक बीच रास्ते में लूट लिया गया। यह खबर इस समय दुनिया भर में चर्चा का विषय बनी हुई है। ट्रक में 12 टन चॉकलेट लदी हुई थी। नेस्ले किटकैट की चॉकलेट। कुल 4 लाख 13 हजार से ज्यादा चॉकलेट के पैकेट थे, लेकिन मंजिल पर पहुंचने से पहले ही यह ट्रक और इसमें लदी करोड़ों की चॉकलेट गायब हो गई। इसको लेकर सोशल मीडिया पर यूजर्स खूब मजे ले रहे हैं। कुछ लोग इसे अब तक की सबसे 'मीठी' डकैती बता रहे हैं। जब खबर बाहर आई तो खुद नेस्ले कंपनी ने अपने ही विज्ञापन का मजाक उड़ाते हुए कहा कि हमने दुनिया को 'ब्रेक' लेने को कहा था, लेकिन चोरों ने तो कुछ ज्यादा ही गंभीरता से ले लिया और 12 टन चॉकलेट के साथ ही रफूचक्कर हो गए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक चोरों ने ट्रक चुराने से पहले पूरे रूट की रेकी की थी। उन्हें पता था कि ईस्टर का समय नजदीक है और इस वक्त चॉकलेट की मांग आसमान पर होती है। यह एक सोची-समझी कॉर्पोरेट चोरी जैसा मामला था। इटली से निकलने के बाद ट्रक का जीपीएस सिस्टम जाम कर दिया गया और ड्राइवर का भी कोई सुराग नहीं मिला। जैसे ही यह खबर सोशल मीडिया पर फैली, इंटरनेट पर मीम्स की बाढ़ आ गई। किसी ने इसे 'फास्ट एंड फ्यूरियस' फिल्म का असली सीन बताया तो किसी ने कहा कि अब तो ब्लैक मार्केट में भी 'ब्रेक' मिलेगा, लेकिन नेस्ले के लिए यह मजाक नहीं था। उन्हें डर था कि ये चोरी हुई चॉकलेट्स अब अवैध रास्तों से बेची जाएंगी, जिससे ब्रांड की साख गिर सकती है। रिपोर्ट के मुताबिक नेस्ले एक बड़ी कंपनी है। इसकी मार्केट वैल्यू अरबों डॉलर में है। उसके लिए 12 टन माल गायब होना सिर्फ पैसों का नुकसान नहीं था। यह उनके डिस्ट्रिब्यूशन नेटवर्क की सुरक्षा पर एक बड़ा तमाचा था। किटकैट किफायती दाम, क्रिस्पी स्वाद और हर छोटी दुकान तक पहुंच रखती है।

नेतन्याहू ने बदल दिया नक्शा, लेबनान की लितानी नदी तक सुरक्षा घेरा बनाएगा इजरायल

तेल अवीव,(ईएमएस)। इजरायल और ईरान के बीच बढ़ता तनाव अब एक ऐसे निर्णायक मोड़ पर पहुंच गया है, जहां से मध्य-पूर्व का भूगोल हमेशा के लिए बदलता हुआ दिखाई दे रहा है। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने एक बेहद आक्रामक और रणनीतिक फैसले का एलान किया है, जिसने तेहरान से लेकर बेरूत तक खलबली मचा दी है। नेतन्याहू ने अपनी सेना को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि वे लेबनान की सीमा के भीतर घुसकर लितानी नदी तक एक अभेद्य बफर जोन यानी सुरक्षा घेरा तैयार करें। इस कदम से यह साफ हो गया है कि इजरायल अब महज बचाव की मुद्रा में नहीं है, बल्कि वह दुश्मन के नियंत्रण वाले इलाके में घुसकर अपना वर्चस्व स्थापित कर रहा है ताकि भविष्य में उसकी उत्तरी सीमा पर कोई खतरा न मंडरा सके। नेतन्याहू के इस फैसले ने सबसे ज्यादा चिंता ईरान की बढ़ा दी है। ईरान की क्षेत्रीय रणनीति काफी हद तक उसके छद्म गुटों (प्रॉक्सी) पर टिकी है, जिनमें लेबनान का हिजबुल्लाह सबसे शक्तिशाली मोहरा रहा है। दक्षिणी लेबनान में लितानी नदी के किनारे का इलाका दशकों से हिजबुल्लाह का सुरक्षित ठिकाना रहा है, जहां उसने सुरंगों, बंकरों और घने जंगलों का जाल बिछा रखा था। इसी क्षेत्र का उपयोग इजरायली शहरों पर रॉकेट, एंटी-टैंक मिसाइलें और ड्रोन दागने के लिए लॉन्चिंग पैड के रूप में किया जाता रहा है। अब यदि इजरायली सेना लितानी नदी तक के पूरे क्षेत्र को अपने नियंत्रण में लेकर वहां बफर जोन बना देती है, तो हिजबुल्लाह के पास हमले के लिए कोई प्रभावी जमीन नहीं बचेगी। ईरान ने हिजबुल्लाह को सशक्त बनाने में जो अरबों डॉलर और दशकों का निवेश किया था, वह इजरायल के इस एक सैन्य निर्णय से धराशायी होता दिख रहा है। प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने स्पष्ट किया है कि इजरायल ने युद्ध की अपनी पूरी नीति बदल दी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि वे अब हमलों का इंतजार करने के बजाय दुश्मन को चौंकाने की रणनीति पर काम कर रहे हैं। इजरायल ने अब दुश्मन के क्षेत्रों में तीन बड़े बफर जोन—गाजा, लेबनान और सीरिया—विकसित कर लिए हैं। नेतन्याहू का यह संदेश पूरी दुनिया के लिए साफ है कि इजरायल अब रक्षात्मक घेरे से बाहर निकलकर दुश्मन के घर के भीतर तक पहुंच चुका है और मिडिल-ईस्ट का चेहरा बदलने की अपनी प्रतिबद्धता को हकीकत में बदल रहा है। रणनीतिक रूप से लितानी नदी का महत्व अत्यधिक है। यह नदी इजरायल की उत्तरी सीमा से लगभग 30 किलोमीटर अंदर लेबनान के हृदय क्षेत्र में बहती है और एक प्राकृतिक रक्षा रेखा का कार्य करती है। साल 2006 के युद्ध के बाद संयुक्त राष्ट्र ने भी यह प्रस्ताव दिया था कि इस क्षेत्र को हथियारबंद गुटों से मुक्त रखा जाए, लेकिन हिजबुल्लाह ने कभी इसका पालन नहीं किया। अब इजरायल ने किसी अंतरराष्ट्रीय समझौते की प्रतीक्षा करने के बजाय अपनी सैन्य शक्ति के दम पर इस इलाके को खाली कराने का संकल्प लिया है।

ईरान में तख्तापलट का ख्वाब देख रहे ट्रंप के खिलाफ ही लाखों लोग सड़कों पर उतरे

वाशिंगटन,(ईएमएस)। ईरान में तख्तापलट और बगावत का ख्वाब देख रहे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अपने ही देश में विरोध का सामना करना पड़ा रहा है। 'नो किंग्स' आंदोलन के तहत अमेरिका के 3,200 स्थानों पर 90 लाख लोग सड़कों पर उतर आए। तानाशाही रवैये और युद्ध नीतियों के खिलाफ भड़का यह आक्रोश अब ट्रंप की कुर्सी के लिए खतरा बन गया है। अमेरिका में ट्रंप की नीतियों के खिलाफ जन-आक्रोश की एक नई लहर देखने को मिली है। शनिवार को अमेरिका के सभी 50 राज्यों समेत दुनिया के कई प्रमुख शहरों में नो किंग्स विरोध प्रदर्शन हुए। आयोजकों का दावा है कि यह अमेरिकी इतिहास के सबसे बड़े विरोध प्रदर्शनों में से एक है। इस बार के प्रदर्शनों के केंद्र में तीन मुख्य मुद्दे हैं- पिछले चार हफ्तों से ईरान के साथ चल रहे सैन्य संघर्ष और अमेरिकी सैन्य हस्तक्षेप का कड़ा विरोध। विशेष रूप से मिनेसोटा में संघीय एजेंटों द्वारा रेनी गुड और एलेक्स प्रेटी की मौत के बाद गुस्सा चरम पर है। वहीं प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि ट्रंप प्रशासन निरंकुश तरीके से काम कर रहा है और संवैधानिक मर्यादाओं को चुनौती दे रहा है। यह आंदोलन केवल बड़े शहरों तक सीमित नहीं रहा। देशभर में 3,200 से ज्यादा कार्यक्रम आयोजित किए गए। रिपोर्ट के मुताबिक न्यूयॉर्क में टाइम्स स्क्वायर पर हजारों की भीड़ ने लोकतंत्र बचाओ के नारे

लगाए। वहीं मिनेसोटा में यह विरोध का प्रतीकात्मक केंद्र बना। यहां रॉक स्टार ब्रूस स्प्रिंगस्टीन ने गाना गाकर उन लोगों को श्रद्धांजलि दी जो अप्रवासन कार्रवाई में मारे गए थे। न्यूजर्सी में समृद्ध उपनगरीय इलाकों में भी 'सॉकर मॉम्स' और कामकाजी वर्ग सड़कों पर उतरा जो पारंपरिक रूप से राजनीति से दूर रहते थे। इस आंदोलन का नाम ही इसके उद्देश्य को स्पष्ट करता है कोई राजा नहीं। प्रदर्शनकारी राष्ट्रपति ट्रंप की 'कार्यकारी शक्तियों' के बढ़ते उपयोग को राजशाही के समान मानते हैं। उनका तर्क है कि अमेरिका एक लोकतंत्र है जहां कानून सर्वोपरि है न कि कोई व्यक्ति। रिपोर्ट के मुताबिक निश्चित रूप से यह प्रदर्शन आगामी मिड-टर्म चुनावों से पहले हो रहे हैं। न्यूजर्सी जैसे राज्यों में जहां रिपब्लिकन मजबूत थे अब मतदाता का डेमोक्रेटिक की तरफ झुकाव दिखा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि उपनगरीय क्षेत्रों में बढ़ता यह आक्रोश कांग्रेस पर रिपब्लिकन नियंत्रण को खत्म कर सकता है। लंदन, पेरिस और रोम जैसे शहरों में भी ट्रंप विरोधी रैलियां निकाली गई। यह दर्शाता है कि अमेरिकी विदेश नीति खासकर ईरान युद्ध को लेकर वैश्विक स्तर पर चिंता और विरोध बढ़ रहा है। दुनिया भर के लोग दक्षिणपंथी राजनीति के बढ़ते प्रभाव के खिलाफ एकजुट हो रहे हैं। जहां एक ओर डेमोक्रेटिक सीनेटर बर्नी सैंडर्स और मिनेसोटा के गवर्नर टिम वाल्ज़ ने इन प्रदर्शनों को लोकतांत्रिक मूल्यों की जीत बताया, वहीं व्हाइट हाउस ने इसे राजनीति से प्रेरित करार दिया है। लॉस एंजिल्स जैसे कुछ स्थानों पर झड़पें भी हुईं जहां पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े। कुल मिलाकर प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहा।

एशिया में नई जंग की आहटः जापान ने चीन की दहलीज तक तैनात कीं लंबी दूरी की मिसाइलें

टोक्यो(ईएमएस)। एक ओर जहाँ पश्चिम एशिया में अमेरिका और इजरायल की ईरान के साथ जंग ने दुनिया को दहला रखा है, वहीं अब सुदूर पूर्व एशिया में भी एक नया और खतरनाक सैन्य मोर्चा खुलता नजर आ रहा है। जापान ने अपनी रक्षा नीति में ऐतिहासिक बदलाव करते हुए आक्रामक अंदाज में लॉन्ग-रेंज मिसाइलों की तैनाती शुरू कर दी है, जिसका सीधा निशाना चीन का मुख्य भूभाग है। जापान के अपग्रेडेड टाइप-12 मिसाइल सिस्टम, जिनकी मारक क्षमता अब 1000 किलोमीटर तक बढ़ाई जा चुकी है, चीन के रणनीतिक ठिकानों तक वार करने में सक्षम हैं। जापान की प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची के हालिया संकेतों ने बीजिंग की चिंता बढ़ा दी है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि ताइवान के खिलाफ चीन की किसी भी सैन्य कार्रवाई का जवाब जापान सैन्य स्तर पर दे सकता है। जापान की नई योजना में राष्ट्रीय सुरक्षा नीति में संशोधन कर मानवरहित घातक हथियारों और लंबी दूरी की मिसाइलों के जरिए अपनी सैन्य शक्ति को कई गुना बढ़ाना शामिल है। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि जापान का यह कदम एशिया-प्रशांत क्षेत्र में शक्ति संतुलन को पूरी तरह बदल सकता है। इन मिसाइलों की तैनाती कुमामोटो प्रान्त के कैंप केंगुन में की जा रही है, जहाँ भारी-भरकम मिसाइल लॉन्चर्स को आधी रात के अंधेरे में बेहद गोपनीय

तरीके से पहुँचाया गया। विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह गुपचुप तरीके से की गई सैन्य गतिविधि कोई सामान्य प्रक्रिया नहीं, बल्कि एक बड़ी रणनीतिक चेतावनी है। सरकार द्वारा पहले से कोई सूचना न दिए जाने के कारण स्थानीय स्तर पर विरोध भी शुरू हो गया है, लेकिन टोक्यो ने स्पष्ट कर दिया है कि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए अब आक्रामक तैयारी ही एकमात्र विकल्प है। कुमामोटो के गवर्नर ताकाशी किमुरा ने इस गोपनीयता पर कड़ी नाराजगी जताते हुए कहा कि उन्हें इस महत्वपूर्ण तैनाती के बारे में मीडिया रिपोर्टों से पता चला, जो निराशाजनक है। इसके जवाब में क्षेत्रीय रक्षा ब्यूरो ने घोषणा की है कि 31 मार्च को पूर्ण तैनाती से पहले स्थानीय प्रतिनिधियों को उपकरणों की प्रदर्शनी के लिए आमंत्रित किया जाएगा, हालांकि किसी सार्वजनिक चर्चा की योजना नहीं है। रक्षा मंत्रालय ने चीन के बढ़ते खतरे को देखते हुए इस तैनाती के कार्यक्रम को तय समय से एक साल पहले ही क्रियान्वित करने का फैसला लिया था। मित्सुबिशी हेवी इंडस्ट्रीज द्वारा विकसित यह टाइप-12 मिसाइल अपनी मूल 200 किलोमीटर की क्षमता से पांच गुना अधिक शक्तिशाली हो चुकी है। जापान द्वारा दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र में यह सैन्य घेराबंदी ऐसे समय में की जा रही है जब ताइवान के आसपास चीन की गतिविधियां चरम पर हैं। जापान ने ओकिनावा, इशिगाकी और मियाको जैसे द्वीपों पर पहले ही पीएसी-3 इंटरसेप्टर तैनात कर दिए हैं और आने वाले वर्षों में योनागुनी द्वीप पर मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें तैनात करने की योजना है।

ईरान की राजधानी तेहरान और अलबोरज प्रांत में अमेरिका और इजरायल ने रविवार रात को हमला बोला जिससे इन इलाकों में बिजली गुल होने के साथ ही इमारतों में आग लग गयी, जिसके बाद आसमान में धूआं फैल गया।

बिना तैयारी के चौधरी बन रहे पाकिस्तान को झटका

इस्लामाबाद,(ईएमएस)। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव को कम करने के लिए पाकिस्तान की मध्यस्थता की कोशिशों को बड़ा झटका लगा है। इस्लामाबाद में आयोजित विदेश मंत्रियों की अहम बैठक बिना किसी ठोस नतीजे के समाप्त हो गई। यह बैठक 29–30 मार्च को दो दिनों तक चली थी, लेकिन यह एक ही दिन में खत्म हो गई। सम्मेलन में तुर्की, सऊदी अरब और मिस्र के विदेश मंत्रियों ने हिस्सा लिया। हालांकि कूटनीतिक सूत्रों के मुताबिक बैठक में किसी ठोस रोडमैप या कार्ययोजना पर सहमति नहीं बन सकी। इसकी सबसे बड़ी बाधा ईरान की सख्त शर्तें रहीं, सूत्रों का कहना है कि बैठक में शामिल किसी भी देश ने ईरान की मुख्य चिंताओं को दूर करने को लेकर कोई ठोस भरोसा नहीं जताया। जिस बैठक का उद्देश्य इस युद्ध को खत्म कराने के लिए समझौता कराना था, वहां वक्त से पहले खत्म हो गई। इसका असर यह हुआ कि सऊदी अरब और मिस्र के विदेश मंत्री 29 मार्च को ही बैठक छोड़कर रवाना हो गए, जिससे सम्मेलन तय समय से पहले ही खत्म हुआ। इन देशों का मानना था कि किसी भी प्रस्ताव को आगे बढ़ाने से पहले सीधे अमेरिका से चर्चा जरूरी है। खासतौर पर सऊदी अरब ने पाकिस्तान और तुर्की के इस दावे का पूरी तरह समर्थन करने में हिचक दिखाई कि वे अमेरिका और ईरान के बीच सफल मध्यस्थता कर सकते हैं।

ईरान का कुवैत के पानी प्लांट पर हमला, भारतीय की मौत, अब तक 8 भारतीयों की गई जान

कुवैत सिटी,(ईएमएस)। कुवैत सरकार ने घोषणा की है कि सोमवार तड़के ईरान की ओर से किए गए हमले में कुवैत के एक बिजली और जल डिसेलिनेशन संयंत्र पर काम कर रहे एक भारतीय कर्मचारी की मौत हो गई। इस घटना के साथ ही पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष में मारे गए भारतीय नागरिकों की संख्या बढ़कर आठ हो गई है। कुवैत के बिजली और जल मंत्रालय ने एक्स पर पुष्टि की कि ईरान के हमले में संयंत्र की एक सेवा इमारत को भी नुकसान पहुंचा और इसे खाड़ी राष्ट्र के खिलाफ 'ईरानी आक्रमण' की कड़ी निंदा की। मंत्रालय ने कहा कि इस हमले में एक भारतीय नागरिक की मौत हो गई और इमारत को गंभीर क्षति पहुंची। अधिकारियों ने बताया कि आपातकालीन और तकनीकी प्रतिक्रिया टीमों को तुरंत मौके पर भेजा गया ताकि स्थिति को नियंत्रित किया जा सके, साथ ही नुकसान को कम किया जा सके और संयंत्र के संचालन में बड़े व्यवधान से बचा जा सके। मंत्रालय ने जोर दिया कि 'बिजली और जल अवसंरचना की सुरक्षा और स्थिरता सर्वोच्च प्राथमिकता हैं और तकनीकी टीमें किसी भी आगे के जोखिम की आशंका के लिए सक्रिय रूप से काम कर रही हैं ताकि आवश्यक सेवाओं की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। यह घटना संयुक्त अरब अमीरात में हाल ही में हुई एक दुखद घटना के कुछ दिन हुई है, जिसमें पिछले गुरुवार को अबू धाबी में एक भारतीय नागरिक की मौत हो गई थी, जब एक बैलिस्टिक मिसाइल को इंटरसेप्ट किया गया और मलबा गिरने की वजह से वह घायल हो गया था। भारतीय दूतावास ने कहा था कि वह 'यूएई अधिकारियों के साथ निकटता से काम कर रहा है ताकि प्रभावित लोगों को सभी संभव समर्थन और मदद दी जा सके। बता दें यह संघर्ष अब अपने पांचवें सप्ताह में प्रवेश कर चुका है और यह तब शुरू हुआ जब संयुक्त राज्य अमेरिका और इजराइल ने ईरान पर हमले किए जिससे क्षेत्र में तनाव बढ़ गया। इसके बाद, ईरानी बलों ने इजराइल और खाड़ी देशों में अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाकर ड्रोन और मिसाइल हमले किए, जिससे क्षेत्र में जनहानि हुई और अहम बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुंचा।

जापान ने दिखाई सैन्य ताकत लॉन्ग-रेंज मिसाइल की तैनात, चीन की उड़ी नींद

टोक्यो,(ईएमएस)। ईरान के खिलाफ अमेरिका-इजराइल ने जंग छेड़ रखी है, वहीं एशिया में एक नया मोर्चा खुलता नजर आ रहा है। जापान ने अब अपनी सैन्य ताकत को आक्रामक अंदाज में आगे बढ़ाते हुए लॉन्ग-रेंज मिसाइल तैनात कर दी है, जिसका सीधा निशाना है चीन है। जापान के अपग्रेडेड टाईप-12 मिसाइल करीब 1000 किलोमीटर तक वार करने में सक्षम हैं यानी ये मिसाइलें सीधे चीन के मुख्य भूभाग तक पहुंच सकती हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक लॉन्चर गुपचुप तरीके से रात के अंधेरे में पहुंचाए गए। मिसाइल लॉन्चर्स का आधी रात में पहुंचना कोई सामान्य सैन्य गतिविधि नहीं, बल्कि एक स्ट्रेटेजिक वॉर्निंग है। इससे स्थानीय लोगों को भनक तक नहीं लगी। सरकार ने इसके बार में पहले से कोई सूचना भी नहीं दी। इस कदम के खिलाफ स्थानीय स्तर पर विरोध भी शुरू हो गया है, लेकिन टोक्यो का रुख साफ है कि अब सुरक्षा के नाम पर आक्रामक तैयारी होगी। कुमामोटो के गवर्नर ने कहा कि हमें इस बारे में कभी कोई सूचना नहीं दी गई। यह बेहद निराशाजनक है कि हमें इस बारे में मीडिया रिपोर्टों से पता चला। इसके जवाब में क्यूशू के क्षेत्रीय रक्षा ब्यूरो ने घोषणा की कि वे अगले हफ़्ते कैंप में उपकरणों की प्रदर्शनी के लिए स्थानीय प्रतिनिधियों को आमंत्रित करेंगे, यह प्रदर्शनी 31 मार्च को तैनाती से पहले होगी। किसी भी टाउन हॉल मीटिंग की योजना नहीं है। रक्षा मंत्रालय ने पिछले साल ही तैनाती के कार्यक्रम को एक साल पहले कर दिया था। जापान द्वारा दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र में अपनी सैन्य शक्ति को तेजी से बढ़ाना ऐसे समय में हो रहा है जब ताइवान के आसपास तनाव बढ़ रहा है, ताइवान पर चीन अपना दावा करता है। मित्सुबिशी हेवी इंडस्ट्रीज़ द्वारा विकसित और निर्मित टाइप-12 मिसाइल की मारक क्षमता करीब 1,000 किमी है। यह इसकी मूल 200 किमी की मारक क्षमता से काफी ज्यादा है और यह मुख्य भूमि चीन तक पहुंचने में सक्षम है। जापान की प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची ने संकेत दिया है कि ताइवान के खिलाफ चीन की किसी भी सैन्य कार्रवाई के जवाब में जापान भी सैन्य कार्रवाई कर सकता है, उनकी योजना साल के अंत तक राष्ट्रीय सुरक्षा नीति में संशोधन करने, मानवरहित हथियारों और लंबी दूरी की मिसाइलों के जरिए जापान की सैन्य क्षमताओं को बढ़ाने, और रक्षा उद्योग को मजबूत करने के लिए घातक हथियारों के निर्यात पर लगी पाबंदियों को हटाने की है।

फिर आया सुप्रील लीडर मोजतबा खामेनेई का संदेश, ईराक के लोगों का किया शुक्रिया

-मोजतबा कहां हैं और उनकी हालत क्या है? मोसाद और अमेरिकी ड्रोन्स ढूंढ रहे

तेहरान,(ईएमएस)। ईरान के नए सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई का एक मैसेज सामने आया है, लेकिन हमेशा की तरह, इस बार भी न तो उनकी कोई तस्वीर दिखी, न कोई वीडियो सामने आया और न ही उनकी आवाज सुनाई दी। बस एक कागज का टुकड़ा, जिसे उनका संदेश बताकर दुनिया के सामने पेश किया गया। इससे पहले भी जब उनका मैसेज आया था, तब भी ऐसे ही कागज का टुकड़ा देखने को मिला था। आखिर ईरान के सुप्रीम लीडर किसे शुक्रिया कह रहे हैं, उनकी सेहत पर किस तरह की चर्चा है? मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मोजतबा खामेनेई ने ताजा मैसेज में इराक के धार्मिक नेताओं और वहां की जनता को धन्यवाद दिया है। मोजतबा ने इराक के लोगों को ईरान के खिलाफ हो रही आक्रामकता पर उनके स्पष्ट और मजबूत स्टैंड के लिए शुक्रिया कहा, लेकिन यह संदेश सीधे तौर पर नहीं

दिया गया। ईरानी मीडिया के मुताबिक बगदाद में इराक की 'सुप्रीम इस्लामिक असेंबली' के स्पीकर और ईरानी राजदूत के बीच एक बंद कमरे में गुपचुप मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान यह 'संदेश' एक इराकी अधिकारी के हाथ में दिया गया। मोजतबा खामेनेई हैं कहां और उनकी हालत क्या है? उनके जिंदा होने या पूरी तरह स्वस्थ होने पर दुनिया भर की खुफिया एजेंसियों को भारी शक है। 28 फरवरी को जब अमेरिका और इजराइल ने ईरान पर पहली बार भीषण एयरस्ट्राइक की थी, तो उसी दिन मोजतबा के पिता और तत्कालीन सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई मारे गए थे। हैरान करने वाली बात यह है कि एक महीना बीत जाने के बाद भी अयातुल्लाह अली खामेनेई को अब तक दफनाया नहीं गया है। इस रहस्यमयी खामोशी पर ट्रंप ने कुछ दिनों पहले कहा था कि मोजतबा खामेनेई या तो मर चुका है, या फिर उसकी हालत बहुत ज्यादा खराब है, क्योंकि किसी ने भी उसकी कोई खबर नहीं सुनी है। इजराइल ने बहुत पहले ही कसम खा ली थी कि मोजतबा सत्ता संभाले या न संभाले, वह इजरायली हिट-लिस्ट में सबसे ऊपर है। इजराइली खुफिया एजेंसी मोसाद और अमेरिकी ड्रोन्स आसमान में गिद्ध की तरह मोजतबा की एक झलक का इंतजार कर रहे हैं। अमेरिका के विदेश विभाग ने ईरान के 10 बड़े नेताओं के सिर पर 10-10 मिलियन डॉलर का इनाम रखा है। इस लिस्ट में मोजतबा खामेनेई भी शामिल है। अगर मोजतबा अपनी बंकर से बाहर निकले, तो उन्हें पता है कि आसमान से अगली मिसाइल सीधे उनके सिर पर गिरेगी। बता दें मार्च की शुरुआत में जब मोजतबा को आनन-फानन में ईरान का तीसरा सुप्रीम लीडर घोषित किया गया था, तब से लेकर आज तक सिर्फ उनके नाम से लिखे हुए 'कागज के टुकड़े' ही बाहर आ रहे हैं। इससे पहले भी उनके नाम से कई लिखित संदेश जारी किए जा चुके हैं, जिनमें सेना का हौसला बढ़ाने और इजराइल-अमेरिका को बर्बाद करने की बातें लिखी थीं, लेकिन राष्ट्रीय टेलीविजन पर उनका चेहरा एक बार भी नहीं दिखाया गया।

होर्मुज का जो सिस्टम अतीत में था, अब वह वैसा नहीं रहेगा, यह हमेशा हमारा रहेगा

अमेरिका सालों से ईरान में रिजीम चेंज के सपने देख रहा था, लेकिन ईरान ने बाजी पलटते हुए एक ऐसा रिजीम चेंज कर दिया है जिसने वाशिंगटन से लेकर तेल अवीव तक की नींद उड़ा दी है। बिना कोई मिसाइल दागे, ईरान ने दुनिया की अर्थव्यवस्था की सबसे नाजुक नस दबा दी है। ईरान के प्रथम उपराष्ट्रपति मोहम्मद रजा आरिफ ने अमेरिका को लेकर ऐसा ऐलान किया है, जो किसी भी परमाणु बम से ज्यादा खतरनाक है। उन्होंने कहा कि... हां, रिजीम चेंज हो गया है...लेकिन स्ट्रेट ऑफ होर्मुज का सिस्टम! होर्मुज का जो सिस्टम अतीत में था, अब वह वैसा नहीं रहेगा। यह हमेशा के लिए हमारा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह सिर्फ एक खोखला राजनीतिक बयान नहीं है, यह दुनिया की इकोनॉमिकल लाइफ लाइन को हमेशा के लिए अपने कब्जे में लेने की ईरान की हुंकार है। आरिफ ने साफ कर दिया है कि तेहरान युद्ध के मैदान में मिली अपनी 'उपलब्धियों' को अब देश के लिए स्थायी आर्थिक और सुरक्षा फायदों में भुनाएगा। सीधे शब्दों में कहें तो- 'अब हम तय करेंगे कि इस समंदर से किसका तेल गुजरेगा और किसका जहाज डूबेगा। अमेरिकी रक्षा विभाग पेंटागन के जनरलों ने फाइलें खोल ली हैं। खबरें हैं कि वे ईरान के अंदर सीमित जमीनी हमले की तैयारी कर रहे हैं। उनके निशाने पर खार्ग आईलैंड और होर्मुज के तटीय इलाके हैं, लेकिन अमेरिका की परेशानी यह है कि उसका बायां हाथ नहीं जानता कि दायां हाथ क्या कर रहा है। एक तरफ फौज तैयार है, तो दूसरी तरफ अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो बयान दे रहे हैं कि हम बिना जमीनी सेना उतारे ही अपने सारे लक्ष्य हासिल कर लेंगे।

आईपीएल में आज होगा गुजरात टाइटंस और पंजाब किंग्स का मुकाबला

मुल्लांपुर (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में मंगलवार को गुजरात टाइटंस का मुकाबला पंजाब किंग्स से होगा। इस मैच से दोनो ही टीमें अपने अभियान को शुरु रही हैं और ऐसे में दोनो का ही प्रयास जीत हासिल करना रहेगा। गुजरात की कप्तानी शुभमन गिल जबकि पंजाब की श्रेयस अय्यर संभालेंगे। पंजाब की टीम पिछली बार श्रेयस की कप्तानी में फाइनल तक पहुंच थी, ऐसे में उनका लक्ष्य इस बार टीम को जीत दिलाना रहेगा। वहीं दूसरी और गुजरात का प्रदर्शन पिछली बार अच्छा नहीं रहा था, ऐसे में शुभमन इस बार टीम को जीत दिलाने के पूरे प्रयास करेंगे। शुभमन का लक्ष्य बेहतर बल्लेबाजी कर ये दिखाना भी रहेगा कि वह टी20 में भी एक अच्छे बल्लेबाज हैं। आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक पंजाब किंग्स और गुजरात टाइटंस के बीच कुल 6 मुकाबले खेले गए हैं। इनमें से दोनो ही टीमों ने 3-3 मुकाबले जीते हैं। पिछले सत्र में पंजाब जीती थी और इस बार गुजरात उस हार का

बदला लेना चाहेगी। पंजाब को इस मैच में घरेलू मैदान का भी लाभ मिलेगा। पंजाब की बल्लेबाजी श्रेयस के अलावा प्रभसिमरन सिंह, शशांक सिंह, मार्कस स्टोइनिस और निहाल वढ़ेरा पर रहेगी। वहीं गुजरात की बल्लेबाजी शुभमन गिल के अलावा साइ सुदर्शन, जोस बटलर पर आधारित रहेगी। गुजरात ने इस बार अनुभवी ऑलराउंडर जेसन होल्डर के अलावा टॉम बैंटन, ल्यूक वुड जैसे खिलाड़ियों को भी टीम में शामिल किया। जिसका उसे कितना लाभ मिलता है ये देखना होगा। उसके पास राशिद खान जैसे स्टार स्पिनर भी हैं। 18 करोड़ रुपये और गिल को 16.5 करोड़ रुपये में रिटेन किया था।

शुभमन गिल का टी20 करियर का स्ट्राइक रेट 138 है लेकिन पिछले साल उन्होंने 155 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं। हार्दिक पंड्या के जाने के बाद से गिल ने कप्तानी की जिम्मेदारी अच्छी तरह से संभाली है। अपने पदार्पण वर्ष 2022 में खिताब जीतने वाली गुजरात टाइटंस पिछले साल तीसरे स्थान पर रही। एक बार फिर टीम काफी संतुलित लग रही है। सलामी बल्लेबाज गिल और साइ सुदर्शन सबसे बड़ी ताकत हैं। सुदर्शन ने पिछले सत्र में सर्वाधिक 759 रन बनाए थे। वह पसली के फ्रेक्चर से उबरकर लौट रहे हैं लेकिन घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन किया है। गुजरात के पास विकेटकीपर बल्लेबाज कुमार कुशाग्र जैसे विकल्प भी हैं जिन्होंने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में 160 से ऊपर की स्ट्राइक रेट से रन बनाये थे। दूसरी ओर पंजाब किंग्स के लिए एक बार फिर श्रेयस पर बहुत कुछ निर्भर करेगा जो तीन अलग अलग टीमों को आईपीएल फाइनल तक ले जा चुके हैं। उनकी कप्तानी में दिल्ली कैपिटल्स 2020 में और पंजाब पिछले सत्र में फाइनल तक पहुंची जबकि केकेआर ने 2024 में खिताब जीता था। पिछले सत्र में उन्होंने 175 से अधिक के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए 604 रन बनाए थे। पंजाब का मजबूत पक्ष सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह और प्रियांश आर्य जैसे आक्रामक बल्लेबाज हैं।। वहीं मध्यक्रम में उसके पास निहाल वढेरा, शशांक सिंह और सूर्यांश शेडगे जैसे खिलाड़ी हैं। वहीं गेंदबाजी की कमान हरप्रीत बरार , मार्को यानसेन के पास रहेगी। पंजाब ने कूपर कोनोली को ऑलराउंडर के रूप में टीम में शामिल किया था पर वह पूरी तरह से फिट नहीं होने के कारण गेंदबाजी नहीं कर पाएंगे, जिससे टीम को एक अतिरिक्त गेंदबाज खिलाना पड़ सकता है। इससे टीम का बल्लेबाजी गेंदबाजी संतुलन बाधित हो सकता है जिससे टीम किस प्रकार निपटती है ये देखना होगा।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

पंजाब किंग्स : श्रेयस अय्यर (कप्तान), निहाल वढेरा, विष्णु विनोद, हरनूर पन्नू , पाइला अविनाश, प्रभसिमरन सिंह, शशांक सिंह, मार्कस स्टोइनिस, हरप्रीत बरार , मार्को यानसेन, अजमतुल्लाह उमरजइ, प्रियांश आर्य, मुशीर खान, सूर्यांश शेडगे, मिच ओवेन, कूपर कोनोली, बेन ड्वारशुइस, अर्शदीप सिंह, युजवेंद्र चहल, विशाख विजयकुमार, यश ठाकुर, जेवियर बार्टलेट, प्रवीण दुबे और विशाल निषाद।

गुजरात टाइटंस : शुभमन गिल (कप्तान), साइ सुदर्शन, जोस बटलर, कुमार कुशाग्र, अनुज रावत, टॉम बेंटोन, ग्लेन फिलिप्स, निशांत सिंधू, वॉशिंगटन सुंदर , मोहम्मद अरशद खान, साइ किशोर, जयंत यादव, जैसन होल्डर, राहुल तेवतिया, शाहरूख खान, कैगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, मानव सुतार, गुरनूर सिंह बरार, ईशांत शर्मा, अशोक शर्मा, ल्यूक वुड, कुलवंत हेजरोलिया, राशिद खान।

टेलर-कैटरीना ने जीता मियामी ओपन टेनिस का महिला युगल खिताब

मियामी (ईएमएस)। अमेरिका की टेलर टाउनसेंड ने अपनी चेक गणराज्य की जोड़ीदार कैटरीना सिनियाकोवा के साथ मिलकर मियामी ओपन टेनिस खिताब जीता लिया है। । टेलर और कैटरीना की जोड़ी ने महिला युगल के फाइनल में इटली की सारा एरानी और जैस्मीन पाओलिनी की जोड़ी को 7-6 (0), 6-1 से पराजित किया। इस जीत के साथ ही टेलर टाउनसेंड और कैटरीना सिनियाकोवा ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए सनशाइन डबल पूरा किया है। टेलर और कैटरीना साल 2019 के बाद सनशाइन डबल पूरा करने वाली पहली जोड़ी बन गई हैं। इससे पहले साल साल 2019 में यह विशेष उपलब्धि एलिस मर्टेनस और आर्यना सबालेंका की जोड़ी ने हासिल की थी। टेलर और कैटरीना सनशाइन डबल पूरा करने वाली छठी महिला जोड़ी है। इससे पहले नोवोत्ना और हेलेना सुकोवा ने साल (1990), लिसा रेमंड और रेने स्टब्स (2002), लिसा रेमंड और सामंथा स्टोसुर (2006, 2007), मार्टिना हिंगिस और सानिया मिर्जा (2015), एलिस मर्टेनस और आर्यना सबालेंका (2019) की जोड़ी ने ये उपलब्धि हासिल की थी। टाउनसेंड और सिनियाकोवा का ये पांचवां खिताब है। इससे पहले इन दोनो ने दो ग्रैंड स्लैम खिताब 2024 विंबलडन और 2025 ऑस्ट्रेलियन ओपन में हासिल किये थे। इस जीत के साथ ही टाउनसेंड और सिनियाकोवा डबल्स रेस में एक स्थान ऊपर चढ़कर नंबर 3 पर पहुंच गयी हैं जबकि एरानी और पाओलिनी नंबर 8 से नंबर 6 पर पहुंच गयी हैं।

रोहित ने आईपीएल में विराट का एक रिकार्ड तोड़ा एक टीम के खिलाफ सबसे अधिक रन बनाये

मुम्बई (ईएमएस)। मुम्बई इंडियंस के आक्रामक सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने . आईपीएल के पहले ही मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ खेली अपनी अर्धशतकीय पारी के साथ ही विराट कोहली का एक बड़ा रिकार्ड भी तोड़ दिया। रोहित ने 38 गेंद में 78 रन बनाये। इसी के साथ ही रोहित ने टी20 में एक टीम के खिलाफ सबसे ज्यादा रन बनाने का विराट का रिकॉर्ड तोड़ दिया। उन्होंने मुंबई इंडियंस और डेक्कन चार्जर्स के लिए केकेआर के खिलाफ 36 आईपीएल मैचों में कुल 1161 रन बनाए हैं। गौरतलब है कि अब तक विश्व का कोई भी बल्लेबाज टी20 क्रिकेट में एक ही टीम के खिलाफ 1161 रनों से अधिक नहीं बना पाया है। वहीं विराट ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ 36 मैचों में कुल 1160 रन बनाए हैं। इससे अब विराट दूसरे स्थान पर फिसल गये हैं। उन्होंने पंजाब किंग्स के खिलाफ 36 मैचों में 1159 रन और दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 32 मैचों में 1154 रन बनाए हैं। रोहित ने केकेआर के खिलाफ सभी 36 मैच आईपीएल में ही खेले हैं। मुंबई इंडियंस के लिए 30 आईपीएल मैचों में उन्होंने 1045 रन बनाए हैं। वहीं डेक्कन चार्जर्स के लिए केकेआर के खिलाफ छह आईपीएल मैचों में 116 रन बनाये हैं। कोहली ने सीएसके के खिलाफ 36 टी20 मैचों में 1160 रन बनाए हैं। उन्होंने आईपीएल में उनके खिलाफ 35 मैचों में 1146 रन बनाए हैं। उन्होंने आरसीबी के लिए सीएसके के खिलाफ एक चैंपियंस लीग टी20 मैच भी खेला था, जिसमें 14 रन बनाए थे। केकेआर के खिलाफ आईपीएल में 1161 रन बनाने के अलावा, रोहित ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ भी क्रिकेट लीग में 1057 रन बनाये हैं। मुंबई इंडियंस अपना दूसरा आईपीएल 2026 मैच शनिवार (4 अप्रैल) को दिल्ली में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ खेलेगी, और उस मैच में रोहित के पास दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ टी20 में सबसे ज्यादा रन बनाने का अवसर रहेगा। अभी दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ टी20 मैचों में सबसे ज्यादा 1154 रन विराट ने बनाये हैं।

रोहित ने पहले ही मैच में 550 छक्के पूरे किये, कई रिकार्ड भी अपने नाम किये

मुम्बई इंडियंस के सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने आईपीएल 2026 सत्र के पहले ही मैच में आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ अपनी अर्धशतकीय पारी के दौरान ही अपने 550 छक्के लगा दिये। इस दौरान रोहित ने कई अन्य रिकार्ड भी बनाये। रोहित ने केवल 23 गेंदों में ही अर्धशतक लगा दिया। ये उनके आईपीएल करियर का सबसे तेज अर्धशतक भी रहा है। उन्होंने यह अर्धशतक पावरप्ले के अंदर ही पूरा कर लिया। इस पारी में तीन छक्के लगाते ही रोहित ने टी20 क्रिकेट में अपने 550 छक्के भी पूरे किये। इसके साथ ही वह टी20 में 500 से ज्यादाछक्के लगाने वाले पहले एशियाई खिलाड़ी व विश्व के 9वें खिलाड़ी बन गये हैं। इस पारी के दौरान ही रोहित ने केकेआर के खिलाफ अपने 1100 रन पूरे कर लिए। इसी के साथ ही केकेआर के खिलाफ सबसे अधिक रन बनाने वाले मुम्बई के खिलाड़ी बन गये हैं। रोहित शर्मा ने अपने आईपीएल करियर में 50वीं बार 50 से अधिक स्कोर बनाया। इसके साथ वह ऐसा करने वाले चौथे खिलाड़ी बने। विराट कोहली के बाद वह दूसरे भारतीय खिलाड़ी हैं जिसने इतने अधिक अर्धशतक लगाये हैं।

रोहित का 2.0 अवतार अन्य टीम के लिए चेतावनी : कुंबले

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिग्गज स्पिनर अनिल कुंबले ने रोहित शर्मा की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि जिस प्रकार से उन्होंने आईपीएल सत्र मे शुरुआत की है। उससे सभी टीमों को सतर्क हो जाना चाहिये। कुंबले के अनुसार मुम्बई इंडियंस के पूर्व कप्तान रोहित आगे और भी आक्रामक होंगे। रोहित ने अपनी टीम के शुरुआती मुकाबले में ही कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ 38 गेंदों में ही 78 रन बना दिये। कुंबले के अनुसार रोहित का इस सत्र में ये 2.0 अवतार दिख रहा है। इससे अन्य सभी टीमों की परेशानी बढ़ जाएगी। रोहित ने अपनी 78 रनों की पारी में 6 चौके और 6 छक्के लगाए। रोहित ने इस दौरान अपना अर्धशतक केवल 23 गेंदों में पूरा किया, जो आईपीएल में उनका सबसे तेज अर्धशतक भी है। कुंबले ने कहा, रोहित अपने 2.0 अवतार में आ गए हैं और उनकी पारी से पता चलता है कि वह फिर से हावी होने के लिए तैयार हैं। जिस तरह से उन्होंने गेंद को मैदान के चारों ओर खेला, उसे देखकर मुझे उनका शुरुआती फार्म याद आ गया। सभी का पता है कि वरुण चक्रवर्ती, सुनील नरेन और ब्लेसिंग मुजारबानी जैसे गेंदबाजों के खिलाफ छक्के मारना आसान नहीं है पर वह आसानी से लगा रहे थे। रोहित ने इस दौरान ही अपना 50वां अर्धशतक भी लगाया। वह यह मुकाम हासिल करने वाले चौथे बल्लेबाज हैं। कुंबले ने कहा, रोहित ने अपनी फिटनेस पर बहुत काम किया है और जब आप छोटे ब्रेक के बाद वापस आते हैं, तो अपनी टाइमिंग वापस पाने और अपनी लय पाने में पांच से सात दिन लगते हैं। यह एक शानदार पारी थी, बिल्कुल वैसी ही जैसी हमने वानखेड़े में देखी थी, जहां वह पहली गेंद से ही गेंदबाजों पर हावी दिखे। वह आसानी से छक्के लगा रहे थे। बाउंड्री भले ही छोटी थीं, लेकिन उनके शॉट्स स्टैंड में जा रहे थे। यह पारी दिखाती है कि रोहित को सिर्फ अपने काम से मतलब है और उनका यह रूप सभी आईपीएल टीमों को चिंतित कर देगा।रोहित ने रयान रिकेल्टन के साथ मिलकर पहले विकेट के लिए 11.5 ओवर में 148 रन बना दिये और उनके सामने विरोधी टीम केकेआर के गेंदबाज पूरी तरह से बेबस दिखाई नजर आये।

पेरिस में विश्व एक्वेटिक चैम्पियनशिप में चीनी टीम एक्रोबेटिक मुकाबले के फाइनल में भाग लेती हुई।

चीन के हनान प्रांत में 2026 बीच एशियन गेम्स के लिए हुए लाइटिंग समारोह में मशाल जलाकर रोशनी की गयी।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने केकेआर के कप्तान रहाणे के बयान पर नाराजगी जतायी

सिडनी (ईएमएस)। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने आईपीएल में खेल रहे ऑलरांडर कैमरुन ग्रीन के गेंदबाजी नहीं करने के मामले को लेकर कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के कप्तान आजिंक्य रहाणे पर निशाना साधा है। सीए का कहना है कि रहाणे झूठ बोल रहे हैं। साथ ही कहा है कि नीलामी के समय ही ये बात बता दी गयी थी कि ग्रीन पूरी तरह से फिट नहीं होने के कारण आईपीएल में शुरुआती दो सप्ताह तक गेंदबाजी नहीं कर सकेंगे। ये मामला तब उठा जब मुम्बई इंडियंस के खिलाफ पहले ही मैच में केकेआर की गेंदबाजी अच्छी नहीं होने के बाद भी ग्रीन ने एक भी ओवर नहीं किया जबकि केकेआर ने 25 करोड़ 20 लाख रुपये की बोली लगाकर ग्रीन को खरीदा था। ऐसे में ग्रीन को गेंदबाजी न देने से कई लोगों ने सवाल किये जिसपर रहाणे ने कहा कि ये बात वे सीए से ही पूछें। रहाणे के इसी बयान को लेकर सीए ने नाराजगी जतायी है। सीए का कहना है कि टेस्ट सत्र से उसे अपने केंद्रीय अनुबंधित खिलाड़ियों पर कामकाज के बोझ को कम करना होता है। यही कारण है कि ग्रीन को उसने आईपीएल में गेंदबाजी की अनुमति नहीं है पर ये बात केकेआर को पहले ही बता दी गयी थी।सीए के एक अधिकारीन ने कहा कि कैमरन को कमर के निचले हिस्से में चोट लगी है, जिसका इलाज चल रहा है। इसी कारण उन्हें कुछ समय के लिए गेंदबाजी से दूर रहना होगा। गौरतलब है कि केकेआर को आंद्रे रसेल का विकल्प चाहिए था और उसने इसी कारण ग्रीन को शामिल किया पर पहले ही मैच में वह असफल रहे और 10 गेंदों में 18 रन बही बना पाये। वहीं उन्होंने गेंदबाजी करने से इंकार दिया। वहीं मैच के बाद रहाणे ने उम्मीद जताई कि ग्रीन जल्द ही गेंदबाजी शुरू करेंगे और संयोजन थोड़ा अलग होगा।

300 मैच खेलने वाली पहली फ्रेंचाइजी टीम बनी मुंबई

मुम्बई (ईएमएस)। मुंबई इंडियंस ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ पहले ही मैच में उतरने के साथ ही अपने 300 मैच पूरे कर एक नया रिकार्ड अपने नाम किया है। अब मुम्बई की टीम आईपीएल में 300 मैच खेलने वाली पहली टीम बन गयी है। इस मैच में केकेआर के खिलाफ मुम्बई ने सबसे बड़ा लक्ष्य हासिल करने के साथ ही जीत दर्ज कर एक नया रिकार्ड भी बनाया है। आईपीएल ही नहीं विश्व की कोई अन्य फ्रेंचाइजी टीम 300 मैच नहीं खेल पायी है। कर मुम्बई ने केकेआर के खिलाफ मैच में उतरने के साथ ही अपना 278वां आईपीएल मैच खेला। वहीं इससे पहले उसने 22 मुकाबले चैंपियंस लीग टी20 में खेले थे। इस तरह अब तक कुल 300 टी20 मैच मुंबई इंडियंस ने खेलें हैं। मुंबई इंडियंस की बात करें तो यह फ्रेंचाइजी आईपीएल इतिहास की सबसे सफल फ्रेंचाइजी है। इससे पहले मुम्बई ने आईपीएल में पांच खिताब जीते थे। बाद में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने भी लीग में पांच खिताब जीते। एमआई ने आईपीएल में अब तक 278 मैच खेले हैं। इनमें से 152 मैचों में जीत दर्ज की है, जबकि 122 मुकाबले हारी हैं। 4 मुकाबले टीम के टाई रहे हैं, जिनमें से दो मैचों में जीत मिली है और इतने ही मैचों में उसे हार झेलनी पड़ी है पड़ा है।

मांसपेशियों में खिंचाव से जूझ रहे रहाणे

मुम्बई (ईएमएस)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। केकेआर के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने कहा है कि वह मांसपेशियों में खिंचाव से जूझ रहे हैं। उन्हें मुम्बई इंडियंस के खिलाफ शुरुआती मैचों में ही ये खिंचाव आया था। इस कारण उन्हें मैदान से भी बाहर जाना पड़ा था। आईपीएल के इस सत्र में पहले ही केकेआर के कई खिलाड़ी फिट नहीं होने के कारण बाहर हैं। ऐसे में कप्तान के चोटिल होने से केकेआर की राह और कठिन होती जा रही है। इससे केकेआर के प्रशंसकों में भी निराश है। रहाणे के बाहर होने के कारण मुम्बई के खिलाफ इस मैच में ऑलराउंडर रिंकू सिंह ने कप्तानी संभाली थी। रिंकू को आईपीएल सत्र शुरु होने से पहले उप-कप्तान बनाया गया था। मुंबई इंडियंस के खिलाफ 221 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए चौथे ओवर के बाद रहाणे मैदान पर ही गिर गये। टीम के फिजियोथेरेपिस्ट ने उनका उपचार किया पर इसके बाद भी रहाणे मैदान में नहीं उतर पाये। पुरस्कार समारोह में रहाणे ने, अभी ठीक अच्छा महसूस कर रहा हूं, बस मेरी पिंडली में और असल में दोनों पिंडलियों में बहुत ज्यादा खिंचाव थे हालांकि उन्हें शीघ्र ठीक होने का भरोसा है।

सैम बोले, कोच मैक्कुलम से उनका हुआ था टकराव

लंदन (ईएमएस)। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के मुख्य कोच ब्रेंडन मैक्कुलम और क्रिकेट डायरेक्टर रॉब की के रवैये पर एक बार फिर सवाल उठे हैं। हाल ही में लियाम लिविंगस्टोन और जॉनी बेयरस्टो ने इन दोनो की नीतियों पर सवाल उठाये थे। वहीं अब ऑलराउंडर सैम करन ने कहा है कि एक बार टीम से बाहर किये जाने पर उनका कोच से टकराव तक हो गया था। काउंटी क्रिकेट सत्र के ठीक पहले करन के आये इस बयान से साफ है कि इंग्लैंड की टीम से बाहर किए गए खिलाड़ियों के साथ अच्छा व्यवहार नहीं होता है।करन ने कहा कि इसी कारण एक बार उन्होंने गुस्से में कोच से पूछ लिया कि उन्हें टेस्ट टीम से इतने लंबे समय तक बाहर क्यों रखा गया। करन एक साल से अधिक समय तक सीमित ओवर टीम से भी बाहर रहे थे।

करन ने कहा, मुझे लगता है कि यह उन चीजों में से एक है। मैं टीम से बाहर था और बस मैंने कोच से पूछा कि मुझे क्या करना है तब उन्होंने कहा कि जाओ कुछ रन बनाओ और कुछ विकेट लो। इसके बाद मैंने वही किया और इससे मुझे टीम में वापसी का अवसर मिला। मैंने इस प्रकार सही दिशा में पहल की। गौरतलब है कि कि सैम इंग्लैंड की टी20 विश्व कप की टीम में भी शामिल थे। यहां उन्होंने नेपाल के खिलाफ टीम को जीत भी दिलाई थी। पिछले सात टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में उन्होंने 3 बार सबसे अधिक रन बनाये हैं। करन चोटिल होने के कारण इस बार आईपीएल से बाहर हैं।

आईपीएल के इस सत्र में रनों के मामले में शीर्ष पर हैं रिकेल्टन

मुम्बई (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अभी तक हुए मैचों में सबसे अधिक रनों के मामले में मुंबई इंडियंस के ओपनर रयान रिकेल्टन शीर्ष पर हैं। रिकेल्टन ने कोलकाता नाइट, राइडर्स के खिलाफ पहले ही मैच में 81 रन बनाये थे।वहीं सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान ईशान किशन 80 रन बनाकर दूसरे नंबर पर हैं। शीर्ष पांच खिलाड़ियों में रोहित शर्मा और विराट कोहली भी शामिल हैं। सूची में तीसरे नंबर पर भारत के रोहित शर्मा हैं। रोहित ने केकेआर के खिलाफ मुकाबले में 78 रन बनाये थे। वहीं विराट ने एसआरएच के खिलाफ 69 रनों की पारी खेली थी। केकेआर के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने मुम्बई के खिलाफ 67 रन बनाए थे और वह शीर्ष पांच में है।

लंदन में महिला सुपर लीग फुटबॉल में खेलती हुई एस्टन विला और चेलेसा की खिलाड़ी।

आईपीएल में सबसे कम गेंदों में 3000 रन बनाने वाले पहले बल्लेबाज है ऋषभ

मुम्बई (ईएमएस)। आईपीएल में सबसे कम गेंदों का सामना करते हुए 3000 रन बनाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज ऋषभ पंत हैं। उन्होंने 2080 गेंदों का सामना करते हुए 3000 रन बनाए हैं। ऋषभ अभी लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान हैं और इस सत्र में उनके प्रदर्शन पर सबकी नजरें रहेंगी। सबसे कम गेंदों में 3000 रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाजों की सूची में सूची में दूसरे नंबर पर पूर्व ऑलराउंडर युसूफ पठान हैं। पठान ने 2082 गेंदों में यह उपलब्धि हासिल की थी। वहीं सूची में तीसरे स्थान पर भारतीय टीम के पूर्व कप्तान मुंबई इंडियंस के सूर्यकुमार यादव का नाम है। यादव ने 2130 गेंदों का सामना करते हुए आईपीएल में अपने 3000 रन पूरे किए हैं। इस

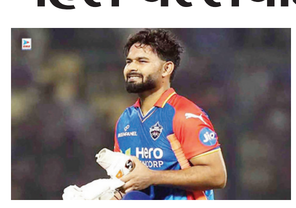

सूची में चौथे स्थान पर पूर्व बल्लेबाज और सीएसके के पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना हैं, जिन्होंने 2135 गेंदों में 3000 रन बनाए हैं। रैना के बाद इस सूची में महेंद्र सिंह धोनी का नाम है। धोनी इस सूची में पांचवें स्थान पर हैं। उन्होंने 2152 गेंदों में 3000 रन बनाने का कारनामा किया है। वहीं स सूची में अब 6वें नंबर पर ईशान किशन का नाम आ गया है और उन्होंने 2180 गेंदों में अपने तीन हजार रन पूरे किए हैं। लोकेश राहुल सूची में 7वें स्थान पर हैं, जिन्होंने 2203 गेंदों में 3000 रन बनाए थे। सनराजइर्स हैदराबाद की कप्तान संभाल रहे ईशान किशन ने आईपीएल के इस सत्र के पहले ही मैच में अपने इरादे जता दिये हैं। ईशान ने पहले ही मैच में 8 चौकों और 5 छक्कों की सहायता से 80 रन बनाकर किशन का स्ट्राइट रेट 210 से ज्यादा का रहा। इस धमाकेदार पारी के साथ ईशान ने 2180 गेंदों पर अपने 3000 रन पूरे किये। ईशान के आईपीएल करियर की बात करें तो उन्होंने 2016 में अपना आईपीएल डेब्यू किया था। इसके बाद से ही वह लगातार आगे बढ़त रहे हैं। उन्होंने ने अब तक कुल 120 आईपीएल मैच खेले हैं, जिसकी 113 पारियों में बल्लेबाजी करते हुए 29.6 की औसत और 138.90 की स्ट्राइक रेट के साथ कुल 3078 रन बनाए हैं।

पीएसएल में गेंद से छेड़छाड़ करते पाये गये फखर जमां

शाहीन, हारिस और राउफ की भी जांच होने की संभावना

लाहौर (ईएमएस)। पाकिस्तान में पाक सुपर लीग (पीएसएल) 2026 की शुरुआत में ही विवाद हो गया है। सुपर लीग में गेंद से छेड़छाड़ का मामला सामने आने के बाद एक बार फिर हडकंप मचा हुआ है। इससे पाक क्रिकेट में व्याप्त बेइमानी की पोल एक बार फिर खुल गयी है। इस बार बल्लेबाज फखर जमां गेंद से छेड़छाड़ करते हुए पाये गये हैं जिसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया में आया है। इस मामले में फखर के अलावा कप्तान शाहीन शाह अफरीदी, गेंदबाज हारिस राउफ और बल्लेबाज फखर जमां पर भी कार्रवाई होने की संभावनाएं हैं। गेंद से छेड़छाड़ का ये मामला पीएसएल के लाहौर कलंदर्स और कराची किंग्स मैच का है।

लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में पीएसएल का छठा लीग मैच लाहौर कलंदर्स और कराची किंग्स के बीच खेला जा रहा था। इस मैच में कम रन बने थे पर अंतिम ओवर में गेंद से छेड़छाड़ शुरु हो गयी। इसमें शाहीन और राउफ के भी शामिल होने का संदेह है। फखर जब गेंद से छेड़छाड़ कर रहे थे तब कैमरे की नजरें उनपर बनीं थीं। इस मैच में लाहौर कलंदर्स को अंतिम ओवर में जीत के लिए 13 रन बनाने थे। इसी दौरान जब कप्तान शाहीन अंतिम ओवर फेंकने आए तब हारिस और फखर योजना बना रहे थे। इस दौरान एक खिलाड़ी पानी भी लेकर आया। इससे ऐसा लग रहा था कि वे अंतिम ओवर में मैच में हार से बचने की योजना बना रहे थे पर वास्तव में उनकी नजरें गेंद से छेड़छाड़ पर लगीं थीं। अंपायरों ने आसानी से इसे पकड़ा और मैच में ही 5 रन की पेनल्टी लाहौर की टीम पर लगा दी। वहीं मैच के बाद जब कप्तान शाहीन से पूछा गया तो वह साफ मुकर गये। रमीज राजा ने उनसे इस बारे में पूछा तो उन्होंने कहा कि मुझे इस बारे में नहीं पता और हम देखेंगे कि किस आधार पर आरोप लगाये जा रहे हैं।

पीएसएल नियमों को तोड़कर अपने दोस्तों को होटल में ले जाने पर फंसे शाहीन और रजा

पाकिस्तान में प्रीमियर लीग टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट में लाहौर कलंदर्स के कप्तान शाहीन शाह अफरीदी और ऑलराउंडर सिकंदर रजा पर अपने चार साथियों को बिना अनुमति होटल में ले जाने का आरोप लगा है। शाहीन और रजा के इस कदम को सुरक्षा प्रोटोकॉल का गंभीर उल्लंघन मानते हुए अधिकारियों ने जांच शुरु कर दी है। इस मामले मे एक डिप्टी पुलिस इंस्पेक्टर ने पीएसएल के सीईओ सलमान नसीर को पत्र भी लिखा है। इस पत्र में शाहीन और रजा पर शनिवार रात चार मेहमानों को जबरन एक खिलाड़ी के होटल रूम में ले जाने की शिकायत की गयी है। पत्र में यह भी कहा गया है कि पीसीबी ने पहले ही कलंदर्स की उस मांग को खारिज कर दिया था, जिसमें रजा के जानने वाले चार लोगों को उनके होटल रूम में जाने की अनुमति मांगी गई थी। पत्र में कहा गया, "इस अनुरोध को खारिज कर दिया गया था. इसके बाद कलंदर्स के मालिक समीम राणा ने नसीर से इसकी अनुमति मांगी, लेकिन सुरक्षा कारणों से इस अनुरोध को भी ठुकरा दिया गया।" इस पत्र में आगे आरोप लगाया गया है कि ड्यूटी पर तैनात सुरक्षा कर्मियों के निर्देशों को नहीं मानते हुए शाहीन और रज़ा ने चार मेहमानों को जबरन होटल रूम तक पहुंचाया। वहीं कलंदर्स के मीडिया प्रमुख उमर फारूक ने कहा कि वह इस मामले में पीएसएल के संपर्क में हैं। उमर ने कहा, "हमें लाहौर कलंदर्स के दो खिलाड़ियों से जुड़े एक मामले की जानकारी है और हम इस पर पीएसएल के साथ संपर्क में हैं।" पुलिस के पत्र में घटना की समीक्षा करने और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए जरुरी कदम उठाने की अपील की गई है।

आईबीसी ने सुधारी बैंकिंग सेक्टर की सेहत, एनपीए वसूली में बड़ा रोलः वित्त मंत्री सीतारमण

वित्त एवं कॉरपोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को लोकसभा में कहा कि इन्सॉल्वेंसी और बैंकरप्सी कोड (आईबीसी) देश के बैंकिंग क्षेत्र की सेहत सुधारने में एक प्रमुख और बेहद अहम फैक्टर रहा है। इसमें गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों (एनपीए) की वसूली भी शामिल है। लोकसभा में आईबीसी (संशोधन) विधेयक, 2025 को पेश करते हुए मंत्री ने कहा कि इन्सॉल्वेंसी रिज्योल्यूशन प्रॉसेस से बाहर आने के बाद कंपनियों का प्रदर्शन बेहतर हुआ है और उनकी कॉरपोरेट गवर्नेंस व्यवस्था में भी सुधार आया है। वित्त मंत्री ने यह टिप्पणी आईबीसी (संशोधन) विधेयक, 2025 पर चर्चा के दौरान दी, जो लोकसभा की प्रवर समिति की रिपोर्ट के आधार पर प्रस्तुत किया गया। इस विधेयक में आईबीसी में 12 संशोधन प्रस्तावित किए गए हैं। यह कानून वर्ष 2016 में लागू हुआ था।

सीतारमण ने कहा कि आईबीसी ने बैंकिंग क्षेत्र की स्थिति सुधारने में अहम रोल निभाया है और रिज्योल्यूशन प्रॉसेस के जरिए बैंकों ने आधे से अधिक एनपीए की वसूली की है। सरकार ने 12 अगस्त, 2025 को इस विधेयक को लोकसभा में पेश किया था, जिसमें कई बदलाव प्रस्तावित किए गए थे। इनमें इन्सॉल्वेंसी रिज्योल्यूशन आवेदनों को स्वीकार करने में लगने वाले समय को कम करने के प्रावधान भी शामिल हैं। इस विधेयक को लोकसभा की प्रवर समिति के पास भेजा गया था, जिसने दिसंबर 2025 में अपनी रिपोर्ट सौंप दी थी। अब तक आईबीसी में सात बार संशोधन किया जा चुका है।

आईबीसी क्यों बना गेमचेंजर?

2016 से पहले बैंकों के पास एनपीए वसूलने का कोई प्रभावी सिस्टम नहीं था। केस सालों तक कोर्ट में चलते थे। कंपनियां डिफॉल्ट करके भी काम करती रहती थीं। बैंकों का पैसा फंसा रहता था आईबीसी आने के बाद तय समय सीमा में समाधान (180–330 दिन) सुनिश्चित हुआ। कंपनी को बेचकर या पुनर्गठन से पैसा वापस हुआ। प्रमोटरों पर दबाव बढ़ा और एनपीए रिकवरी में सुधार देखने को मिला। वित्त मंत्री के अनुसार, कुल एनपीए का आधा से ज्यादा हिस्सा आईबीसी के जरिए रिकवर हुआ। बड़े कॉरपोरेट डिफॉल्ट केस तेजी से सुलझे और बैंकों की बैलेंस शीट मजबूत हुई। जैसेकि कई बड़े स्टील और इंफ्रा कंपनियों के केस आईबीसी के तहत सुलझे और बैंकों को भारी रकम वापस मिली।

कॉरपोरेट गवर्नेंस पर असर

आईबीसी का एक बड़ा अप्रत्यक्ष फायदा भी देखने को मिला है। कंपनियों में अनुशासन बढ़ा है। प्रमोटर अब डिफॉल्ट करने से डरते हैं। साथ ही निवेशकों का भरोसा भी बढ़ा है। वित्त मंत्री ने भी कहा कि इंसॉल्वेंसी प्रक्रिया से निकलने के बाद कंपनियों का प्रदर्शन बेहतर हुआ है। आईबीसी के बाद एनपीए रेशियो घटा है। बैंकों की उधार देने की क्षमता बढ़ी और निवेश और आर्थिक गतिविधि को समर्थन मिला है।

नए संशोधन क्यों जरूरी?

सरकार आईबीसी को और प्रभावी बनाना चाहती है। प्रस्तावित बदलावों में मुख्य फोकसः

- केस स्वीकार करने में लगने वाला समय कम करना
- प्रक्रिया को तेज और पारदर्शी बनाना छोटे मामलों का जल्दी निपटारा

अमेरिकी आर्थिक आंकड़ों पर निर्भर करेगी कीमती धातुओं की चाल

- वैश्विक और भू-राजनीतिक कारक तय करेंगे दिशा

नई दिल्ली (ईएमएस)। विशेषज्ञों का अनुमान है कि इस सप्ताह सोना और चांदी का कारोबार सीमित दायरे में रह सकता है। निवेशक पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और प्रमुख वैश्विक आर्थिक आंकड़ों पर निगाह बनाए रखेंगे। इन कारकों से कीमती धातुओं की दिशा तय होने की संभावना है। विश्लेषकों के अनुसार इस हफ्ते अमेरिकी फेड प्रमुख जेरोम पॉवेल और अन्य फेड अधिकारियों के बयान खास महत्व रखते हैं। ये बयान ब्याज दरों और मौद्रिक नीति से जुड़े संकेत देंगे, जो सोने और चांदी की मांग पर असर डाल सकते हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना लगभग 2 प्रतिशत गिरकर 4,492.5 डॉलर प्रति औंस पर बंद हुआ, जबकि चांदी हल्की बढ़त के साथ 69.79 डॉलर प्रति औंस पर रही। विशेषज्ञों के अनुसार सोने में गिरावट के पीछे गोल्ड ईटीएफ निवेशकों की बिकवाली, कमजोर भौतिक मांग, मजबूत डॉलर और अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी मुख्य कारण हैं। अमेरिकी बाजार की कमजोरी ने सुरक्षित निवेश की मांग बढ़ाई, जिससे चांदी को कुछ सहारा मिला, लेकिन बढ़ती बॉन्ड यील्ड और ऊंचे तेल दामों के कारण पारंपरिक मांग सीमित रही। घरेलू वायदा बाजार में सोना मामूली गिरकर 1.44 लाख प्रति 10 ग्राम और चांदी बढ़कर 2.27 लाख प्रति किलोग्राम पर बंद हुई। रुपये की कमजोरी ने कीमती धातुओं को कुछ सहारा दिया, क्योंकि रुपया 1 प्रतिशत से ज्यादा गिरकर 94.80 प्रति डॉलर तक पहुंच गया। बाजार के जानकारों के अनुसार निवेशक पश्चिम एशिया की घटनाओं, प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के विनिर्माण आंकड़े, यूरोजोन महंगाई और अमेरिकी रोजगार व खपत आंकड़ों पर नजर रखेंगे।

अनिश्चित वैश्विक माहौल में निवेशकों के लिए संतुलित रणनीति जरूरी

वैश्विक स्तर पर बढ़ती अनिश्चितता, तनाव और बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच निवेशकों के सामने यह बड़ा सवाल है कि आखिर पैसा कहां लगाया जाए। ऐसे माहौल में बाजार विशेषज्ञों की राय है कि घबराने के बजाय सोच-समझकर निवेश करना और शेयर बाजार में बने रहना ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकता है। वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान भारतीय और वैश्विक बाजारों पर कई नकारात्मक कारकों का असर पड़ा। व्यापार युद्ध की आशंकाएं, पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव, कच्चे तेल की कीमतों में उछाल और सोना-चांदी में तेज उतार-चढ़ाव ने निवेशकों की चिंता बढ़ाई।

सोना तीन हजार रु. बढ़कर 1.46 लाख पर पहुंचाः चांदी 6 हजार बढ़कर 2.28 लाख हुई

नई दिल्लीः सोने-चांदी की कीमत में आज यानी 30 मार्च को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 3 हजार रुपए बढ़कर 1.46 लाख रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, एक किलो चांदी की कीमत 6 हजार रुपए बढ़कर 2.28 लाख रुपए पर पहुंच गई है।

इस साल सोने की कीमत में तेजी देखने को मिली है। बीते साल के आखिर में सोना 1.33 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम पर था, जो अब 1.46 लाख रुपए पर है। यानी इसकी कीमत इस साल अब तक 22 हजार बढ़ चुकी है। हालांकि चांदी की कीमत में 2 हजार की कमी आई है। जानकारों का मानना है कि सोने-चांदी की अगली चाल इन दो बातों पर निर्भर करेगीः

- मिडिल ईस्ट संकटः अगर ईरान और अमेरिका के बीच तनाव और बढ़ता है या कच्चे तेल की कीमतें फिर से उछलती हैं तो सोने-चांदी में दोबारा तेजी आ सकती है।
- अमेरिकी डेटाः अगर अमेरिका के आर्थिक आंकड़े उम्मीद से बेहतर आते हैं तो डॉलर मजबूत होगा और इससे सोने की कीमतों पर दबाव बढ़ सकता है।

एक्सपर्ट्स के इनुसार, रिकॉर्ड ऊंचाई छूने के बाद सोना फिलहाल 'करेक्शन फेज' (कीमतों में सुधार) में है। शॉर्ट टर्म में मोमेंटम थोड़ा कमजोर जरूर हुआ है, लेकिन लॉन्ग टर्म में तेजी का रुझान बरकरार है। ऐसे में निवेशक सोने में थोड़ा-थोड़ा करके निवेश कर सकते हैं।

सेंसेक्स 1636 अंक गिरकर 71,948 पर बंदः निफ्टी भी 488 अंक टूटा

मुंबईः आज यानी 30 मार्च को सेंसेक्स करीब 1636 अंक (2.22%) की गिरावट के साथ 71,948 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में भी 488 अंक (2.14%) की गिरावट रही, ये 22,331 के स्तर पर बंद हुआ। आज बैंकिंग, रियल्टी और ऑटो शेयरों में ज्यादा बिकवाली रही।

बाजार गिरने की 3 बड़ी वजहें...

- अमेरिका-इजराइल और ईरान युद्ध से सप्लाई चेन बिगड़ गई है।
- कच्चे तेल के दाम बढ़कर 116 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गए हैं।
- अमेरिका और एशियाई बाजारों में गिरावट का असर भारत पर।

एशियाई बाजार में भी गिरावट

- जापान का निक्केई इंडेक्स 2.79% गिरकर 51,886 के स्तर पर बंद हुआ। ▪ साउथ कोरिया का कोस्पी इंडेक्स 2.97% गिरकर 5,277 पर बंद हुआ। ▪ हॉन्गकॉन्ग का हैंगसेंग इंडेक्स 0.81% गिरकर 24,750 पर बंद हुआ।
- चीन का शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.24% चढ़कर 3,923 पर बंद हुआ।

डीजीसीए का आदेश, सभी उड़ानों में 60 फीसदी सीटें बिना शुल्क उपलब्ध

नई दिल्ली (ईएमएस)। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने घोषणा की है कि 20 अप्रैल से सभी घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में कम से कम 60 प्रतिशत सीटें बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के उपलब्ध कराई जाएंगी। इसका उद्देश्य यात्रियों को न्यायसंगत सुविधा देना और सीट आवंटन प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करना है। डीजीसीए ने निर्देश दिया है कि विमानन कंपनियों को अपनी सीट आवंटन नीतियों को पारदर्शी बनाना होगा। सभी शुल्क रहित सीटों की उपलब्धता और लागू शर्तें बुकिंग वेबसाइट या ऐप पर स्पष्ट रूप से दिखानी होंगी। इसके अलावा, खेल उपकरण, संगीत वाद्य यंत्र जैसी वैकल्पिक सेवाओं के लिए सभी शुल्क और किसी भी नुकसान की स्थिति में जिम्मेदारी की शर्तें भी स्पष्ट रूप से यात्रियों को उपलब्ध कराई जाएंगी। वर्तमान में केवल लगभग 20 प्रतिशत सीटें मुफ्त चयन के लिए उपलब्ध हैं। बाकी सीटों के लिए यात्री 200 से 2,100 रुपये तक का शुल्क देते हैं, जो सीट की पंक्ति और अतिरिक्त सुविधाओं पर निर्भर करता है। नई नीति लागू होने के बाद, कम से कम 60 प्रतिशत सीटें सभी यात्रियों के लिए बिना शुल्क चयन विकल्प के साथ उपलब्ध होंगी। इंडिगो, एयर इंडिया और स्पाइसजेट ने इस निर्णय का विरोध किया है।

एलपीजी कमी के बीच सरकार का बड़ा फैसला, 60 दिनों के लिए केरोसिन सप्लाई नियमों में ढील

पश्चिम एशिया में जारी संकट के चलते देश में एलपीजी की कमी के बीच सरकार ने अगले 60 दिनों के लिए खाना पकाने के मकसद से केरोसिन डिस्ट्रिब्यूशन नियमों में ढील दी है। सरकारी ऑयल मार्केटिंग कंपनियों की ओर से संचालित चुनिंदा पेट्रोल पंपों को केरोसिन वितरित करने की अनुमति दी गई है। इसमें वे 21 राज्य और केंद्र शासित प्रदेश भी शामिल हैं जिन्हें पहले "केरोसिन-फ्री" घोषित किया गया था। 29 मार्च की गजट नोटिफिकेशन के अनुसार, ग्लोबल एनर्जी सप्लाई को प्रभावित करने वाली मौजूदा भू-राजनीतिक स्थिति को देखते हुए केंद्र सरकार ने राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के तहत केरोसिन (एसकेओ) का अस्थायी आवंटन करने का निर्णय लिया है, ताकि घरेलू उपयोग के लिए खाना पकाने और रोशनी की जरूरत पूरी की जा सके। इन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में दिल्ली, चंडीगढ़, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान और उत्तर प्रदेश समेत अन्य शामिल हैं।

2,500 लीटर तक केरोसिन स्टोर करने की मंजूरी

सरकार ने ओएमसी को खाना पकाने के लिए 2,500 लीटर तक केरोसिन स्टोर करने की अस्थायी मंजूरी भी दी है। प्रत्येक जिले में अधिकतम दो पेट्रोल पंपों को केरोसिन वितरण की अनुमति दी जाएगी, जिन्हें राज्य सरकार या केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन नामित करेगा। तेजी से वितरण सुनिश्चित करने के लिए केरोसिन एजेंटों और डीलरों को कुछ लाइसेंस लेने से भी छूट दी गई है। इसके अलावा, सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को नियमित आवंटन के अतिरिक्त 48,000 किलोलीटर केरोसिन दिया गया है। राज्यों से कहा गया है कि वे जिलों में वितरण के लिए उपयुक्त स्थान चिन्हित करें। पश्चिम एशिया संघर्ष के चलते भारत में एलपीजी की सप्लाई प्रभावित हुई है, क्योंकि इसका बड़ा हिस्सा उसी क्षेत्र से आता है। इस स्थिति से निपटने के लिए सरकार ने केरोसिन आवंटन और पाइप्ड नेचुरल गैस को बढ़ावा देने जैसे कदम उठाए हैं, ताकि घरेलू गैस की जरूरत पूरी की जा सके।

पीएम मोदी की अपील, अफवाहों से दूर रहें

पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को देशवासियों से अफवाहों और गलत जानकारी से बचने की अपील की है। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में केवल सरकारी और आधिकारिक स्रोतों पर ही भरोसा किया जाना चाहिए। रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में प्रधानमंत्री ने कहा कि मौजूदा हालात चुनौतीपूर्ण हैं और देश को एकजुट होकर इन परिस्थितियों का सामना करना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि पश्चिम एशिया में जारी तनाव का असर वैश्विक स्तर पर ऊर्जा आपूर्ति पर पड़ रहा है, जिससे कई देशों में चिंता बढ़ी है। प्रधानमंत्री मोदी ने विश्वास जताया कि भारत पहले भी कठिन परिस्थितियों से सफलतापूर्वक निकला है और इस बार भी 140 करोड़ देशवासी मिलकर इस स्थिति का सामना करेंगे।

दैनिक पंचांग

31 मार्च 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

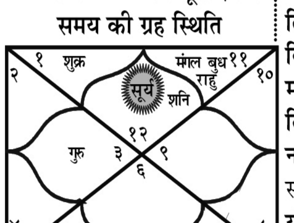

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ	समय
सूर्य	मीन में	मेष	06.40 बजे से
चंद्र	सिंह में	वृष	08.20 बजे से
मंगल	कुंभ में	मिथुन	10.18 बजे से
बुध	कुंभ में	कर्क	12.31 बजे से
गुरु	मिथुन में	सिंह	14.48 बजे से
शुक्र	मेष में	कन्या	16.59 बजे से
शनि	मीन में	तुला	19.10 बजे से
राहु	कुंभ में	वृश्चिक	21.25 ब.से
केतु	सिंह में	धनु	23.41 बजे से
राहुकाल 3.00 से 4.30 बजे तक		मकर	01.46 बजे से
		कुंभ	03.32 बजे से
		मीन	05.05 बजे से

मंगलवार 2026 वर्ष का 90 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** बसंत।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास चैत्र **पक्ष** शुक्ल
तिथि त्रयोदशी 06.56 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पूर्वाफाल्गुनी 15.21 बजे को समाप्त।
योग गण्ड 15.42 बजे को समाप्त।
करण तैतिल 06.56 बजे तदनन्तर गर 18.59 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 11.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 04° 04'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872665
जूलियन दिन 2461130.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना सव्वाल **तारीख** 11
विशेष महावीर स्वामी जयंती।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 6521

बाएँ से दाएँ
1. भगवान, ईश्वर, रब-7
6. रुपये का सोलहवां भाग-2
7. मध्यप्रदेश का एक भाग-3
8. मूल्य, कीमत, दर-2
10. जी, इच्छा, चित-2
11. नलका, टोंटी-2
13. बारीक, सूक्ष्म-3
14. रेखा, लाइन-3
15. रग, नाड़ी-2
17. अधिकार -2
18. वध, कत्ल, मर्डर-2
20. दौड़ने वाला, धावक (अंग्रेजी-3)
21. एक आंख वाला-2
22. निंदा करना, प्रतिष्ठा खंडित करना-4,3

ऊपर से नीचे
2. निर्माण, बनाना-3
3. एक संगीतकार-4
4. गाड़ी चलानेवाला-4
5. नखरा-2
6. आरामदेय-5
9. इच्छा पूरी करना-2,3
10. चिंतन-3
12. उत्साह, जिज्ञासा-3
16. हद, सीमा, बार्डर-4
17. हमेशा, सदैव-4
19. बलिदान, परित्याग, विरक्ति-2
21. नास्तिक (उर्दू-2)

शब्द पहेली-6520 का हल

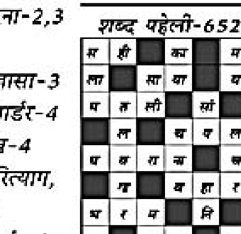

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

अंकजाल - 6062

■	12	13	35	30	■	12	16	22	■
24		6		9	■	7		5	14
20	5		9		■		8		20
25		3		2		■		7	11
■	■	■	5		8		2		34
35		5		7		6	■	■	■
7	2		■		4		8		30
19		8		■		6		7	25
14	3		6	■	7		2		19
■	18	23	12	■	33	31	18	22	■

खाली स्थानों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर दाएँ से बाएँ एवं ऊपर से नीचे जोड़ना है जिसका सही उत्तर मटमैले रंग के खानों में दिया गया है.

अंकजाल 6061 का हल

■	13	6	30	13	19	■	28	33	■
21	5	2	5	6	3	■	7	8	15
30	8	4	9	2	7	■	5	8	13
■	■	■	7	5	3	8	2	7	32
9	3	4	2	■	6	7	9	3	25
21	7	2	5	7	■	2	5	7	14
35	8	9	2	3	8	5	■	■	■
13	6	7	■	6	4	5	5	8	28
10	6	4	■	6	8	7	3	5	29
■	30	26	■	22	20	34	8	13	■

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग-5006

6			7	4		
1	28	3	35	5	34	7
	5		3		2	6
7	34		26		33	
3	6			1	7	
	30	4	33		32	1
2	1		6		5	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों ओर के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 5005 का हल

1	5	3	7	4	2	6
2	29	4	36	6	29	1
5	2	7	4	1	6	3
3	33	6	33	7	32	2
6	3	1	5	2	7	4
4	32	5	29	5	34	7
7	4	2	6	3	1	5

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

गणित पहेली -4366

60		40		45		32	=	23
	■		■		■		■	
30		6		45		1	=	50
	■		■		■		■	
30		3		70		2	=	40
	■		■		■		■	
15		10		5		5	=	30
=	■	=	■	=	■	=	■	=
15		39		15		35	=	3 / 4

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

संकेत

खाली जगहों में आपको केवल (+), (-), (x) व (÷) के निशान लगाने हैं जिनका उत्तर (=) पूर्णतः मेल खाता हो.

गणित पहेली -4365

79	+	15	-	74	x	2	=	40
-	■	+	■	-	■	x	■	+
40	-	25	+	50	-	25	=	40
+	■	-	■	÷	■	-	■	+
5	x	10	÷	2	+	25	=	50
-	■	+	■	+	■	-	■	-
40	÷	4	+	40	+	20	=	70
=	■	=	■	=	■	=	■	=
4	+	34	+	52	-	5	=	60 / 85

शब्दजाल - 6053

गां	धी	न	ग	र	मा	ज	वा	ज	पे	यी
द	ह	ल	प्रे	व	जी	य	द	ह	कां	रा
वि	स	मा	म	को	ह	पु	म	ल	ख	म
मि	बैं	ग	लो	र	वा	र	ध	श्री	श	दु
श	आ	र	ग	बा	ज	ना	तू	न	झ	प
है	ल	ला	र	दि	द	मुं	ती	ग	घ	ट
द	व	भो	पा	ल	प	ब	ज	र	व	ना
रा	एं	वा	ई	द	ब	ई	डू	ए	श	न्हा
बा	ड	ल	को	ल	का	ता	आ	ग	शी	आ
द	गॉ	ल	प	लि	जी	शी	ला	कौ	ल	द
वि	ज	भु	व	ने	श्व	र	त	ब	प	म

शब्दजाल में देश के दस राज्यों की राजधानियां ढूंढिए. नाम उपर से नीचे व तिरछे हो सकते हैं.

जयपुर, गांधीनगर, बैंगलोर, हैदराबाद, भोपाल, श्रीनगर, पटना, कोलकाता, मुंबई, भुवनेश्वर

शब्दजाल - 6052 का हल

भा	क	ल	पा	कि	स्ता	न	धी	द	ल	ज
र	र	ल	दे	श्री	लं	का	इं	क्षि	ट	वा
त	स	त	ल	र्म	छ	श	श	ण	ख	द
आ	स्ट्रे	लि	या	पु	र	न्यू	प	अ	ली	व
म	गा	दो	ग	ल्ता	लं	जी	तू	फ्री	झ	र्नि
बां	ग	ला	दे	श	न	लैं	ना	का	घ	हा
ल	अ	स	त	या	प	ड	श	ज	ला	लैं
पे	ता	दा	ई	ह	ब	सा	फ	रा	श	ड
स	बा	चे	न	ब्रा	जी	ई	री	ल	प	रु
त्ता	पा	ला	ल	के	न्या	दु	र	शा	स्त्री	ता
ह	रा	जी	व	गां	धी	रा	इं	ग्लैं	ड	त

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

आज का इतिहास

1854 अमेरिका और जापान के बीच एक समझौते के तहत जापान ने अपने बंदरगाह बाहरी दुनिया के लिए खोल दिये।

1889 एफिल टावर खोला गया।

1913 तुर्की ने बल्गारिया से शांति संधि के लिए महाशक्तियों की सलाह को मान ली।

1936 ब्रिटेन और फ्रांस ने पोलैंड को हमला होने पर मदद करने का वचन दिया।

1941 द्वितीय विश्व युद्ध में जर्मनी ने उत्तर अफ्रीका में जवाबी कारवाई की।

1964 विधुत ट्राम कार मुम्बई में अंतिम बार चली।

1966 दक्षिण अफ्रीका में प्रधानमंत्री हैंड्रिक वरबुर्ड की पार्टी को चुनावों में भारी सफलता मिली।

1980 अंतिम आई.सी.एस. अधिकारी निर्मल मुखर्जी रिटायर हुए थे।

1987 अल सल्वाडोर के एक सैन्य ठिकाने पर छापामारों के हमले में 43 सैनिक मारे गये।

1988 आस्ट्रेलिया के भूतपूर्व प्रधानमंत्री सरविलियम मेक्मोहन का निधन।

1989 तुर्की के प्रज्ञानमंत्री तुर्गत ओजल ने अपने भाई भतीजे सहित बारह मंत्रियों को हटा दिया।

2001 सचिन तेंदुलकर एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 10 हजार रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी बने।

2005 हरियाणा के दो मंत्री ओमप्रकाश जिंदल व सुरेंद्र सिंह व पायलट का हेलिकॉप्टर दुर्घटना में निधन।

संक्षिप्त खबरें

गिरिडीह में झामुमो का 53वां स्थापना दिवस समारोह, कार्यकर्ताओं के साथ उमड़ी समर्थकों की भारी भीड़

गिरिडीहः झारखंड मुक्ति मोर्चा गिरिडीह में 53वां स्थापना दिवस समारोह मना रहा है. यहां 13 प्रखंड के कार्यकर्ताओं का जुटान हुआ है. दूर-दूर से कार्यकर्ता व समर्थक गिरिडीह के झंडा मैदान पहुंचे हैं. यहां झारखंड मुक्ति मोर्चा के कार्यकर्ताओं के अलावा झामुमो के विभिन्न विंग के कार्यकर्ता भी अपने समर्थकों के साथ पहुंचे हैं. नगाड़ा बजाते हुए और शिबू सोरेन जिंदाबाद, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, मंत्री सुदिव्य कुमार जिंदाबाद, कल्पना सोरेन जिंदाबाद का नारा लगाते हुए पहुंच रहे कार्यकर्ता पूरी तरह से जोश में हैं. कार्यकर्ताओं द्वारा यह मांग की जा रही है कि झारखंड को वृहद किया जाए यानी जिस क्षेत्र को छोड़ा गया है उसे क्षेत्र को भी झारखंड में जोड़ा जाए. बता दें कि झारखंड मुक्ति मोर्चा अपना 53वां स्थापना दिवस समारोह मना रहा है. वैसे इस समारोह का आयोजन प्रत्येक वर्ष 4 मार्च को होता है लेकिन इस बार होली रहने के कारण यह आयोजन 30 मार्च को हो रहा है. इस कार्यक्रम में झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता सह मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू के अलावा मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी सह गांडेय विधायक कल्पना मुर्मू सोरेन भी मौजूद रहेंगी. इनके अलावा राज्यसभा सांसद सरफराज अहमद, टुंडी विधायक मथुरा महतो, मधुपुर के विधायक सह मंत्री हफीजुल हसन अंसारी भी यहां मौजूद रहेंगे. झंडा मैदान में एक कार्यक्रम का आयोजन होना है. यहां पहले उन लोगों की चित्र पर फूल-माला अर्पित किया जाएगा जो लोग झारखंड राज्य गठन के आंदोलन के दौरान शहीद हुए थे. गिरिडीह झारखंड कोलियरी मजदूर यूनियन के द्वारा भी काफी संख्या में कार्यकर्ताओं व समर्थकों को झंडा मैदान लाया गया है. जेकोमयू नेता हरगौरी साहूज तेजलाल मंडल, अर्जुन रवानी, देवचरण दास, चुड़का हांसदा के नेतृत्व में कार्यकर्ता पैदल ही झंडा मैदान पहुंचे. इस दौरान कार्यकर्ताओं ने वृहत झारखंड की मांग की है. साथी साथ असम चुनाव को लेकर भी कार्यकर्ताओं में जोश देखा जा रहा है. कार्यकर्ता कह रहे हैं कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में असम में झारखंड मुक्ति मोर्चा बेहतर प्रदर्शन करेगी. कार्यकर्ताओं का यह भी कहना है कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की नेतृत्व में झारखंड लगातार तरक्की की राह पर चल रहा है. विकास के कई कार्य हो रहे हैं. कार्यकर्ताओं का कहना है कि झारखंड को पूरी तरह से विकसित करने में सिर्फ और सिर्फ हेमंत सोरेन ही सक्षम है.

पलाश ब्रांड झारखंडी स्वाद और महिलाओं की आत्मनिर्भरता का बन रहा प्रतीकः मंत्री दीपिका

रांचीः झारखंड में स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं की मेहनत अब नया मुकाम हासिल कर रही है. गांवों में तैयार होने वाला पलाश ब्रांड अब शहर के बड़े मॉल और सुपरमार्केट तक पहुंच गया है. राज्य की ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री दीपिका पांडेय सिंह के मार्गदर्शन में झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रोमोशन सोसाइटी (JSLPS) ने रांची में पायलट प्रोजेक्ट के तहत इस पहल की शुरुआत की है. पहले चरण में पलाश ब्रांड के 15 उत्पाद मॉल में उपलब्ध कराए गए हैं. इनमें रागी आटा, मल्टीग्रेन आटा, रागी कुकीज, मक्का निमकी, रागी लड्डू, बाजरा आटा, फॉरेस्ट हनी, तिल लड्डू और विभिन्न प्रकार के अचार शामिल हैं. इन उत्पादों की खासियत उनकी शुद्धता, पौष्टिकता और पारंपरिक स्वाद है, जिसे ग्राहक खूब पसंद कर रहे हैं. इस पायलट प्रोजेक्ट से करीब 2 लाख से अधिक महिलाएं जुड़कर आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रही हैं. गांवों में तैयार उत्पाद पहले 'पलाश मार्ट' तक पहुंचते हैं, जहां से उन्हें शहर के रिटेल आउटलेट्स तक सप्लाई किया जाता है. इस पूरी प्रक्रिया को मजबूत बनाने के लिए सप्लाई चेन और एमओयू सिस्टम भी विकसित किया गया है. इस पहल में रांची, गोड्डा, खूंटी, गुमला, सिमडेगा, चाईबासा, जमशेदपुर, गिरिडीह और बोकारो जैसे जिलों की अहम भागीदारी है. भविष्य में 'अपना मार्ट' सहित अन्य बड़े सुपरमार्केट से जुड़ने की भी योजना है. मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि पलाश ब्रांड झारखंडी स्वाद और महिलाओं की आत्मनिर्भरता का प्रतीक बनकर उभर रहा है.

सूचना आयुक्तों की नियुक्ति में 'गोपनीयता' के खिलाफ हाईकोर्ट में हस्तक्षेप याचिका दायर

रांचीः झारखंड हाईकोर्ट में अधिवक्ता और सामाजिक कार्यकर्ता विशाल कुमार द्वारा एक महत्वपूर्ण हस्तक्षेप याचिका (I.A.) दायर की गई. यह याचिका राज्य सूचना आयोग में सूचना आयुक्तों की चयन प्रक्रिया में बरती जा रही कथित - गोपनीयता को चुनौती देने और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से दाखिल की गई है. दरअसल, याचिका में उल्लेख किया गया है कि इससे संबंधित एक जनहित याचिका में हाईकोर्ट की कड़ी टिप्पणी के बाद मुख्यमंत्री की अध्यक्षता वाली चयन समिति ने 25 मार्च, 2026 को बैठक की और कुछ नामों की अनुशंसा की है. याचिकाकर्ता का तर्क है कि चयन समिति ने आवेदकों की सूची, शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवारों के नाम और चयन के आधार को सार्वजनिक नहीं किया है. यह अंजलि भारद्वाज बनाम भारत संघ मामले में सर्वोच्च न्यायालय के उन स्पष्ट निर्देशों का उल्लंघन है, जिसमें चयन प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी बनाने और विवरण वेबसाइट पर डालने का आदेश दिया गया था. याचिका में RTI अधिनियम की धारा 15 (6) का हवाला देते हुए कहा गया है कि सूचना आयुक्त का किसी राजनीतिक दल से जुड़ा होना वर्जित है. पारदर्शिता के अभाव में यह जांचना असंभव है कि अनुशंसित उम्मीदवार इस वैधानिक अयोग्यता की परिधि में तो नहीं आते.

कांके में जमीन विवाद में हुई थी राजेंद्र मुंडा की हत्या, आरोपी अमित तावड़े ने कोर्ट में किया सरेंडर

रांची : राजधानी रांची के कांके में पाहन राजेंद्र मुंडा की हत्या कर दी गई थी. यह हत्या सोलह एकड़ जमीन विवाद को लेकर की गई थी. इस मामले में आरोपी अमित तावड़े ने कोर्ट में सरेंडर कर दिया. बताया जाता है कि आरोपी अमित तावड़े ने सरहुल के एक दिन पहले कोर्ट में सरेंडर किया था. मृतक राजेंद्र मुंडा के परिवार वालों ने बताया कि सोलह एकड़ जमीन को लेकर अमित तावड़े से बीच चल रहा था. उसी विवाद में उनकी हत्या की गई थी. आपको बता दें कि पाहन राजेंद्र मुंडा की अमित तावड़े से 25 फरवरी 2026 को झगड़ा हुआ था. उसके बाद सुकुरहूटू में 12 मार्च 2026 की शाम को उनकी गोली मारकर हत्या कर दी गई थी. इस हत्याकांड के बाद ग्रामीणों में काफी आक्रोश था और उन्होंने थानो का घेराव किया था. इस मामले को लेकर रांची के ग्रामीण एसपी प्रवीण पुष्कर ने बताया कि इस हत्याकांड के आरोपी अमित तावड़े ने कोर्ट में सरेंडर कर दिया है. जांच में पता चला कि पुरानी रंजिश में इस वारदात को अंजाम दिया गया था. पुलिस फिलहाल सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है.

रांची में महावीर जयंती महोत्सव और विश्वशांति महायज्ञ का हुआ आयोजन

भगवान महावीर का जीवन और उनके उपदेश सम्पूर्ण मानवता के लिए मार्गदर्शकः राज्यपाल

"राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने कहा कि ऐसे आध्यात्मिक आयोजन समाज में नैतिक मूल्यों को सुदृढ़ करते हैं और लोगों को आत्मचिंतन व आत्मसंयम के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने सभी से आह्वान किया कि वे भगवान महावीर के आदर्शों को अपने दैनिक जीवन में अपनाएं और समाज में शांति, सद्भाव एवं मानवता की भावना को मजबूत करें।,,

रांचीः झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने कहा कि भगवान महावीर का जीवन और उनके उपदेश सम्पूर्ण मानवता के लिए मार्गदर्शक हैं। उन्होंने कहा कि अहिंसा, सत्य, अपरिग्रह और करुणा के उनके सिद्धांत आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं और एक शांतिपूर्ण व समरस समाज के निर्माण की प्रेरणा देते हैं।

राज्यपाल सोमवार को रांची के बिरसा मुंडा फन पार्क में आयोजित महावीर जयंती महोत्सव तथा मुनि श्री 108 प्रमाण सागर जी महाराज के दीक्षा दिवस के अवसर पर श्री दिगम्बर जैन समाज, रांची द्वारा आयोजित 'श्री 1008 आदिनाथ जिनबिम्ब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव एवं विश्वशांति महायज्ञ' कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

इस अवसर पर उन्होंने सभी श्रद्धालुओं को महावीर जयंती की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि महावीर स्वामी का "जियो और जीने दो" का मूल मंत्र सहअस्तित्व, सहिष्णुता और पारस्परिक सम्मान की भावना को मजबूत करता है। वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में, जब दुनिया अनेक चुनौतियों का सामना कर रही है, ऐसे समय में भगवान महावीर के आदर्श मानवता को सही दिशा प्रदान करते हैं।

राज्यपाल ने 'श्री 1008 आदिनाथ जिनबिम्ब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव एवं विश्वशांति महायज्ञ' के आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि यह केवल एक धार्मिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि आध्यात्मिक चेतना, सांस्कृतिक परंपरा और विश्व शांति का पवित्र संगम है।

उन्होंने मुनि श्री 108 प्रमाण सागर जी महाराज के तप, त्याग और साधना का उल्लेख करते हुए कहा कि उनका जीवन आत्मसंयम, अनुशासन और आध्यात्मिक साधना का उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने कहा कि मुनि श्री अपने प्रवचनों और साहित्य के माध्यम से जैन दर्शन के गूढ़ सिद्धांतों को सरल और प्रभावी ढंग से जन-जन तक पहुंचा रहे हैं।

बाबा धाम में चौकसी कड़ी, पाकिस्तानी नोट मिलने के बाद सुरक्षा घेरा हुआ और सख्त

देवघरः झारखंड की आस्था का सबसे बड़ा केंद्र, बैद्यनाथ धाम मंदिर, अब पहले से कहीं ज्यादा सतर्क निगरानी में है. दानपेटी में पाकिस्तानी करेंसी मिलने की घटना को कुछ दिन बीत चुके हैं. लेकिन उसके बाद से मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था को लगातार और मजबूत किया जा रहा है.

देवघर जिला प्रशासन ने स्पष्ट कर दिया है कि किसी भी तरह की चूक अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी. मंदिर के सभी प्रमुख द्वारों पर सीसीटीवी कैमरों की संख्या बढ़ा दी गई है. जिससे हर आने-जाने वाले श्रद्धालु की गतिविधियों पर बारीकी से नजर रखी जा सके.

अब मंदिर परिसर में प्रवेश करने वाले हर व्यक्ति की गहन जांच की जा रही है. यदि कोई भी शख्स जरा सा भी संदिग्ध लगता है तो उसे मेटल डिटेक्टर से पूरी जांच के बाद ही अंदर जाने की अनुमति मिल रही है. सुरक्षा व्यवस्था को और पुख्ता करने के लिए जिला पुलिस के साथ-साथ आईआरबी के जवान भी तैनात कर दिए गए हैं.

मंदिर के तीर्थ पुरोहितों का कहना है कि घटना के बाद से हर श्रद्धालु पर विशेष नजर रखी जा रही है. अब यहां केवल आस्था ही नहीं, बल्कि सजगता भी उतनी ही आवश्यक हो गई है. मंदिर थाना प्रभारी रवि ठाकुर ने कहा है कि मंदिर की सुरक्षा जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और सभी पदाधिकारी व पुलिसकर्मी पूरी मुस्तैदी के साथ अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं. उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति को तुरंत हिरासत में लेकर जांच की जाएगी.

वहीं, श्रद्धालुओं ने भी बढ़ाई गई सुरक्षा व्यवस्था को जरूरी बताते हुए कहा कि इससे मंदिर की पवित्रता और व्यवस्था दोनों सुरक्षित रहेंगी. वहीं कुछ महिला श्रद्धालुओं ने कहा कि मंदिर परिसर में महिला पुलिस कर्मियों की कमी है क्योंकि कई बार पुरुष पुलिसकर्मी ही महिलाओं की जांच कर रहे हैं. जिससे कई महिला श्रद्धालु असहज महसूस करती हैं.

झारखंड के सात जिलों में 31 को बारिश और ओलावृष्टि को लेकर ऑरेंज अलर्ट

रांचीः मौसम विभाग ने जानकारी दी है कि झारखंड के सात जिलों में 31 मार्च को गर्जन के साथ बारिश, 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने और ओलावृष्टि की संभावना है। इसे देखते हुए विभाग ने संबंधित जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। इसके साथ ही राज्य के दक्षिणी एवं इससे सटे मध्यवर्ती जिलों में गर्जन के साथ वज्रपात और 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की तेज हवा चलने की आशंका भी जताई गई है।

पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक तापमान डाल्टनगंज में 38.2 डिग्री सेल्सियस और सबसे कम तापमान गुमला में 17.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। सोमवार की सुबह रांची और आसपास के इलाकों में घना कुहासा छाया रहा, जिससे दृश्यता काफी कम हो गई। घने कुहासे के कारण वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। हालांकि बाद में मौसम साफ हुआ और धूप निकलने से दोपहर में लोगों को तेज गर्मी का एहसास हुआ। सोमवार को रांची में अधिकतम तापमान 33.6 डिग्री और न्यूनतम 20.1 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

एयर एंबुलेंस हादसा में जान गंवाने वाले डॉक्टर के परिवार से मिले स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी

रांचीः एयर एंबुलेंस हादसे में जान गंवाने वाले डॉक्टर विकास कुमार गुप्ता के पिता ने स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी के आवास पर मुलाकात की. मंत्री ने उनसे मिलकर दुख जताया और हर संभव मदद का भरोसा दिया. इरफान अंसारी ने कहा कि डॉक्टर विकास कुमार गुप्ता एक मेहनती और ईमानदार डॉक्टर थे. उन्होंने हमेशा अपने काम को पूरी जिम्मेदारी से किया. उनका निधन विभाग और समाज दोनों के लिए बड़ी क्षति है.

मंत्री ने साथ ही कहा कि इस मुश्किल समय में सरकार उनके परिवार के साथ है. परिवार को मिलने वाले सभी सरकारी लाभ दिलाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है. इसके लिए संबंधित विभागों और DGCA, दिल्ली से संपर्क किया गया है, ताकि बीमा और अन्य मदद जल्द मिल सके. उन्होंने कहा कि सरकार कोशिश कर रही है कि परिवार को हर जरूरी मदद समय पर मिले और उन्हें किसी तरह की परेशानी न हो.

झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन ने असम में झामुमो कार्यकर्ताओं के साथ बनाई रणनीति

पार्टी की जमीनी पकड़ मजबूत करने पर दिया गया जोर

संवाददाता असम/डिब्रूगढ़/रांचीः असम विधानसभा चुनाव की तैयारियों को धार देने के उद्देश्य से सोमवार को डिब्रूगढ़ में झारखण्ड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के केंद्रीय अध्यक्ष सह मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय बैठक संपन्न हुई। इस बैठक में असम के विभिन्न क्षेत्रों से आए पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने चुनावी रणनीति पर विस्तृत चर्चा की।

इस बैठक में असम के आदिवासी, शोषित और वंचित समाज बहुल क्षेत्रों में पार्टी की जमीनी पकड़ मजबूत करने पर जोर दिया गया। मुख्यमंत्री ने आगामी विधानसभा चुनाव के लिए क्षेत्रवार रणनीतिक योजना और जनसंपर्क कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की। सोरेन ने स्पष्ट किया कि झामुमो हमेशा से शोषित, वंचित और क्षेत्रीय पहचान की रक्षा करने वाली पार्टी रही है और यही विचारधारा असम में भी पार्टी का आधार बनेगी। बैठक के अंत में उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं और प्रतिनिधियों ने आगामी चुनावों में पूरी प्रतिबद्धता, अनुशासन और एकजुटता के साथ मैदान में उतरने का सामूहिक संकल्प लिया। संगठन के वरिष्ठ नेताओं ने भी अपने विचार साझा करते हुए जमीनी स्तर पर कार्य करने के लिए 'रोडमैप' प्रस्तुत किया। बैठक मंत्री चमरा लिंडा समेत झामुमो के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

आदिवासी हक़ों पर कुठाराघात : शिल्पी नेहा तिर्की

संवाददाता डिब्रूगढ़/रांचीः असम विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान नहरकटिया और तिनखोंग विधानसभा क्षेत्रों में आयोजित जनसभाओं को संबोधित करते हुए शिल्पी नेहा तिर्की ने राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि जिस राज्य के मुख्यमंत्री के पास 12 हजार बीघा बेनामी जमीन होने की चर्चा है, उसी राज्य में आदिवासियों को एक बीघा जमीन का भी पट्टा नहीं मिल पाना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और चिंताजनक है।

उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार आदिवासियों की जमीन उद्योगपतियों को सौंपने की कोशिश कर रही है, जबकि जल-जंगल-जमीन ही आदिवासी समाज की असली पहचान है। तिर्की ने कहा कि कांग्रेस आदिवासियों के अधिकार, सम्मान और जमीन की सुरक्षा के लिए संघर्ष कर रही है और सत्ता में आने पर उन्हें पट्टा व संरक्षण सुनिश्चित किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि जनता भ्रष्टाचार, धार्मिक उन्माद और जनविरोधी नीतियों से ऊब चुकी है। लोगों को बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और चाय बागान मजदूरों को न्याय चाहिए। आने वाले चुनाव में जनता बदलाव के पक्ष में मतदान करेगी।

पकड़ा गया देशभर में बम से उड़ाने वाली धमकियां देने का आरोपी

अब तक भेज चुका है 1100 ईमेल

नई दिल्ली/रांचीः देशभर में लगातार मिल रही बम से उड़ाने की धमकियों के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है. इस मामले में दिल्ली पुलिस ने कर्नाटक के मैसूर से 47 वर्षीय श्रीनिवास लुकस को गिरफ्तार किया गया है. आरोपी पर आरोप है कि वह देश के विभिन्न संस्थानों को ईमेल और फोन कॉल के जरिए बम की झूठी धमकियां देता था. पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी ने पिछले कुछ महीनों के दौरान 1100 से अधिक फर्जी बम धमकी भरे ईमेल और कॉल किए. इन धमकियों का निशाना दिल्ली हाईकोर्ट, कई स्कूल, अस्पताल और सरकारी कार्यालय बने. हर बार धमकी मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियों को अलर्ट होना पड़ता था और बड़े स्तर पर जांच व सर्च ऑपरेशन चलाना पड़ता था, जिससे आम लोगों में डर का माहौल बन जाता था.

लगातार मिल रही इन धमकियों के बाद पुलिस और जांच एजेंसियों ने तकनीकी जांच शुरू की. डिजिटल ट्रैकिंग, ईमेल ट्रेसिंग और साइबर जांच के जरिए आरोपी की लोकेशन का पता लगाया गया, जिसके बाद उसे मैसूर से गिरफ्तार कर लिया गया. गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपी के किराए के मकान की तलाशी ली, जहां से एक लैपटॉप बरामद किया गया. प्रारंभिक जांच में यह सामने आया है कि इसी लैपटॉप का इस्तेमाल कर आरोपी फर्जी ईमेल भेजता था और अलग-अलग संस्थानों को धमकी देता था. पुलिस सूत्रों के अनुसार, आरोपी की मानसिक स्थिति को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं. हालांकि इस संबंध में विस्तृत जांच की जा रही है और मेडिकल परीक्षण भी कराया जा सकता है.

फिलहाल आरोपी को दिल्ली लाया जा रहा है, जहां उससे गहन पूछताछ की जाएगी. पुलिस यह जानने की कोशिश कर रही है कि क्या वह अकेले ही इस पूरे मामले को अंजाम दे रहा था या इसके पीछे कोई और नेटवर्क या साजिश भी शामिल है.

बताया जा रहा है कि पिछले कई महीनों से देशभर में स्कूलों, अदालतों और सरकारी संस्थानों को बम से उड़ाने की धमकियां मिल रही थीं. हर बार जांच में ये धमकियां फर्जी साबित हुईं, लेकिन इसके कारण सुरक्षा एजेंसियों को भारी मशक्कत करनी पड़ती थी और कई जगहों पर कामकाज भी प्रभावित होता था. इस गिरफ्तारी के साथ ही पुलिस ने एक बड़े फर्जी धमकी नेटवर्क का खुलासा किया है, जिसने लंबे समय तक देशभर में दहशत का माहौल बनाए रखा. फिलहाल पुलिस पूरे मामले की गहराई से जांच में जुटी हुई है.

चाईबासा प्रशिक्षण शिविर के समापन समारोह में शामिल नहीं होंगे राहुल गांधी

चाईबासाः पश्चिमी सिंहभूम जिले के गुईरा स्थित ट्राइबल रिसर्च एंड ट्रेनिंग सेंटर (टीआरटीसी) में झारखंड और ओडिशा के कांग्रेस के नवनियुक्त जिला अध्यक्षों के लिए आयोजित 10 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का समापन 31 मार्च को होगा। हालांकि, समापन समारोह में कांग्रेस नेता राहुल गांधी अब शामिल नहीं हो पाएंगे। कांग्रेस के जिला प्रवक्ता त्रिशानु राय के अनुसार, सोनिया गांधी की तबीयत खराब होने के कारण राहुल गांधी का चाईबासा दौरा फिलहाल स्थगित कर दिया गया है। पहले यह संभावना जताई जा रही थी कि कार्यक्रम में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे भी शामिल हो सकते हैं, लेकिन इसे लेकर अभी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। इस प्रशिक्षण शिविर में झारखंड और ओडिशा के कांग्रेस जिला अध्यक्षों को पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और मंत्रियों द्वारा संगठन को मजबूत करने, नेतृत्व क्षमता विकसित करने और जनता के साथ बेहतर संवाद स्थापित करने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। 10 दिनों तक चले इस शिविर का उद्देश्य पार्टी को जमीनी स्तर पर सशक्त बनाना और नए नेतृत्व को तैयार करना है, ताकि भविष्य में संगठन को और मजबूती मिल सके।

विधायक सरयू राय ने साकची में आईएसएम सेंटर का किया भव्य शुभारंभ

जमशेदपुरः लौहनगरी के युवाओं के लिए डिजिटल शिक्षा और कौशल विकास के नए द्वार खुल गए हैं। सोमवार (30 मार्च 2026) को साकची स्थित ई-डिजिटल इंडिया स्किल डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट के परिसर में इंस्टिट्यूट ऑफ साइंस एंड मैनेजमेंट (ISM), रांची के जमशेदपुर सेंटर का भव्य उद्घाटन समारोह संपन्न हुआ। यह केंद्र शहर के विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीक और रोजगारपरक शिक्षा से जोड़ने की दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगा।

एआई का टूल की तरह इस्तेमाल करें : कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय ने दीप प्रज्वलित कर केंद्र का विधिवत उद्घाटन किया। युवाओं को संबोधित करते हुए उन्होंने आर्टिफीसियल इंटेलिजेंस (AI) की महत्ता पर विशेष जोर दिया। राय ने कहा, "एआई से डरने की जरूरत नहीं है, बल्कि इसे एक सकारात्मक टूल के रूप में अपनाना चाहिए। औसत बुद्धिमत्ता वाले बच्चों तक भी इसकी समझ पहुँचनी अनिवार्य है, तभी यह तकनीक गांव और देश के समावेशी विकास में सहायक सिद्ध होगी।" उन्होंने आगे कहा कि वर्तमान दौर में लेटेस्ट तकनीक में निपुणता हासिल करके ही हम अपने कार्यों को सरल, प्रभावी और प्रतिस्पर्धी बना सकते हैं।

समय की मांग है व्यक्तिगत और तकनीकी विकास : विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित एलबीएसएम कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार झा ने विधायक सरयू राय के वक्तव्य का समर्थन करते हुए कहा कि आज के समय में एआई (AI) का ज्ञान व्यक्तिगत और राष्ट्रीय प्रगति के लिए अनिवार्य हो चुका है। उन्होंने संस्थान की इस पहल को जमशेदपुर के शैक्षणिक परिदृश्य के लिए अत्यंत प्रासंगिक बताया। समारोह के दौरान ISM रांची की प्राचार्य डॉ. ज्योति और संस्थान के अन्य वरिष्ठ संकाय सदस्यों ने कॉलेज द्वारा संचालित विभिन्न आधुनिक पाठ्यक्रमों और संस्थान के शानदार प्लेसमेंट रिकॉर्ड की विस्तृत जानकारी साझा की। इस गौरवशाली अवसर पर शिक्षा जगत की कई प्रमुख हस्तियां मौजूद रहीं। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. दीपांजय श्रीवास्तव (विभागाध्यक्ष, LBSM College) ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन ई-डिजिटल इंडिया के निदेशक रामकृष्ण ठाकुर ने दिया।

समारोह में डॉ. कमलेन्दु, चंदना ठाकुर, हेड ऑफ इंस्टिट्यूट, ई-डिजिटल इंडिया समेत काफी संख्या में छात्र-छात्राएं एवं कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक किशोर कुमार पाण्डेय द्वारा डी. बी. कॉर्प लिमिटेड, प्लॉट नं. 535 एवं 1272, लालगुटुआ, रांची से मुद्रित एवं फर्स्ट फ्लोर, 105, नायल कॉम्प्लेक्स, कांटाटोली, रांची-834001 (झारखण्ड) से प्रकाशित, आर.एन.आई. नं. JHAHIN/2013/50549 फोन नं. 8084372014, Email : koylanchalsamvad@gmai.com & koylanchal.hindi@gmail.com *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट तहत जिम्मेदार।